सुप्रीम कोर्ट ने कहा-बार काउंसिल चुनाव में 30 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित
-12

मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 26000 के नीचे
-12

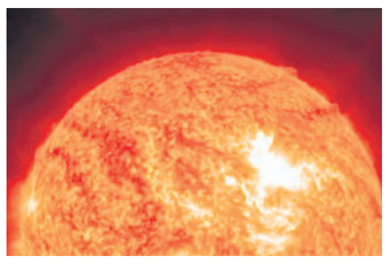

सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा, सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास
-13

टी-20 सीरीज आज से शुरू होगी, जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम
-14

आज का मौसम
26.5⁰ अधिकतम तापमान
09.2⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.44
सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष पंचमी 02:29 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 109, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

न्यूज ब्रीफ

हिमालयी क्षेत्र से आ रही सर्द हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

लखनऊ। हिमालयी क्षेत्र से आ रही बर्फीली हवा के कारण उत्तर प्रदेश में पारा और गिर गया है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान तो सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार अब हवा की रफ्तार भी धीमी रहेगा। सोमवार को लखनऊ, कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार से सर्दी का असर बढ़ गया। पहाड़ों पर बर्फबारी कराने वाले पश्चिमी विक्षोभ के आने का प्रभाव दिखने लगा है। इस बीच अनुमान है कि यूपी के कई जिलों, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुज्जफरनगर, सहारनपुर में घना कोहरा पड़ सकता है। बरेली, मुरादाबाद और तराई में कोहरे के साथ ठंडी हवाएं चलने से दिन में गलाने वाली सर्दी का अहसास होने का अनुमान है। लखनऊ, कानपुर व पूर्वांचल के मौसम पर चर्चा करें तो सुबह ठंडी हवाएं चलेंगी और दिन में गुनगुनी धूप निकलेगी। आने वाले दिनों में रात के तापमान में और गिरावट संभव हैं।

सत्येंद्र जैन और डीजेबी के पूर्व अफसरों पर आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी के लिए निविदाएं देने में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन तथा 13 अन्य के खिलाफ ईडी ने धन शोधन विरोधी कानून के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 14 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच से यह निष्कर्ष निकला है कि जैन, उदित प्रकाश राय, अजय गुप्ता, सतीश चंद्र वशिष्ठ और कुछ अन्य लोग 17.70 करोड़ रुपये मूल्य की आपराधिक आय के सृजन, अधिग्रहण, छुपाने, कब्जे और उपयोग में शामिल थे।

साइफल पुल पर बाघ को घेरकर फोटो खींचते सैलानी।

वाहनों से की बाघ की घेराबंदी, नोटिस

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। दरअसल बीते रविवार को बराही रेंज के साइफन पुल पर चहलकदमी कर रहे एक बाघ को दिखाने के चक्कर में चालक व नेचर गाइडों ने नियमों को तांक पर रख दोनों ओर सफारी वाहन खड़े कर दिए। इतना ही नहीं, सैलानियों के साथ चालकों और गाइडों ने सफारी वाहन से उतरकर जमकर फोटोग्राफी की। पुल के दोनों तरफ सफारी वाहनों के घिरने से बाघ असहज भी हो उठा। गनीमत यह रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। इधर इस बड़ी लापरवाही से जुड़ा वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। डिप्टी डायरेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उप प्रभागीय वनाधिकारी माला को जांच करने के निर्देश दिए हैं।

मुस्लिम लीग के सामने कांग्रेस ने टेके घुटने

वंदे मातरम् के 150 वर्ष के अवसर पर लोकसभा में चर्चा, मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने किए राष्ट्रीय गीत के टुकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए गए और एक दिन पार्टी को भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा। सदन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मोदी ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में लिखित वंदे मातरम् जब देश की ऊर्जा और प्रेरणा का मंत्र बन रहा था और स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया था, तब मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति और मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में कांग्रेस झुक गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। तब नेहरू ने मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों पर करारा जवाब देने के बजाय वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

मोदी ने कहा कि अंग्रेज समझ चुके थे कि 1857 के बाद भारत में लंबे समय तक टिक पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। वे सपने लेकर तो आए थे, लेकिन उन्हें यह साफ दिखने लगा कि जब तक भारत को बांटा नहीं जाएगा, लोगों को आपस में लड़ाया नहीं जाएगा, तब तक यहां राज करना कठिन है। तब अंग्रेज़ों ने बांटो और राज करो का रास्ता चुना, और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया। मोदी ने कहा कि जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।

> वंदे मातरम्, सिर्फ राजनीतिक लड़ाई का मंत्र नहीं था। अंग्रेज जाएं और हम अपनी राह पर खड़े हो जाएं, वंदे मातरम् सिर्फ यहां तक सीमित नहीं था। यह आजादी की लड़ाई थी, इस मातृभूमि को मुक्त कराने की जंग थी। मां भारती को उन बेड़ियों से मुक्त कराने की एक पवित्र जंग थी।
> – **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

जब वंदे मातरम् का उत्तम पर्व होना था, तब संविधान का गला घोंटा गया

मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष हुए थे, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब वंदे मातरम् के 100 वर्ष हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और जब वंदे मातरम् का अत्यंत उत्तम पर्व होना चाहिए था, तब भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। मोदी ने सदन में उपस्थित सदस्यों से कहा कि हम लोगों पर तो कर्ज है वंदे मातरम का। उसी ने संसद में पहुंचाने का रास्ता बनाया। अब हम आत्मनिर्भर भारत का सपना लेकर चल रहे हैं और वंदे मातरम् हमारी प्रेरणा है। स्वदेशी आंदोलन की भावना आज भी मौजूद है और वंदे मातरम हमें जोड़ता है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले महापुरुषों का सपना स्वतंत्र भारत का था और आज की पीढ़ी का सपना समृद्ध भारत का है। मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था, जब 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेज सल्तनत बौखलाई हुई थी। उन्होंने कहा, ''हमारा सपना है कि 2047 में देश विकसित भारत बनकर रहे। अगर आजादी के 50 साल पहले कोई देश की आजादी का सपना देख सकता था तो 25 साल पहले हम भी समृद्ध, विकसित भारत का सपना देख सकते हैं।

नेहरू ने लिखा था - मुस्लिम भड़केंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्ना के विरोध के पांच दिन बाद ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा ''वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को क्षुब्ध कर सकती है। इसके बाद कांग्रेस ने वंदे मातरम् के उपयोग की समीक्षा की घोषणा की जिससे पूरा देश हैरान था। मोदी ने कहा कि देशभक्तों ने इस प्रस्ताव के विरोध में देश के कोने कोने में प्रभात फेरियां निकालीं, वंदे मातरम् गीत गाया। लेकिन देश का दुर्भाग्य कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदे मातरम् पर समझौता कर लिया। इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया। प्रधानमंत्री के मुताबिक, नेहरू ने पत्र में लिखा कि मैंने वंदे मातरम गीत की पृष्ठभूमि पढ़ी है। मुझे लगता है कि जो पृष्ठभूमि है, इससे मुस्लिम भड़केंगे।

बंगाल चुनाव के कारण चर्चा कराई गईः प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सरकार पर 'वंदे मातरम्' को विवादित करने के 'महापाप' का आरोप लगाया और दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदन में चर्चा कराई गई है। उन्होंने सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राष्ट्रीय गीत पर चर्चा की जरूरत नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह देश के कण-कण में बसा है तथा देश की भावना से जुड़ा है। प्रियंका ने कहा कि सत्तापक्ष को पंडित जवाहरलाल नेहरू पर बार-बार आरोप लगाने के बजाय इस पर संसद में चर्चा करा लेनी चाहिए ताकि एक ही बार सारी बातें हो जाएं और यह पूरा अध्याय हमेशा के लिए खत्म हो तथा बेरोजगारी, महंगाई और दूसरी चुनौतियों पर चर्चा हो।

प्रवासी पक्षियों से रामसर साइट्स गुलजार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड रामसर साइट्स पर विकसित कर रहा पर्यटक सुविधाएं

अमृत विचारः सर्दियों का आगमन होते ही उत्तर प्रदेश की सभी 10 रामसर साइट्स प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंज उठी हैं। हजारों किलोमीटर दूर से आने वाले इन दुर्लभ मेहमानों ने वेटलैंड्स को फिर से जीवन से भर दिया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर उभारने के लिए तेजी से काम कर रहा है।

सुरसरोवर और हैदरपुर में बड़े पैमाने पर विकास : पर्यटन मंत्री ने कहा कि आगरा स्थित सूर सरोवर बर्ड सेंक्चुरी में 167.85 लाख रुपये की लागत से पार्किंग, नेचर ट्रेल, वॉच टावर, सोविनियर शॉप, शौचालय और आरओ कूलर जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। मुजफ्फरनगर की हैदरपुर वेटलैंड में 165.71 लाख रुपये से प्रवेश द्वार, नेचर कैंप, वॉच टावर, कैंटीन और अन्य सुविधाओं का विस्तार कर इसे विश्व-स्तरीय आकर्षण प्रदान किया गया है।

कलरव करते प्रवासी पक्षी।

नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 से

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 दिसंबर से शुरू होगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद 15 दिसंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। 15 दिसंबर से ही अभ्यर्थियों को मेरिट क्रम के अनुसार 19 दिसंबर तक रिक्त सीटों को ध्यान में रखकर प्राथमिकताएं भरनी होंगी। इसके बाद 20 दिसंबर को सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवंटित सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया 22 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी।

वोटर लिस्ट में नहीं चाहिए घुसपैठिया लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मुरादाबाद

- मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर कसे पेंच
- भाजपा नेताओं को फर्जी नाम हटवाने और सही जुड़वाने का सौंपा मिशन

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर संगठन के पेंच कसे। उन्होंने जिलों से आए जनप्रतिनिधियों से लेकर पदाधिकारियों को एक सूत्री टास्क सौंपा कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हर हाल में बाहर होना चाहिए। एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम में पूरी शिद्दत से जुटें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सबसे पहले मुरादाबाद के सर्किट हाउस में मंडल के सभी जिलों से आए भाजपा मंत्रियों, जनप्रतिधियों और पदाधिकारियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुस्त रफ्तार को लेकर समीक्षा की। बैठक में अफसरों को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। इस दौरान मंडल के जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों ने विकास की योजनाओं और एसआईआर की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घुसपैठिया फर्जी वोटरों पर विशेष फोकस रखें। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम समय पर करें। बांग्लादेशी घुसपैठिये किसी कीमत पर वोटर नहीं बनने चाहिए। पार्टी के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी लापरवाही न बरतें। मतदाता सूची 2003 के अनुसार मृत और फर्जी वोटरों के नाम कटवाएं। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के साथ टोली बनाकर घर-घर जनसंपर्क करना होगा। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी लें।

शादी में कम, जनता में ज्यादा जाएं : मुख्यमंत्री

गाजियाबाद में नेहरू नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में मुख्यमंत्री ने मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां कार्य अटका हो, उसे तत्काल शासन को बताएं। जनप्रतिनिधि शादी-ब्याह में कम जाएं और जनता के बीच अधिक समय दें। गाजियाबाद की कुछ विधानसभाओं में एसआईआर की धीमी प्रगति देखकर मुख्यमंत्री ने असंतोष भी जताया और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। आगरा के आयुक्त सभागार में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों के साथ करीब दो घंटे हुई बैठक में मुख्य फोकस एसआईआर ही रहा।

वार मेमोरियल में बिछा रह गया रेड कार्पेट

मुरादाबाद नगर निगम ने मुख्यमंत्री को निर्माणाधीन वार मेमोरियल दिखाने की व्यापक तैयारी की थी। पूरा क्षेत्र सजाया गया, रेड कार्पेट तक बिछाया गया, लेकिन तय कार्यक्रम में बदलाव के कारण सीएम वहां नहीं पहुंचे। सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए।

संविदा चालकों-परिचालकों के मानदेय में वृद्धि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने संविदा चालकों और परिचालकों के लिए मानदेय बढ़ोतरी और कई नई प्रोत्साहन योजनाओं का बड़ा ऐलान किया है। नोएडा, एनसीआर व बॉर्डर क्षेत्रों में 10 पैसे प्रति किमी की बढ़ोत्तरी की गयी है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 से परिवहन निगम संविदा कर्मचारियों को पुनरीक्षित दरों पर मानदेय का भुगतान शुरू करेगा।

उप्र.राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि नोएडा क्षेत्र की नगरीय-ग्रामीण सेवाओं, एनसीआर (कौशांबी, साहिबाबाद, लोनी) और गोरखपुर क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सोनौली, सिद्धार्थनगर व महाराजगंज डिपो में तैनात संविदा चालक-परिचालक को अब 2.18 रुपये से बढ़ाकर 2.28 रुपये प्रति किमी मानदेय मिलेगा। इसके अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में कार्यरत संविदा चालक-परिचालकों को 14 पैसे प्रति किमी मानदेय वृद्धि दी जाएगी। एक वित्तीय वर्ष में 288 दिनों की ड्यूटी और 66000 व 78000 किमी की यात्रा पूरी करनी होगी। ऐसे चालकों को पारिश्रमिक 14,687 और प्रोत्साहन 4,000 कुल 18,687 रुपये देय होगा, इसी प्रकार परिचालकों को पारिश्रमिक 14,418 और प्रोत्साहन 4,000 रुपये कुल 18,418 रुपये मिलेंगे।

उत्कृष्ट प्रोत्साहन योजना भी लागू

प्रबन्ध निदेशक प्रभु एन सिंह ने बताया कि उत्कृष्ट प्रोत्साहन योजना में चालकों को 14,687 और 7,000 कुल 21,687 रुपये मिलेंगे, परिचालकों को 14,418 और प्रोत्साहन 7,000 रुपये कुल 21,418 रुपये दिए जाएंगे। योजना में चयन के बाद 24 दिन ड्यूटी और 6,000 किमी प्रति माह अतिरिक्त मिलेगा।

प्रोत्साहन राशि बढ़ी

प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि 20 वर्ष पुराने संविदा चालकों 1500 रुपये मासिक प्रोत्साहन और 10 वर्ष पुराने संविदा चालक को 750 रुपये मासिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके अलावा 24 दिन या अधिक ड्यूटी करने पर कम से कम 6,000 किमी संचालन करना होगा, 50 प्रतिशत लोड फैक्टर की अनिवार्यता होगी।

सूबे की ग्राम पंचायतों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाएंगे दो हजार रोल मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

- जनवरी तक ये रोल मॉडल करेंगे करेंगे एक्सपोजर विजिट, समझेंगे पंचायतों का सफल काम

अमृत विचारः नव वर्ष यानी 2026 में दो हजार रोल मॉडल उत्तर प्रदेश की ग्राम पंचायतों सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने में जुट जाएंगे। जनवरी तक राज्य तमाम जिलों से चुने गए इन रोल मॉडल्स को एक्सपोज़र विज़िट कराई जा रही है ताकि वे पंचायतों का सफल काम समझें।

राज्य सरकार का लक्ष्य आंतरिक एक्सपोज़र विज़िट से हर पंचायत को आत्मनिर्भर मॉडल बनाने का है। फिलहाल रामपुर, श्रावस्ती, ललितपुर और अमेठी समेत कई जिलों में यह बैचवार एक्सपोज़र विज़िट चल रही है।

इस पहल का खास उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे नवीन, उत्कृष्ट और व्यावहारिक विकास कार्यों को सामने से दिखाकर अन्य ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे स्वयं को भी एक्सपर्ट्स के साथ रोल मॉडल के रूप में विकसित कर सकें। दरअसल, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मियों के लिए एक्सपोज़र विज़िट प्रोग्राम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। रामपुर, श्रावस्ती, ललितपुर और अमेठी समेत कई जिलों में यह बैचवार विजिट चल रही है। इस दौरान लगभग दो हजार प्रतिभागी यानि भविष्य के एक्सपर्ट नवंबर से जनवरी की अवधि में एक्सपोजर विजिट में भाग ले रहे हैं।

> हमारा लक्ष्य है कि हर पंचायत सशक्त हो, संसाधन पैदा करे और आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित हों, जो एक्सपर्ट लौट रहे हैं या उसमें शामिल हो रहे हैं। वे अपने क्षेत्रों में विकास की नई सोच और ऊर्जा लेकर जा रहे है। – **ओमप्रकाश राजभर**, पंचायती राज मंत्री

> क्रॉस-लर्निंग मॉडल से पंचायतें एक-दूसरे के अनुभवों से सीख कर तेज़ी से विकास कर सकती हैं। यह एक्सपोज़र विजिट ग्रामीण शासन और सेवा वितरण की गुणवत्ता को नई ऊंचाई देगा। – **अमित कुमार सिंह**, निदेशक पंचायती राज

इंडिगो संकट — इंडिगो की आंतरिक क्रू रोस्टर प्रणाली में विसंगतियों और कुप्रबंधन के कारण हुआ

इंडिगो पर कार्रवाई होगी, ताकि अन्य को मिले सबक : नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

- चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल रहा इंडिगो

राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए उदाहरण पेश किया जा सके।

उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए नायडू ने इंडिगो एयरलाइंस को उसके दिन-प्रतिदिन के संचालन के दौरान चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। हम एक जांच कर रहे हैं। हम न केवल इस मामले में बल्कि एक मिसाल पेश करने के लिए भी बहुत, बहुत कड़ी कार्रवाई करेंगे। विमानन मंत्री ने स्पष्ट किया कि इंडिगो संकट एएमएसएस से संबंधित नहीं था बल्कि इंडिगो की आंतरिक क्रू रोस्टर प्रणाली में विसंगतियों और कुप्रबंधन के कारण हुआ था। अप्रैल 2025 के उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तैयार किए गये नये उड़ान ड्यूटी समय पाबंदी (एफडीटीएल) दिशानिर्देश की विस्तार से जानकारी देते हुए नायडू ने कहा कि कुल 22 एफडीटीएल दिशानिर्देश थे, जिनमें से 15 को एक जुलाई 2025 से और शेष सात को एक नवंबर 2025 से लागू किया गया।

इंडिगो ने महानगरों के छह हवाई अड्डों से 562 उड़ानें रद्द कीं

नई दिल्ली। राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों पर 562 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें से 150 उड़ानें अकेले बेंगलुरु हवाई अड्डे पर रद्द की गईं। इंडिगो ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों से अपनी 2,300 दैनिक उड़ानों में से 560 उड़ानें पहले ही रद्द कर दीं। यह संख्या नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा दिए गए अनुमानों से अधिक है, जिसने आज कहा था कि विमानन कंपनी सोमवार को 500 उड़ानें रद्द करने के अलावा 1,802 उड़ानों के संचालन की योजना बना रही है। इंडिगो' ने अपनी ओर से सोमवार को रद्द की गई सेवाओं की संख्या सार्वजनिक नहीं की थी। सूत्रों के अनुसार रद्द की गई 560 उड़ानों में से, इंडिगो ने बेंगलुरु से 76 आगमन और 74 प्रस्थान, तथा दिल्ली से 83 प्रस्थान और 60 आगमन उड़ानें रद्द कीं। उन्होंने बताया कि मुंबई और हैदराबाद हवाई अड्डों पर उड़ानों को रद्द करने की संख्या क्रमशः 98 और 112 रही।

संविदा चालकों-परिचालकों का जनवरी 2026 से बढ़ेगा मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने संविदा चालकों और परिचालकों के लिए मानदेय बढ़ोतरी और कई नई प्रोत्साहन योजनाओं का बड़ा ऐलान किया है। नोएडा, एनसीआर व बॉर्डर क्षेत्रों में 10 पैसे प्रति किमी की बढ़ोत्तरी की गयी है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 से परिवहन निगम संविदा कर्मचारियों को पुनरीक्षित दरों पर मानदेय का भुगतान शुरू करेगा।

● लागू होंगी नई प्रोत्साहन योजनाएं

उप्र.राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि नोएडा क्षेत्र की नगरीय-ग्रामीण सेवाओं, एनसीआर (कौशांबी, साहिबाबाद, लोनी) और गोरखपुर क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सोनौली, सिद्धार्थनगर व महाराजगंज डिपो में तैनात संविदा चालक–परिचालक को अब 2.18 रुपये से बढ़ाकर 2.28 रुपये प्रति किमी मानदेय मिलेगा। यानी 10 पैसे प्रति किमी की वृद्धि लागू होगी। इसके अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में कार्यरत संविदा चालक-परिचालकों को 14 पैसे प्रति किमी मानदेय वृद्धि दी जाएगी।

प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि एक वित्तीय वर्ष में 288 दिनों की ड्यूटी और 66000 व 78000 किमी की यात्रा पूरी करनी होगी। ऐसे चालकों को पारिश्रमिक 14,687 और प्रोत्साहन 4,000 कुल 18,687 रूपए देय होगा, इसी प्रकार परिचालकों को पारिश्रमिक 14,418 और प्रोत्साहन 4,000 रुपये कुल 18,418 रुपये मिलेंगे। उक्त योजना में चयन के बाद 22 दिन ड्यूटी और 5,000 किमी संचालन प्रति माह मिलेगा।

मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरेगा यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरने को कमर कसने जा रहा है। राज्य सरकार ने मखाना विकास योजना की शुरुआत दी है। हालांकि वर्तमान में भारत में सर्वाधिक मखाना बिहार राज्य में पैदा होता है, जो देश के कुल उत्पादन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा है।

दरअसल, भारत सरकार ने वर्ष 2025 में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन किया और प्रथम चरण में 10 राज्यों में योजना लागू की, जिसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इसी

- प्रदेश सरकार ने लखनऊ में की मखाना विकास योजना की शुरुआत की घोषणा
- कार्ययोजना के लिए केंद्र सरकार ने 158 लाख रुपये जारी किए
- कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए

कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दी है और 158 लाख रुपये भी जारी किए हैं।

चूंकि मखाना एक सुपरफूड है, जिसकी बाजार में उच्च मांग है। यह ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों ने उत्तर प्रदेश की जलवायु को मखाना उत्पाद के लिए उपयुक्त पाया है। पूर्वांचल के कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती जिले मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए हैं।

इन जिलों को मखाना उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल इसलिए भी माना गया, क्योंकि जहां सिंघाड़े की खेती संभव है, वहां मखाना उत्पादन भी अत्यंत सफल रहेगा। अगले वित्तीय वर्ष से विभाग मखाना की खेती के क्षेत्र का विस्तार, गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री का उत्पादन और प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर शुरू करने जा रहा है।

राज्य सरकार की मंशा है कि मखाना विकास योजना उत्तर प्रदेश के किसानों को उच्च मूल्य वाली फसलों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने का महत्वपूर्ण माध्यम बने।

जानकारी देते उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि केन्द्र से मिली धनराशि से मखाना खेती के लिए तालाबों का चयन व निर्माण, किसानों की ट्रेनिंग प्रोग्राम, बायर-सेलर मीट, प्रचार-प्रसार, एक्सपोटर्स की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भागीदारी और सेमिनार जैसे कार्यक्रम कराए जाने हैं। साथ ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना की स्थापना की दिशा में भी कदम बढ़ा दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

बिपिन रावत ऑडिटोरियम का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर के सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत की स्मृति में बने आधुनिक ऑडिटोरियम का उद्घाटन करेंगे। 1000 से अधिक सीटों वाले इस ऑडिटोरियम का निर्माण राज्य सरकार ने सैनिक स्कूल प्रोजेक्ट के तहत कराया है। कार्यक्रम में जनरल रावत की प्रतिमा का अनावरण तथा उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी होगा। इस आयोजन में असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लाखेड़ा, पूर्व एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया और रावत परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। दोपहर बाद मुख्यमंत्री नरकटहा, पिपरौली में पावरग्रिड के सीएसआर फंड से 16 करोड़ रुपये से बने राजकीय आईटीआई का लोकार्पण करेंगे।

एमपी शिक्षा परिषद का मुख्य महोत्सव कल

अमृत विचार, लखनऊ : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह का मुख्य महोत्सव बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे और मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षा परिषद की संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इंटर, स्नातक और परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वर्गीय प्रो. यूपी सिंह पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा। परिषद की स्थापना 1932 में महंत दिग्विजयनाथ ने की थी। 4 दिसंबर को शुरू हुए संस्थापक सप्ताह का समापन 10 दिसंबर को उत्कृष्ट प्रतिभाओं के सम्मान के साथ होगा।

दक्षिण भारतीय प्रतिनिधियों ने की यूपी की प्रशंसा

अमृत विचार, लखनऊ : काशी तमिल संगमम-4 में पहुंचे दक्षिण भारत के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश की गुड गवर्नेंस, सुरक्षा व्यवस्था और तीव्र विकास कार्यों की खुलकर सराहना की। चेन्नई की मोनालीसा ने कहा कि योगी जैसा मुख्यमंत्री हमारे राज्य में होता तो हमारा शहर और अधिक विकसित होता। प्रतिनिधियों ने महिला सुरक्षा के इंतजाम को उत्कृष्ट बताया। पुडुचेरी के पृथ्वीराज ने कहा कि काशी का हेरिटेज संरक्षण और सौंदर्यीकरण अद्भुत है। तिलकवदी ने सड़क, यातायात और स्वच्छता में आए बड़े बदलावों को स्पष्ट और प्रभावशाली बताया। प्रतिभागियों ने योगी सरकार के कार्यों को 10 में 10 नंबर दिए।

एसआईटी करेगी कफ सिरप तस्करी की जांच

आईजी स्तर का अधिकारी होगा एसआईटी का प्रभारी, वित्तीय लेन-देन व गिरोह के नेटवर्क की जांच का जिम्मा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त सिरप तस्करी गिरोह के नेटवर्क व फर्जी दस्तावेजों पर बने मेडिकल फर्म की जांच एसआईटी करेगी। प्रदेश स्तरीय एसआईटी के गठन की तैयारी की जा रही है। जल्द ही एसआईटी के सदस्यों व प्रभारी की घोषणा कर दी जाएगी। इसका प्रभारी आईजी स्तर का अधिकारी होगा। एसआईटी वर्तमान में चल रही जांचों की नियमित समीक्षा भी करेगी। साथ ही वित्तीय लेनदेन की जांच करेगी। इसमें दोषी पाए गये लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी।

प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने बताया कि एसआईटी सारे तथ्यों को जुटाएगी। हर बिन्दु पर जांच कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। डीजीपी ने कहा कि सिरप को मेडिकल इस्तेमाल की जगह नशे में प्रयोग के लिए तस्करी करने में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश है कि इसमें जीरो टालरेंस नीति अपनाई जाए।

सिरप प्रतिबन्धित नहीं, नशे के लिए किया गया प्रयोग : एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने कहा कि प्रदेश में 279 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद 28 जिलों में 128 एफआईआर की जा चुकी है। ये सारी एफआईआर कोडीन युक्त सिरप का नशे के तौर पर इस्तेमाल कराने के लिए की गई है। इसके अलावा फर्जी फर्म और मेडिकल फर्म का लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी दवा कंपनियों द्वारा इन्हें सप्लाई करने के मामले में भी कार्रवाई की गई है। फेंसेडिल, न्यू फेंसेडिल अथवा अन्य सिरप पर किसी तरह का प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया है। छोटे दुकानदारों को परेशान न करने के निर्देश टीम को दिए जा चुके हैं।

लखनऊ : लोक भवन में कार्रवाई को लेकर जानकारी देते प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब। अमृत विचार

अब तक 31 गिरफ्तार, तीन लाख से अधिक का माल बरामद

डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक इस मामले में पूरे प्रदेश में कुल 31 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। इसमें मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के पिता भी शामिल है। अब तक इस मामले में हेमंत पाल, ब्रजमोहन शिवहरे, रामगोपाल धाकड़, सौरभ त्यागी, शादाब, शिवकान्त उर्फ शिव, सन्तोष भडाना, अम्बुज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, दीपू यादव, सुशील यादव, धर्मेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, पवन गुप्ता, शैलेन्द्र आर्या, विभोर राणा, विशाल सिंह, बिट्टू कुमार, सचिन कुमार, अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा, आलोक प्रताप सिंह, रूपम राय, दिवाकर सिंह, अब्दुल कादिर, रहमान नूरी, नीरज कुमार दीक्षित, अली सरीम मेकरानी, मोहम्मद आफताब, भोला प्रसाद जायसवाल, विशाल जायसवाल, बादल आर्या एवं आजाद सिंह शामिल है। आरोपियों के पास से तीन लाख रुपये का माल बरामद किया गया है।

सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाह

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकरण को लेकर कई तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। भ्रामक खबरें दिखाई जा रही हैं। किसी भी मेडिकल स्टोर के मालिक को सिर्फ इस सिरप की बिक्री को लेकर परेशान नहीं किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल नशे के तौर पर कराने के लिए इस सिरप की तस्करी की जा रही है तो वह अपराध की श्रेणी में आएगा। ऐसे ही लोगों पर कार्रवाई की जा रही है।

कफ सिरप मामले में जेल वार्डन निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वार्डन महेंद्र प्रताप सिंह को निलंबित कर दिया है। उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। महेंद्र के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह और तस्कर अमित सिंह टाटा से करीबी रिश्ते थे। दोनों के साथ सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें भी वायरल हुई। वहीं जांच में सामने आया कि जेल वार्डन के खाते में आलोक व अमित ने कई बार कफ सिरप तस्करी के रुपये भी मंगाए थे। पुलिस के मुताबिक, जांच एजेंसियों ने

● बर्खास्त सिपाही व तस्कर का है करीबी

जब कड़ियां जोड़नी शुरू की तो महेंद्र शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक प्रताप सिंह का काफी करीबी निकला। आलोक और अमित लखनऊ जिला जेल में बंद है। वहीं पर महेंद्र प्रताप सिंह भी तैनात है। जेल में इन दोनों को सुविधा भी मुहैया कराने में महेंद्र ने पूरे प्रयास किये। जेल प्रशासन ने उसकी भूमिका और संभावित साठगांठ की जांच शुरू कर दी है। महेंद्र के निलंबन के बाद अब जेल में आलोक पर निगरानी और बढ़ा दी गई है।

मास्टरमाइंड के प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी कर करोड़ों रुपये डकारने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल दुबई भाग गया है। उसके प्रत्यर्पण की तैयारी पुलिस व एसटीएफ की टीम कर रही है। इसके लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दुबई इस तरह के मामलों में पूरा सहयोग करता है। दुबई में छिपे शुभम के साथ उसके साथियों को भी कार्रवाई की जद में लाया जाएगा। यह जानकारी डीजीपी राजीव कृष्ण ने दी।

डीजीपी के मुताबिक, पिछले साल फरवरी में फेंसेडिल सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में पकड़ी गई थी। इसके बाद जांच हुई तो विभोर राणा

● डीजीपी बोले- शुभम को भारत लाने की औपचारिकताएं की जा रही पूरीं

और विशाल को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। इन लोगों ने पूरे नेटवर्क का खुलासा किया, तब पहली बार वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल का नाम सामने आया। जांच के दौरान ही अमित टाटा, फिर बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की गिरफ्तारी से पूरा खेल ही सामने आ गया।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि शुभम को भारत लाने की प्रक्रिया की जा रही है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। नेपाल और बांग्लादेश में सिरप की तस्करी की गई डीजीपी ने साफ किया कि कुछ फर्मों ने फर्जी ई-बिल के जरिए कई प्रदेशों में ही नहीं बल्कि नेपाल और बांग्लादेश तक इस सिरप की तस्करी की। इसके साक्ष्य भी मिल चुके हैं। इस तस्करी में लिप्त हर आरोपी को कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। शैली ट्रेडर्स के जरिए सबसे ज्यादा सप्लाई की गई एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने बताया कि शैली ट्रेडर्स ने सबसे ज्यादा इस सिरप की सप्लाई की। उन्होंने कहा कि औषधि निरीक्षकों ने हिमाचल प्रदेश की दो, उत्तराखंड की तीन कोडीनयुक्त कफ सिरप के निर्माता, पानीपत की एक और रांची की एक फर्म के क्रय-विक्रय का ब्योरा जुटाया। इसमें कई फर्मों ने फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल से कोडीन युक्त सिरप की सप्लाई की। इन सभी को कार्रवाई के दायरे में लाया जा रहा है।

बीज प्रमाणीकरण न कराने वाले एफपीओ से होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार की जानकारी में आया है कि 24 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और उसका विक्रय उप्र. बीज विकास निगम को कर दिया है। लेकिन तमाम ऐसे भी हैं, जो आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे हैं, और साथ ही उन्हें सख्त निर्देश भी दिए गए।

इसी कड़ी में 27 एफपीओ ऐसे भी सामने आए, जिनके द्वारा अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में अपना पंजीकरण नहीं कराया गया है। कृषि मंत्री ने इसका संज्ञान लेते हुए इन एफपीओ को चेतावनी दी कि पंजीकरण न कराने की स्थिति

● कृषि मंत्री ने लापरवाह अधिकारियों को लगाई फटकार

में सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह भी पाया गया कि 32 एफपीओ के उत्पादित बीज अब तक उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा क्रय नहीं किए गए हैं, जिस पर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने संबंधित योजना अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि कृषि उत्पादक संगठनों को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने किए जाने वाले आवश्यक कार्यों के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिकायत करने वालों से फीडबैक जरूर लें : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में पुलिस, आवास, अवैध कब्जे आदि शिकायतों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि शासन से लेकर जिले और तहसीलों के अधिकारी शिकायत करने वालों से फीडबैक जरूर लें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास पर सोमवार को 'जनता दर्शन' में पहुंचे 42 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सभी लोग निश्चिंत होकर घर जाइए, हर समस्या का उचित समाधान कराया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़ी समस्याओं का

● जनता दर्शन में पुलिस, आवास, अवैध कब्जे की शिकायतों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसके बाद शिकायत करने वालों से फीडबैक भी लिया जाए। आवास की मांग को लेकर भी कुछ जरूरतमंदों ने योगी से निवेदन किया, जिस पर विचार करते हुए उन्होंने पीएम-सीएम आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया।

धन के अभाव में नहीं रुकेगा इलाज : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार पहले ही दिन से चिकित्सा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। धन के अभाव में किसी का भी इलाज नहीं प्रभावित होगा। प्रदेश में जिस भी जरूरतमंद को इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होगी तो सरकार सदैव उसके साथ सदैव खड़ी रहेगी। 'जनता दर्शन' में पांच लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाते हुए मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एस्टिमेट बनवाने को कहा।

जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

तैयारी तेज | मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा , 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

प्रयागराज माघ मेले का होगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रयागराज में लगने जा रहे माघ मेला में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में आने वाले संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए इस बार मेले को और अधिक सुविधाजनक बनाने को व्यापक विस्तार किया जा रहा है।

स्नान घाट की लंबाई वर्ष 2024 के दो किलोमीटर से बढ़ाकर 2.8 किलोमीटर की जा रही है। सेक्टरों की संख्या 5 से बढ़ाकर 7, मेला क्षेत्रफल 750 हेक्टेयर से बढ़ाकर 800 हेक्टेयर, पार्किंग स्थल 30 से बढ़ाकर 42, पॉन्टून पुल 6 से बढ़ाकर 7 तथा संस्थाओं की संख्या 4599 से बढ़ाकर 4900 की जा रही है।

● मुख्य सचिव ने की मेले की तैयारियों की समीक्षा

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सोमवार को प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मेला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, विद्युत, स्वास्थ्य, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि माघ मेला से जुड़े सभी काम पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा निरंतर मौके पर जाकर पर्यवेक्षण किया जाए और जहां कहीं भी काम पीछे हो, वहां तत्काल प्रगति लाई जाए। सभी निर्माण एवं व्यवस्थाएं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरी हों, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वच्छता और चिकित्सा के लिए खास व्यवस्थाएं

स्वच्छता के विशेष प्रबंध करते हुए मेला क्षेत्र में 23700 सामुदायिक शौचालय, 2000 यूरिनल, 6 सामुदायिक कंटेनर शौचालय, कूड़ा उठान के लिए 25 हॉपर-टिपर, 12 कॉम्पैक्टर तथा 8000 कूड़ेदान स्थापित किए जाएंगे। मेला क्षेत्र की साफ-सफाई और सैनिटेशन के कार्यों के लिए 3300 लोगों को 24 घंटे तैनात किया जाएगा। चिकित्सा व्यवस्था के अंतर्गत 20-20 शैय्या वाले दो अस्पताल, 12 प्राथमिक उपचार केंद्र, 50 एम्बुलेंस, 5 आयुर्वेदिक तथा 5 होम्योपैथिक चिकित्सालय 25 दिसंबर से क्रियाशील रहेंगे। वेक्टर कंट्रोल यूनिट पहले से ही कार्यरत है।

प्रकाश व्यवस्था में दिखेगा नव्य स्वरूप : नगर निगम 150 करोड़ रुपये की योजना के तहत शहर से लेकर मेला क्षेत्र तक मार्गों को आकर्षक रोशनी से सजा रहा है। 260 प्रमुख वृक्षों पर नियॉन और स्पाइरल लाइट्स का संयोजन दर्शकों को दिव्य अनुभव देगा। एयरपोर्ट से संगम तक आने वाले मार्गों पर शंख, चक्र, त्रिशूल और अन्य धार्मिक प्रतीकों के मोटिव्स लगी लाइट्स श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करेंगी। विस्तारित क्षेत्र के 28 वार्डों में 11,000 से अधिक नई स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। मेला प्रशासन से मिली 4,400 लाइटें भी उपयोग में लाई जा रही हैं।

विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों को भी मतदान में भाग लेने को गाइडलाइंस जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : एसआईआर के बीच विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों को भी मतदान प्रक्रिया में भाग लेने को उनके पंजीकरण की गाइडलाइंस जारी कर दी गई है। ऐसे प्रवासी भारतीय नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए ऑफलाइन फार्म-6ए भरकर सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के पास डाक द्वारा भेज सकते हैं।

इस क्रम में ऐसे प्रवासी भारतीय आएंगे, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हों, मतदाता सूची में पंजीकृत किए जाने को पात्र होंगे। वह अपने रोजगार, शिक्षा या अन्य किसी कारण से भारत में सामान्यतया निवास स्थान से अनुपस्थित रहते हैं, उस निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें उसके पासपोर्ट में उल्लिखित भारत में उसके निवास स्थान के पते का उल्लेख है, से सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में पंजीकृत किए जाने के पात्र होंगे।

दरअसल, प्रवासी भारतीय निर्वाचक एक ऐसा व्यक्ति है, जो भारत की नागरिकता रखता हो, भारत को छोड़कर किसी अन्य राष्ट्र में रोजगार, शिक्षा या अन्य किसी कारण से रह रहा हो तथा जिसने किसी अन्य राष्ट्र की नागरिकता प्राप्त न की हो। ऐसा वोटर ऑनलाइन माध्यम यानी आयोग की वेबसाइट या ऐप से भी आवेदन कर सकता है। बाद में प्रवासी वोटर्स की लिस्ट अलग से तैयार की जाएगी।

अगर प्रवासी मतदाता स्वदेश वापस आ जाता है तो...

गाइडलाइन यह भी है कि अगर प्रवासी मतदाता भारत वापस आ जाता है और साधारण रूप से निवासी बन जाता है, तो उसे सम्बन्धित ईआरओ को सूचित करना चाहिए, जिससे उसका नाम प्रवासी निर्वाचक के रूप में पंजीकरण से हटाकर सामान्य मतदाता सूची में शामिल किए जाने की कवायद की जा सके। मतदान केन्द्र में मतदान करते समय ऐसे वोटर की पहचान केवल उसके मूल पासपोर्ट के आधार पर की होगी।

न्यूज ब्रीफ

व्यापारियों को दिए सुरक्षा के टिप्स

शिवली। व्यापारी प्रकोष्ठ प्रभारी उपनिरीक्षक सुभाष सिंह ने सिपाही राजेश कुमार, मुकेश चौधरी शिवली व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही व्यापारियों को होने वाली कठिनाइयों की जानकारी ली। साथ ही उपनिरीक्षक ने व्यापारियों से साइबर ठगों से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही व्यापारियों ने सभी का साल माला पहनाकर स्वागत भी किया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष रमाकांत अग्निहोत्री, टीटू गुप्ता, राजू दुबे, शैलेश अग्निहोत्री, नीरज मिश्रा रजनीश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज

रसूलाबाद। माल का पुरवा निवासी नीलेश कुमार ने पुलिस को बताया कि गत 19 नवंबर शाम उसके पिता राम नारायण मिश्र साइकिल से घर जा रहे थे। बंबी के पास पहुंचने पर पीछे से आ रहे मोटर साइकिल के अज्ञात चालक ने साइकिल में टक्कर मार दी। इससे उसके पिता की मौके पर ही मौत हो गई और वहीं पहले से खड़े सपहा पोस्ट पूराराय थाना इंदरगढ़ जिला कन्नौज निवासी सुशील पुत्र बृजराज व कांती देवी पत्नी रमेश चंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए । वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने थाने आया। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले के रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

तमंचा-कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

पुखरायां। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस युवक को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि पुलिस को संदिग्ध युवक के बारे में जानकारी मिली थी। पता लगा कि वह चोरी करने के इरादे से मूसानगर रोड से नोनापुर रोड होता हुआ पुखरायां की तरफ आ रहा है। सूचना पर थाना भोगनीपुर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए ऋषभ पुत्र दयाशंकर निवासी वार्ड नंबर छह लोहाई मोहल्ला कस्बा व थाना मूसानगर जनपद कानपुर देहात को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक उसके पास से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

मुख्यालय में सशस्त्र झंडा दिवस का किया गया आयोजन

कानपुर देहात। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा सशस्त्र सेना झंडा दिवस का आयोजन किया गया। यह दिवस वीर सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं के अमूल्य योगदान को स्मरण करने तथा उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का महत्वपूर्ण अवसर है। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर अंकित सक्सेना (अवकाश प्राप्त) द्वारा एडीएम दुष्यंत कुमार मौर्य को प्रतीक झंडा लगाकर किया गया। इसी क्रम में वरिष्ठ सहायक द्वारा एडीएम (न्यायिक) दिग्विजय सिंह को प्रतीक चिन्ह लगाया गया। साथ ही जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा अपर जिला जज हिमांशु कुमार सिंह को भी प्रतीक झंडा लगाया गया। कार्यक्रम के दौरान जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों, भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों तथा नागरिकों को प्रतीक झंडे वितरित किए गए। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता प्रदर्शित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

जहर खाकर सर्किट हाउस पहुंचा युवक, अफसरों में मचा हड़कंप

- दबंगों पर जमीन कब्जाने और पुलिस पर अनसुनी का आरोप
- आयोग के सदस्य से शिकायत करने पहुंचा, नहीं हुई मुलाकात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के उत्पीड़न संबंधी मामलों की सुनवाई के लिए एससी एसटी आयोग के सदस्य सर्किट हाउस में थे। दबंगों का सताया एक युवक उनसे मिलने की कोशिश करता रह गया मगर बात नहीं बनी। हर तरफ से निराशा हाथ लगी तो उसने पाउडर जैसा कोई पदार्थ निगल लिया। युवक के मुताबिक उसने डाई पाउडर खाया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया।

सोमवार को जिला मुख्यालय पर अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। चाक चौबंद के बीच हो रही बैठक में जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अचानक गर्माहट तब आ गई जब नबीपुर गांव के रहने वाले महेश पासवान परिवार सहित सर्किट हाउस पहुंच गया। उसका आरोप था कि दबंगों ने उसकी कुछ जमीन पर पहले अवैध निर्माण किया। अब बाकी जमीन पर निगाह है। कब्जा कर रहे लोग ताकतवर हैं। उनके आगे उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही। उसका कहना है कि जिला प्रशासन के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक न्याय की गुहार लगाई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्याय और कार्रवाई की आस में आज वह मुख्यालय आया। यहां एससी एसटी आयोग के सदस्य से मिलना चाहा मगर उसकी मुलाकात नहीं हो सकी। तब उसने कोई पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ गई। अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई गई है।

मामला प्रकाश में आते ही बैठक कर रहे अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य द्वारा अधिकारियों को फोन पर आवश्यक निर्देश देते हुए नाराजगी जाहिर की गई। प्रकरण के संबंध में अधिकारियों से बात की कोशिश की गई मगर संपर्क नहीं हो सका।

समय से कराएं शिकायतों का निस्तारण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक करते रमेश चंद्र कुंडे। अमृत विचार

- एससी-एसटी आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ की बैठक

अमृत विचारः अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे माती जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां जनपद के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अनुसूचित जाति और जनजाति के उत्पीड़न से जुड़े मामलों की सुनवाई की। केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रहीं योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों से कहा कि वह सरकार की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ जरूरत मंद लोगों तक हर हाल में पहुंचाएं।

सर्किट हाउस में हुई बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सुरक्षा से संबंधित मुद्दों तथा एससी-एसटी समुदाय के मामलों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोग के सदस्य ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एससी/एसटी वर्ग से संबंधित शिकायतों एवं प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण कराएं। साथ ही पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाएं और विभिन्न योजनाओं का पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बैठक के उपरांत कुंडे द्वारा जनसुनवाई भी की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनी गईं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता के साथ जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसएसी एसटी आयोग के सदस्य ने कहा कि आयोग का उद्देश्य है कि समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को उनके अधिकार दिलाए जाएं तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या भेदभाव के मामलों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सिंह, एसीएमओ डॉक्टर सुखलाल वर्मा, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, डीसीएनआरएलएम गंगाराम वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, उपायुक्त उद्योग मोहम्मद सउद सहित नगरी निकाय के अधिकारीगण क्षेत्राधिकारी आदि उपस्थित रहे।

10 दिन से समिति में नहीं बंट रही यूरिया, किसानों ने काटा हंगामा

भाल सहकारी समिति का मामला, सचिव पर लगाया लापरवाही का आरोप

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः भाल सहकारी समिति में पिछले दस दिनों से यूरिया खाद का वितरण नहीं हो रहा है। इससे दर्जनों गांव के हजारों किसान परेशान हैं। सोमवार बड़ी संख्या में किसान समिति में यूरिया की आस में पहुंचे और लाइन लगाकर खड़े हो गए लेकिन समिति में तालाबंदी होने से किसानों का धैर्य जवाब दे गया। समिति में ताला लटकने से नाराज किसानों ने जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसानों को समझाकर शांत कराया।

राजपुर ब्लॉक की दमनपुर सहकारी समिति भाल गांव में संचालित हैं। इस समिति से क्षेत्र के करीब 50 गांव के किसानों को खाद वितरण की जाती है। करीब दस दिन पहले समिति में जिले से 500 बोरी यूरिया भेजी गई थी। समिति के सचिव देव सिंह की लापरवाही के चलते क्षेत्रीय किसानों को यूरिया वितरण नहीं की गईं। इन दिनों गेहूं, मटर, जौ, चना, समेत अन्य फसलों में सिचाई के बाद यूरिया की आवश्यकता है। क्षेत्र के हजारों किसान पिछले दस दिनों से यूरिया के लिए समिति में चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें खाद नहीं होने की बात कहकर टरकाया जा रहा है।

खाद की आस में सहकारी समिति पहुंचे किसान। अमृत विचार

सोमवार को बड़ी संख्या में किसान समिति पर पहुंचे। लेकिन भीड़ अधिक होने पर सचिव देव सिंह समिति नहीं पहुंचे। इससे खाद वितरण नहीं हो सका। यूरिया नहीं मिलने पर उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। किसानों की सूचना पर पहुंची राजपुर थाना से पहुंचे उपनिरीक्षक विजय पाल ने किसानों को समझाकर शांत कराया। भाल गांव के किसान सोबरन सिंह, पिचौरा के बलवीर सिंह, खलासपुर के जगमोहन, बिजहरा के रमेश चंद्र ने बताया कि गेहूं की बोआई का समय चल रहा है।

यूरिया नहीं मिलने के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ किसानों ने समिति के एक कर्मचारी पर खाद कालाबाजारी का भी आरोप लगाया है। समिति के सचिव देव सिंह ने बताया कि ईपॉश मशीन में खराबी के चलते यूरिया वितरण में देरी हुई है। सोमवार को समिति खुलने पर किसानों ने हंगामा शुरू कर दिया। मंगलवार को नियमानुसार किसानों को खाद वितरण की जायेगी।

भाकियू का धरना जारी, चौथे दिन दो पदाधिकारियों की बिगड़ी हालत

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः कहिंजरी सहित धान खरीद केंद्रों पर धान खरीद न होने को लेकर भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत द्वारा कहिंजरी समिति पर शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहा। चौथे दिन जिला अध्यक्ष सहित दो लोगों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

संगठन ने शुक्रवार से कहिंजरी समिति सहित रसूलाबाद के सरकारी धान खरीद केंद्रों पर खरीद बंद होने के विरोध में समिति के बाहर धरना शुरू किया था। धरना देने वालों ने एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह को ज्ञापन देकर खरीद प्रारंभ करने की मांग की थी। धरने के दौरान शनिवार को भाकियू महात्मा टिकैत गुट के जिला अध्यक्ष रणवीर यादव की तबीयत अचानक बिगड़ जाने पर उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी ले जाया गया। सोमवार को ब्लॉक प्रभारी रामपाल की भी हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत चिकित्सा सुविधा के लिए भेजा गया। जिला अध्यक्ष अनन्त अवस्थी ने कहा कि जब किसान अपनी मेहनत की फसल बेचने पहुंचते हैं। तो उन्हें खरीद न होने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा बनाए गए कई खरीद केंद्रों पर केवल औपचारिकता निभाई जा रही है। इससे किसानों की समस्याओं की अनदेखी हो रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि किसानों की शिकायतों के बाद रसूलाबाद क्षेत्र के कई खरीद केंद्रों का टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि किसी भी केंद्र पर एक भी बोरी धान की खरीद नहीं हो रही थी। तब संगठन ने प्रशासन को ज्ञापन दिया और समिति के बाहर धरना शुरू कर दिया। ज्ञापन के बाद धान खरीद केंद्रों पर खरीद तो शुरू हो गई है। लेकिन जिला अध्यक्ष रणवीर यादव ने बताया है कि जब तक कोई उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण नहीं करेगा, तब तक संगठन का विरोध जारी रहेगा।

हालत बिगड़ने पर भाकियू कार्यकर्ता को अस्पताल ले जाते स्वास्थ्य कर्मी। अमृत विचार

भागवत कथा में सुनाया श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का वृतांत

रसूलाबादः मित्रता में मित्र के कष्ट निवारण के पश्चात ही अपने कष्ट की ओर ध्यान देना चाहिए। राजाधिराज होते हुए भी श्री कृष्ण अपने मित्र को नहीं भूले और मित्रता के निर्वहन के लिए समाज को एक संदेश दिया कि बुरे वक्त में भी अपने मित्र का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

यह बात बारापुर स्थित बालाजी आश्रम परिसर में श्रीमद् भागवत कथा के समापन दिवस पर सुदामा चरित्र कथा प्रसंग के दौरान कथा वाचक मीरा शास्त्री ने श्रोताओं से कही। उन्होंने कहा कि दरिद्रता दूर करने के लिए सभी लोगों को चाहिए कि वह अपने परिवार के साथ कुछ समय के लिए भगवान का पूजन भजन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि घर की विपन्नावस्था देखकर सुदामा की पत्नी सुशीला ने बचपन के मित्र द्वारकाधीश से मिलने का आग्रह अपने पति से किया और उन्हें भेंट के लिए पोटली में कुछ चिउड़ा पड़ोसी से मांग कर दिए। सुदामा के द्वारिका पहुंचने और वहां के वैभव को देखने के पश्चात वे चकाचौंध हो गये। बड़ा साहस कर उन्होंने द्वारपाल से अपनी कृष्ण की मित्रता की बात कह कर उनसे मिलने का आग्रह किया।

द्वारपालों से सुदामा की दशा का वर्णन सुनकर भगवान नंगे पांव अपने मित्र के लिए दौड़े चले आए और उनका अद्भुत स्वागत किया। चावल की पोटली छुपाने पर उन्होंने उनसे कहा कि वे बचपन की आदत अभी भी नहीं भूले हैं। बाद में उन्होंने अपने मित्र को सांसारिक वैभव एवं पारलौकिक सुख से समृद्ध कर दिया। सुदामा कृष्ण मित्रता की कथा के माध्यम से भागवत ने भगवान पर तुम्हारी आश्रित रहने वाले की स्थिति का वर्णन किया है।

अफसरों को दिया बीएनएस का प्रशिक्षण

कानपुर देहात। भारतीय न्याय संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर फॉरेंसिक अधिकारियों द्वारा पुलिस कर्मियों के लिए कैप्सूल कोर्स एवं फील्ड विजिट के माध्यम से एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विधि विज्ञान प्रयोगशाला तालग्राम, कन्नौज के डॉ. प्रवीन कुमार द्वारा नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के दृष्टिगत पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जनपद कानपुर देहात के विभिन्न थानों-इकाइयों से चयनित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को नए कानूनों की बारीकियों, वैज्ञानिक अनुसंधान की नई तकनीकों आदि के बारे में बताया गया।

मतदाताओं को जागरूक करेगी सपा

संवाददाता, रसूलाबाद

हरी झंडी दिखाकर पीडीए प्रहरी रथ यात्रा को रवाना करते पूर्व सांसद। अमृत विचार

- एसआईआर को लेकर निकाली पीडीए प्रहरी रथ यात्रा

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी की ओर से एसआईआर अभियान से कोई मतदाता वंचित न रहे इसके लिए रविवार शाम रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र में प्रहरी रथ यात्रा निकाली गई है। यात्रा गांव-गांव जाकर मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें जागरूक करेगी।

इस रथ यात्रा का शुभारंभ समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष फैजान खान के आवास से हुआ। पूर्व सांसद राजाराम पाल ने इस प्रहरी रथ यात्रा को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्हें इस अभियान का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक जागरूकता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कई बीएलओ की मौत हो चुकी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के दिशा निर्देश पर लोगों को जागरूकता फैलाने के लिए यह पहल की गई है।

रथ के माध्यम से लोगों को मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने, संशोधन कराने, पते बदलने और मृतक व्यक्तियों के नाम हटाने से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

यह अभियान सुनिश्चित करेगा कि मतदाता सूची सटीक और अद्यतन रहे। जिला उपाध्यक्ष हाजी फैजान खान ने बताया कि पीडीए प्रहरी रथ लगातार गांव-गांव भ्रमण कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि एक सही और परिष्कृत मतदाता सूची ही मजबूत लोकतंत्र की बुनियाद है। इसी उद्देश्य से पार्टी व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चला रही है। प्रहरी रथ के रवाना होते ही पूरे क्षेत्र में एसआईआर को लेकर जागरूकता अभियान ने गति पकड़ ली है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी गांवों में जाकर लोगों को मतदाता सूची पुनरीक्षण के महत्व से अवगत करा रहे हैं तथा उन्हें आवश्यक सहयोग भी प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर रसूलाबाद एसआईआर विधानसभा प्रभारी व पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सेन, जिला अध्यक्ष बबलू राजा, नीलम कठेरिया, पुष्पेंद्र यादव, वीरू कुशवाहा, गोपाल गुप्ता, अजय यादव, आलोक रत्न यादव, सोहेल सभासद, नीता सचान, यदुनाथ संखवार, असीम खां और शिवम सेंगर सहित सैकड़ों समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अव्यवस्था | पाबंदी के बाद भी हाई-वे पर ऑटो रोक कर सवारियां ढो रहे

यातायात माह खत्म, डग्गामार वाहनों की मनमानी

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः यातायात माह समाप्त हुए अभी आठ दिन ही गुजरे हैं और रनियां में जगह-जगह हाईवे पर खड़े होकर सवारियां भरने वाले ऑटो चालक धमा-चौकड़ी करते हुए दिखाई दिए। एक माह तक गोष्ठियों, नुक्कड़ सभा और स्कूल कालेज में व्यस्त रहने वाली यातायात पुलिस रिलैक्स हो गई है।

रनियां के किशरवल रोड तिराहे, रनियां-मैथा मार्ग, रायपुर चौराहे, सरवनखेड़ा रोड पर बेलगाम हो चुके आटो ई रिक्शा चालक दिन भर यातायात व्यवस्था को ठेंगा दिखाकर ठसक से सड़क के बीचोंबीच तक वाहनों को खड़ा कर के सवारियां भरते हुए नजर आते हैं। हाईवे हो या फिर संपर्क मार्ग हर जगह इनका कब्जा है। अवैध टेंपो स्टैंड की शक्ल में यहां वाहनों की कतार लगी रहती है और एक गाड़ी में बाकायदा सवारियां भरने के बाद वो आगे बढती है और इसके बाद पीछे वाले का नंबर आता है।

कई बार तो सवारियां बिठाने की जल्दबाजी में ये आपस में ही लड़ जाते हैं और मामला मार-पीट तक बढ़ जाता है। इसके अलावा सड़क पर जाम लगने से राहगीरों से दिन भर तू-तू-मैं-मैं होती है। किशरवल रोड और रनियां पड़ाव पर अक्सर इनके चक्कर में दुर्घटनाएं तक होती हैं, बावजूद इसके स्थानीय पुलिस तथा यातायात पुलिस की नजरें इन पर नहीं पड़ती है। इस संबंध में यातायात प्रभारी रामबहादुर सिंह ने बताया कि रनियां में नियमित ड्यूटी लग रही है, फिर भी अगर समस्या है तो जल्द ही वे स्वयं देख कर दुरुस्त कराएंगे।

रनियां में हाईवे पर संचालित होता ऑटो स्टैंड। अमृत विचार

बिना अनुमति बाबा साहब की प्रतिमा लगाने की रिपोर्ट दर्ज

रसूलाबाद। बैरगरा ग्राम में ग्राम समाज की जमीन पर बिना अनुमति के अंबेडकर प्रतिमा लगाने को लेकर क्षेत्रीय लेखपाल ने दो लोगों के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्षेत्रीय लेखपाल राधेश्याम ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया की बैरागरा ग्राम की गाटा संख्या 995 रकबा .0359 हेक्टेयर ग्राम सभा में दर्ज है। 7 वर्ष पूर्व डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगाए जाने हेतु ईंटों का फाउंडेशन बनाया गया किंतु प्रतिमा लगाए जाने पर रोक लगा दी गई और मूर्ति कनौजी लाल पुत्र चेतराम निवासी बैरगरा के यहां रखवा दी गई । 7 दिसंबर को कन्नौजी लाल ने कोटेदार हरगोविंद सिंह की शह और खड्यंत्र के तहत प्रतिमा पूर्व में बने फाउंडेशन पर लगा दी। इस पर कनौजीलाल व हरगोविंद के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाएं

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः पल्स पोलियों महाभियान के तहत डिप्टी सीएमओ ने राजपुर पीएचसी परिसर में पर्यवेक्षकों व उनकी टीम को प्रशिक्षण दिया। निर्देश दिए गए कि महाभियान में कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। 14 दिसंबर से 22 दिसंबर तक पोलियो का महाभियान चलाकर दो बूंद जिंदगी की पिलाई जाएगी।

सोमवार को राजपुर पीएचसी में पल्स पोलियो महाभियान बूथ दिवस टीकाकरण के उपलक्ष्य में राजपुर ब्लॉक के नोडल व डिप्टी सीएमओ डॉ आदित्य सचान ने पीएचसी परिसर में पर्यवेक्षकों व उनकी टीम को प्रशिक्षण दिया। पोलियो अभियान का लक्ष्य 0-5 वर्ष के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक देना और पोलियो मुक्त भारत को बनाए रखना है। अभियान में पोलियो बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर टीकाकरण और ट्रांजिट, मोबाइल टीमों द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में भी दवा पिलाई पिलाने के लिए टीमें लगाई गई है।

शून्य से पांच वर्ष की आयु के सभी बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) की दो बूंदें दी जानी है। टीकाकरण टीमें पोलियो बूथों के अलावा, घर-घर जाकर दवा पिलाने के लिए आशा, एएनएम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की टीमें बनाई गईं। ट्रांजिट और मोबाइल टीमों को बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, ईंट-भट्ठों और घुमंतू बस्तियों में बच्चों तक पहुंचने के लिए तैनात किया गया। इस दौरान राजपुर पीएचसी प्रभारी डॉ. सलिल सचान, बीसीपीएम आकाश कुमार, एनएमएस शिवनारायन मौजूद रहे।

पल्स पोलियो अभियान को लेकर बैठक करते डिप्टी सीएमओ। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर को लेकर विधायक ने दिये दिशा-निर्देश

घाटमपुर। घाटमपुर विधानसभा में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक में विधायक सरोज कुरील, भाजपा जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान व जिला प्रभारी राधेश्याम पांडे ने समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर पूरी ईमानदारी, सक्रियता और सजगता के साथ पात्र मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम सुनिश्चित कराने हेतु सहभागिता करने को कहा। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के उपरान्त विधायक सरोज कुरील, जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने मां कुष्मांडा देवी मन्दिर जाकर माता रानी के दर्शन किये। इस बैठक में भाजपा महामंत्री वेदव्रत सचान, सभासद सत्यम चौहान, रिंकू शर्मा, अनूप अवस्थी, उमेश द्विवेदी, संदीप बाजपेई, सौरभ त्रिवेदी, बबलू पासवान, आदि उपस्थित रहे।

बाइक व साइकिल में भिड़ंत, दो घायल

हमीरपुर। कुरारा बेरी मार्ग में बेरी गांव के शराब ठेके के पास विद्यालय से पढ़कर साइकिल से घर जा रहे छात्र को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे छात्र व बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होते देख दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थानाक्षेत्र के देवीगंज गांव निवासी हिमांशु पुत्र जमुना प्रसाद बेरी गांव से विद्यालय से पढ़कर साइकिल से अपने गांव जा रहा था। तभी बेरी गांव के शराब ठेके के पास बेरी गांव निवासी रोहित पुत्र गुलाब सिंह की छात्र की साइकिल में टक्कर लगने से दोनों सड़क में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। द हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल रेफर किया।

पड़ोसी दंपती पर धोखाधड़ी कर मकान हड़पने का आरोप

हमीरपुर। मौदहा क्षेत्र के करहिया गांव के राजकुमार पुत्र राम आसरे अनुरागी ने थाने में तहरीर देते बताया कि पिता का ननिहाल निवादा गांव में होने से 20 साल से दादी के पास रहता है। अक्टूबर महीने में मजदूरी करने के लिए बाहर चले जाने पर पड़ोस की महिला स्वल्पना पत्नी रमाकांत ने दादी को बहला फुसलाकर सादा कागज में अंगूठा लगवा लिया। दो महीना बाद वापस ननिहाल आने पर पड़ोस की महिला द्वारा दादी का बहला फुसलाकर अंगूठा लगवा कर मकान खरीदने की जानकारी हुई। दादी के वृद्ध होने पर चलने फिरने में असमर्थ है। राजकुमार ने पति पत्नी दोनों खिलाफ धोखाधड़ी कर मकान हड़पने की थाना में तहरीर दी है। पुलिस तहरीर की जांच कर रही है।

महिला ने रसोई में आग लगाकर दी जान

बिल्हौर के बैड़ी अलीपुर गांव का मामला, पति खेत में काम करने और बच्चे गये थे बाहर

संवाददाता, बिल्हौर

- रसोई का दरवाजा अंदर से बंद करके ज्वलनशील पदार्थ डाल कर लगाई आग
- मौके पर पहुंची पुलिस ने किया जांच-पड़ताल, परिजनों में मचा कोहराम

अमृत विचार। बिल्हौर के बैड़ी अलीपुर गांव में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहां घर पर अकेली एक विवाहिता ने रसोई का दरवाजा अंदर से बंद कर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। इस आत्मघाती कदम से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त पति और बच्चे घर पर मौजूद नहीं थे। घर से धुआं निकलता देख पड़ोसियों को मामले की जानकारी हुई, जिन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच पड़ताल की।

मोनी।

बैड़ी अलीपुर गांव निवासी किसान सत्य प्रकाश पांडे की 50 वर्षीय पत्नी मोनी पांडे ने सोमवार को लगभग 11 बजे दिन में यह आत्मघाती कदम उठाया। पति सत्य प्रकाश खेत पर काम करने गए थे, जबकि उनकी छोटी बेटी नव्या स्कूल गई हुई थी। पहली पत्नी की बेटी लाली अपनी मौसी के यहां शिवराजपुर गई थी। मोनी पांडे घर पर अकेली थीं। पड़ोस के लोगों ने जब घर से धुआं उठता देखा, तो उन्होंने तत्काल सत्य प्रकाश को सूचना दी और स्वयं भी घर पहुंचे। उन्होंने देखा कि किचेन का दरवाजा अंदर से बंद था और खिड़की से लगातार धुआं निकल रहा था। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना पाकर बिल्हौर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। थानाप्रभारी और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में जब रसोई का दरवाजा तोड़ा गया, तब तक मोनी पांडे बुरी तरह जल चुकी थीं और उनकी मौत हो चुकी थी। मृतका मोनी पांडे मूल रूप से गिरजा नगर, कानपुर की निवासी थीं। सत्य प्रकाश पांडे ने अपनी पहली पत्नी विनीता की मृत्यु के बाद 16 वर्ष पहले मोनी से दूसरा विवाह किया था। जबकि उनकी एक बेटी नव्या कक्षा 9 की छात्रा है। पहली शादी का बेटा बाहर था और बेटी का विवाह हो चुका है।

तनाव व गुस्सैल स्वभाव की चर्चा

- पति सत्य प्रकाश पांडे ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी मोनी पांडे मानसिक रूप से बीमार चल रही थीं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया था और उनका इलाज भी चल रहा था। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि पत्नी ने घर में सिंचाई के लिए रखे गए चार लीटर डीजल का इस्तेमाल कर स्वयं को आग लगाई होगी। वहीं, ग्रामीणों के अनुसार, मोनी पांडे का स्वभाव काफी गुस्सैल था और संभवत: किसी बात पर नाराज होकर उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया है।

युवक ने दुपट्टे के सहारे फांसी लगा की आत्महत्या

संवाददाता घाटमपुर। घाटमपुर के पतारा में लड़की के परिजन शादी करने के लिए नहीं माने तो युवक ने दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। युवक के परिजनों ने जब शव लटकते देखा तो फोनकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए हैं।

प्रांशु।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा निवासी राजकुमार का 18 वर्षीय बेटा प्रांशु संख्वार कानपुर में रहकर एसएनके कंपनी में प्राइवेट नौकरी करता था, वह कभी कभी गांव आया करता था, इस दौरान पड़ोस में रहने वाली एक लड़की के साथ उसका प्रेम प्रसंग हो गया। कुछ दिनों पहले दोनों ने परिजनों से शादी करने की इच्छा जताई। इसपर लड़की के परिजनों ने युवक के साथ अपनी बेटी की शादी करने से इनकार कर दिया। इसपर लड़की और लड़के दोनों ने फांसी लगाकर जान देने की बात कही। दोनो के परिजनों ने दोनों को समझाया था। लेकिन सोमवार सुबह युवक ने घर के अंदर कमरे में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। परिजनों की सूचना पर पहुंची पतारा पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि सूचना मिली थी, युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भूसा सप्लाई न करने वाले सप्लायर को फिर नोटिस

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। सोमवार को अमृत विचार समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है। यह खबर गौशाला में बीते कई दिनों से भूसा सप्लायर द्वारा आपूर्ति न किए जाने से संबंधित थी। खबर के प्रकाशन के तुरंत बाद, शासन के उच्च अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया और इस लापरवाही के लिए तमाम जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की।

वहीं भूसा सप्लाई न होने की गंभीर स्थिति को देखते हुए, सोमवार को भी खंड विकास अधिकारी यशवीर सिंह ने आपूर्तिकर्ता (सप्लायर) के खिलाफ सख्त कदम उठाया। उन्होंने सुधाकर अवस्थी भूसा सप्लायर को आपूर्ति न करने के संबंध में कठोर कार्रवाई की नोटिस फिर से जारी की है।

वहीं जानकारी होने पर उच्च अधिकारियों ने इस मामले में न केवल संज्ञान लिया है, बल्कि सख्त कार्रवाई के संकेत भी दिए हैं। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

फर्म संचालक ने दिया आश्वासन

- अमृत विचार में प्रकाशित खबर और अधिकारियों के लगातार दबाव का परिणाम यह हुआ कि फर्म के संचालक को तुरंत अपनी गलती सुधारने के लिए मजबूर होना पड़ा। फर्म के संचालक द्वारा सोमवार को यह आश्वासन दिया गया है कि वह अगले दो से तीन दिनों के भीतर ही गौशाला में भूसे की सप्लाई सुनिश्चित करेंगे। इस त्वरित घटनाक्रम को अमृत विचार अखबार में प्रकाशित खबर का सकारात्मक असर माना जा रहा है, जिसने अधिकारियों को सक्रिय कर दिया और गौशाला के पशुओं के चारे की समस्या के समाधान की राह खोली।

करंट की चपेट में आकर युवक की गई जान

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के पतारा में दुकान का शटर खोलने के दौरान एक युवक करंट की चपेट में आ गया था। परिजनों ने डंडा मारकर युवक को किसी प्रकार हटाया था। इसके बाद उसे पतारा सीएचसी लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया था। वहां पहुंचने पर डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

आशीष मिश्रा।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा निवासी 18 वर्षीय आशीष मिश्रा पुत्र आदित्य मिश्रा रोज की तरह सोमवार सुबह घर के बाहर स्थित दुकान का शटर खोल रहा था। तभी उसे करंट लग गया, करंट लगने से युवक की हालत गंभीर हो गई। परिजनों और पड़ोसियों ने डंडे की मदद से युवक को शटर से हटाया।

इसके बाद उसे तत्काल पतारा सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे तत्काल हैलट अपस्ताल लेकर पहुंचे वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया, घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि परिजनो द्वारा कोई सूचना नहीं दी गई है।

शराब ठेके के पास मिला अज्ञात घायल व्यक्ति

घाटमपुर। थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह मूसानगर रोड स्थित एक शराब के ठेके के पास एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने उसे तत्काल घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, व्यक्ति के सिर में गम्भीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह गहरे नशे की हालत में प्रतीत हो रहा है। बोल न पाने के कारण व्यक्ति की पहचान नहीं हो पा रही है, जिससे उसके परिवार या घर तक सूचना पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने व्यक्ति की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में संदेश भेजा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह दुर्घटना है या किसी अन्य कारण से चोटें लगी हैं।

हंगामे के बाद परिजनों ने उठाया वृद्धा का शव, कार्रवाई की मांग

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। सजेती क्षेत्र में 30 नवंबर की रात गांव के एक युवक ने 90 वर्षीय वृद्धा को जमकर पीटा था। वहीं परिजनों ने दुष्कर्म का भी आरोप लगाया था। तब से वृद्धा अस्पताल में थी। छह दिसंबर को उसकी मौत हो गई। इस पर परिजन और बजरंग दल के पदाधिकारी भड़क गये और वृद्धा का शव रख कर जमकर हंगामा काटा। इस दौरान वह सजेती इंस्पेक्टर व हल्का इंचार्ज पर निलंबन की कार्रवाई व घटना में शामिल आरोपित को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग करते रहे। एसीपी ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हे शांत कराया और समझा-बुझा कर शव का अंतिम संस्कार करवाया।

बीते 30 नवंबर की रात गांव के महमूद उर्फ चिनका ने 90 वर्षीय वृद्धा को जमकर पीटा था। वृद्धा के बेटे ने आरोपित पर मां से दुष्कर्म का आरोप भी लगाया था।

पुलिस अधिकारी से बात करते परिजन। अमृत विचार

- 30 नवंबर को युवक ने वृद्धा को पीटा था, 6 दिसंबर को हुई मौत
- सजेती इंस्पेक्टर व हल्का इंचार्ज को निलंबित करने की मांग

मामले में पुलिस ने आरोपित पर महज शांतिभंग की कार्रवाई की थी। लेकिन तब बजरंग दल के शुभम सौर्य की अगुवाई में पहुंचे लोगों के हंगामे के बाद वृद्धा का मेडिकल कराया गया। इधर वहीं पिटाई से घायल वृद्धा की 6 दिसंबर की शाम मौत हो गई। इस पर परिजनों और बजरंगदल के पदाधिकारियों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों की नाराजगी पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। रविवार रात महिला का शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा। सोमवार को अंतिम संस्कार से पहले फिर से हंगामा हुआ। परिजनों के साथ बजरंग दल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सजेती इंस्पेक्टर, हल्का इंचार्ज आदि की भूमिका संदिग्ध है क्योंकि वह लगातार मामले को हल्के में ले रहे थे। एसीपी कृष्णकांत ने लोगों को दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई कराने का आश्वासन देकर शांत कराया।

एसआईआर को लेकर अधिकारियों ने कसी कमर

चौबेपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गणना प्रपत्र की मैपिंग व डिजिटिलाइजेशन को लेकर अधिकारी परेशान बने हैं। जल्द से जल्द रिपोर्ट तैयार करने को लेकर सोमवार को तहसीलदार बिल्हौर ने स्वयं चौबेपुर ब्लाक मुख्यालय में बैठकर बीएलओ से प्रगति आख्या पूछी। इस दौरान अपूर्ण कार्य को शीघ्र पूरा कराने के लिए उन्होंने बीएलओ को मुख्यालय बुलाकर कार्य कराये। ब्लॉक क्षेत्र में एसआईआर को लेकर जिम्मेदार अधिकारी जी जान से जुटे हैं। मालूम हो कि इस कार्य के लिए बीएलओ के सहयोग में दो सैकड़ा शिक्षकों की ड्यूटी भी लगाई गई है। गणना प्रपत्र जमा करने व डिजिटाइजेशन करने के लिए 11 दिसंबर अंतिम तिथि निर्धारित है। ऐसे में कार्य को पूर्ण करना बीएलओ के लिए चुनौती बना हुआ है। सबसे ज्यादा दिक्कत 2003 के बाद आईं नव विवाहिताओं के विवरण को लेकर व्याप्त है। तहसीलदार अनुभव चंदा ने सभी बीएलओ को समय से काम करने को कहा।

वृद्ध की हत्या की खबर लगते ही पहुंची पुलिस

चौबेपुर। क्षेत्र के जरारी गांव में सोमवार सुबह एक वृद्ध की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर वृद्ध की हत्या की खबर प्रसारित होते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

जरारी गांव निवासी फूलचंद (65) की पत्नी की कुछ वर्ष पहले मौत हो गई थी। वह अपने भाई रामदीन के साथ रहते थे। सोमवार सुबह करीब 5:30 फूलचंद की मौत हो गई। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी हत्या की खबर वायरल हो गई। जानकारी मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के भाई रामदीन से बातचीत की। इसपर उन्होंने बताया कि फूलचंद का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। इसके अलावा वह कई तरह की बीमारियों से ग्रसित थे। जिसका उपचार भी चल रहा था। वहीं पूछताछ में लोगों ने वृद्ध की मौत बीमारी के चलते बताया। बावजूद इसके पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजस। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि आशंका के चलते शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार, गये जेल

घाटमपुर। रेउना थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया। दोनों घटनाओं में पीड़िताओं की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों को धर-दबोचा। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया है।

पहले मामले में आरोपी मिथुन पुत्र रामबाबू दिवाकर, निवासी किरांव, पर आरोप है कि उसने मौका पाकर पीड़िता के घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि मिथुन घुघुवा पुल के पास गड़ाथा जाने वाले रास्ते पर मौजूद है। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

दूसरे मामले में आरोपी रोहित पुत्र जगदीश निवासी ग्राम सिकोहला, थाना साढ, ने 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर घर से अपने साथ ले गया। परिजनों ने जब बच्ची को घर में न पाया तो इसकी सूचना पुलिस को दी। जांच पड़ताल के दौरान पुलिस ने किशोरी को आरोपी के कब्जे से बरामद कर लिया। पीड़िता के बयान में दुष्कर्म की पुष्टि हुई, जिसके बाद रोहित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रेउना थाना प्रभारी अनुज राजपूत ने बताया कि दोनों मामलों में पीड़िताओं के परिवारजनों द्वारा दिए गए शिकायत पत्र पर मुकदमा दर्ज किया गया था, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेशकर जेल भेजा है।

बाइकों की भिड़ंत में दो जख्मी

हमीरपुर। दो बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल हो गए। थानाक्षेत्र के निवादा गांव का राजेंद्र तिवारी अपनी बाइक से हमीरपुर से बिवांर की ओर जा रहा था। वहीं निवादा गांव का सोमनाथ मिस्त्री बिवांर से अपने गांव वापस जा रहा था। हीरानंद महाविद्यालय के पास दोनों में टक्कर हो गई है। जिससे दोनों घायल होकर जमीन में गिर गए। राहगीरों ने दोनों को छानी सीएचसी में ले जाकर भर्ती कराया।

कार्यालय उप निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल नौबस्ता हमीरपुर रोड, कानपुर
E-mail-ddcknpngr@gmail.com, 0512-2626031

पत्रांक: नि0ख0का0(ई–टेण्डर)/2025–2178 दिनांक: 08.12.2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना (ई–टेण्डर)

इस कार्यालय के पत्रांक 1977 दिनांक 15.11.2025 के माध्यम से दिनांक 06.12.2025 को मण्डी परिषद में पंजीकृत वित्तीय रूप से सुदृढ़ एवं अनुभवी ठेकेदारों से आनलाइन ई–निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिनकी तकनीकी बिड दिनांक 06.12.2025 को खोली गयी। जिसमें प्रथम बार में आवश्यक वैद्य निविदायें प्राप्त न होने के कारण अथवा प्रतिस्पर्धा के अभाव में पुनः दिनांक 17.12.2025 को मण्डी परिषद में पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से द्वितीय बार आनलाइन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित ई–निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनांक 17.12.2025 को अपरान्ह 1.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। टेण्डर डोक्यूमेन्ट वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 17.12.2025 की अपरान्ह 12.30 बजे तक उपलब्ध रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना, नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्यालय में तथा उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर देखी, पढ़ी व डाउनलोड की जा सकती हैं। कार्यो का विवरण निम्न प्रकार हैः–

क्र0 सं0	मण्डी का नाम	कार्य का नाम	निविदा शुल्क + जी0एस0टी0 (रू0)	अनुमानित लागत (रू0 लाख)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख)	अवधि	पंजीकरण श्रेणी
(1) जनपद – कानपुर देहात के अन्तर्गत :							
1	चौबेपुर	सं0 मार्ग जुगराजपुर मोड से कुकंडिया मोड़ तक। (लं0 0.75 किमी0) 2025_RKUMP_1090947_2	1500+270 = 1770.00	9.16	0.92	चार माह	''द''
2	औरैया	सं0 मार्ग हरिहरपुर से सिगरौली वायों महेशपुर तक। (लं0 3.00 किमी0) 2025_RKUMP_1090949_2	8200+1480 = 9680.00	54.18	4.71	चार माह	''स''
(2) जनपद – औरैया के अन्तर्गत :							
3	दिबियापुर	सं0मार्ग रेलवे लाइन धर्मायीपुर मार्ग से ढिकियापुर माइनर पर ककरही जमुही तक। (लं0 0.91 किमी0) 2025_RKUMP_1090952_2	2500+450 = 2950.00	16.53	1.66	चार माह	''द''

शर्ते– 1. ई–निविदा के साथ निविदा मूल्य उपनिदेशक (निर्माण), राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद कानपुर के नाम भारतीय स्टेट बैंक शाखा नौबस्ता कानपुर में संचालित खाता संख्या– 30394511570, IFSC code SBIN0002586 में तथा धरोहर धनराशि खाता संख्या– 30394511831, IFSC code SBIN0002586 में जमा कर रसीद निविदा के साथ अपलोड की जायेगी तथा मूल प्रति हार्ड कापी के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। निर्धारित निविदा मूल्य एवं धरोहर धनराशि उपरोक्त खातों में निर्धारित समयावधि तक जमा करना अनिवार्य है। किसी भी कारण से निर्धारित समयावधि के उपरान्त जमा धनराशि मान्य नहीं होगी।
2. मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांकः मु0अभि0–2/(1168/भाग–4/2005)/2022–1190 दिनांकः 17.11.2022 द्वारा जारी आदेश/निर्देश के कम में 'द' श्रेणी को छोड़कर 'अ', 'ब' एवं 'स' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारदर्शिता एवं अधिक प्रतिस्तर्धात्मक दरें प्राप्त करने के उद्देश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D) में Qualification of Bidders के section 3.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम शर्ते के बिन्दु संख्या 11 में अंकित है। Bid capacity की गणना प्रपत्र व सी0ए0 द्वारा प्रमाणित वाँछित टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।
3. उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार/फर्मे भी प्रतिभाग कर सकती है। किसी अन्य विभाग के ठेकेदार/फर्म उक्त निविदा में प्रतिभाग नहीं कर सकते है।

उपनिदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, कानपुर

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, कल्यानपुर कानपुर नगर

पत्रांक 1206/लेखा0/निविदा पत्रावली/क्षेत्र पंचायत/2025–26 दिनांक: 08.12.2025

निविदा आमंत्रण

महामहिम राज्यपाल की ओर से अद्योहस्ताक्षरी द्वारा विकास खण्ड कल्यानपुर मे पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित कार्य कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। यह कार्य 2025–26 में राज्य वित्त / पंचम / पन्द्रहवां वित्त आयोग के अर्न्तगत क्षेत्र पंचायत कल्यानपुर कानपुर नगर द्वारा प्रस्तावित कार्यो मे से, निम्न कार्यो की निविदा दिनाक–08–12–2025 से आमंत्रित की जाती है विकित निविदाये निविदा बाक्स मे निर्धारित समय के अन्दर डाली जायेगी। निर्धारित समय सीमा के उपरान्त निविदाये स्वीकार नही की जायेगी। निविदा प्रपत्र विकास खण्ड कार्यालय से दिनाक–08–12–2025 के अपरान्ह 2:00 बजे तक प्रत्येक कार्य दिवस मे निर्धारित मूल्य नगद जमा कर प्राप्त की जा सकती है प्राप्त निविदाये दिनाक–26–12–2025 को कार्यालय के कार्य दिवस मे अपरान्ह तीन बजे खण्ड विकास अधिकारी के कक्ष में निविदा प्रेषित करने वाले रजिस्टर्ड ठेकेदारो के समक्ष गठित समिति की उपस्थिति में खोली जायेगी। सामग्री आपूर्ति पर आयकर कटौती एवं जी0एस0टी0 का भुगतान विभाग द्वारा निर्धार्धारित दरो के अनुसार किया जायेगा। खण्ड विकास अधिकारी को यह अधिकार होगा कि किसी या सभी निविदाये / कार्य को बिना कारण बताये निरस्त कर दे। आमंत्रित टेन्डर मे दर्शाये गये कार्यो को धन की उपलब्धता के अनुसार कार्य करने के आदेश दिये जायेगे।

क्र. स.	कार्य स्थल का विवरण	स्वीकृत प्राक्कलित लागत	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत	निविदा मूल्य रू0 में	कार्य पूर्ण करने का समय
1	ग्राम पंचायत बिनौर के मजरा लालशाहपुरवा में राजू सिंह के घर से अरूण सविता के घर तक पक्की नाली एवं इन्टरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य।	3.08	6160	770	02 माह
2	ग्राम पंचायत परगही बॉगर के मजरा बगदौधी कछार में अरूण पाल के घर से अमर सिंह चन्देल के घर तक इन्टरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य।	4.80	9600	770	02 माह
3	आर0सी0सी0 रोड से मुन्नु दिवाकर के खेत तक इन्टरलॉकिंग रोड नाली निर्माण कार्य।	9.69	19380	855	02 माह
4	ग्राम पंचायत कटरी शंकरपुर सरांय के मजरा मिघ्घनपुरवा में गंगा राम के घर से राजाराम के घर तक पक्की नाली एवं इन्टरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य।	7.79	15580	855	02 माह
5	ग्राम पंचायत विकास खण्ड कल्यानपुर में कार्यालयों की मरम्मत एवं सुन्दरीकरण का कार्य।	9.97	19940	855	02 माह
6	ग्राम पंचायत परगही बॉगर में योगेन्द्र तिवारी के घर से दिनेश सेंगर के घर तक इन्टरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य।	9.83	19660	855	02 माह
7	ईमामपुर में डामर रोड से जखईबाबा मन्दिर तक इन्टरलॉकिंग रोड एवं नाली का निर्माण कार्य।	5.02	10040	855	02 माह

नियम व शर्तेः–
(1) सभी नियम व शर्ते निम्न प्रकार है।।
1– निविदा की दरों की वैद्यता हेतु 100 रु0 का स्टाम्प पेपर 1.00 रु0 का रसीदी टिकिट सहित 90 दिन तक रहने हेतु संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2 निविदा की धरोहर धनराशि (बिड सिक्योरिटी) की एन0एस0सी0 अथवा एफ0डी0आर राष्ट्रीयकृत बैंक की हो तथा खण्ड विकास अधिकारी, कल्याणपुर कानपुर नगर के पक्ष में बन्धक हो, मान्य होगी। प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की टेस्टिंग रिर्पोट भुगतान के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
3 निविदा डालने हेतु निविदादाता को पंजीकरण कराना अनिवार्य है विकास खण्ड में पंजीकृत ठेकेदार की ही निविदा स्वीकार की जायेगी।
4 सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
5 किसी भी अथवा समरत निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
6 जिन निविदा वाताओं के निविदा स्वीकृत होगी उन्हें तीन (03 प्रतिशत) धरोहर धनरशि जमा करनी होगी।
7 ऐसे निविदादाता जिनका कोई सगा सम्बन्धी, के पद पर आसीन होगें, को कार्य करने की अनुमति नहीं प्रदान की जाऐगी। निविदादाता को इस सम्बन्ध में नाग तथा पद सहित कार्यकारी रिश्तेदारों का शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, जो कि खण्ड अथवा वृत्त में कार्यरत है।
8 अपराधिक रिकार्ड वाले निविदादाता को निविदा प्रकिया में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।
9 निविदादाता का जी0एस0टी0 में पंजीकरण होना अनिवार्य होगा। जी0एस0टी0 यो सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी
10 निविदा की गोपनीयता को बनाये रखने के उद्देश्य से निविदादाताओं द्वारा प्रपत्रों के लिफाफों को बन्द कर उन पर बिड आई0डी0 संख्या, टेण्डर आई0डी0 एवं कार्य का नाम लिखा जायेगा। लिफाफों के उपर निविदादाता द्वारा किसी भी दशा में अपना/फर्म का नाम अंकित नहीं किया जायेगा।

(उमेश चन्द्र उत्तम)
खण्ड विकास अधिकारी
कल्याणपुर–कानपुर नगर

(अनुराधा अवस्थी)
प्रमुख क्षेत्र पंचायत
कल्यानपुर कानपुर नगर।

सुविचार

उन सभी कारणों को भूल जाएं कि कोई कार्य नहीं होगा, आपको केवल एक अच्छा कारण खोजना है कि यह कार्य सफल होगा।

- डॉ. राबर्ट

कानपुर के प्रमुख समाचार

- सोनी के 22 बैंक खाते, दुबई में कई कंपनियां-II
- इस्पात नगर में आवासीय प्लाट हो सकेंगे औद्योगिक -III
- नवाचार में छात्राओं की भागादारी विकास का मजबूत स्तंभ बनेगी -IV

आज का मौसम

रात दिन के तापमान में उतार चढ़ाव रहने के साथ रात, सुबह शाम कड़ाके की ठंड जारी रहेगी।

24.0⁰	13.0⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 45	सूर्यास्त 05 : 17

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **आरोग्य मंथन :** कर्मचारी राज्य बीमा निगम निदेशालय सर्वोदय नगर (काकादेव थाना के पास) में आरोग्य मंथन प्रातः 11 बजे।
- **ज्ञापन :** मुस्लिम राष्ट्रीय मंच देवा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत नशा खोरों के खिलाफ डीएम एवं पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन प्रातः 11 बजे।
- **भेंट :** चोरी की घटनाओं पर भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की पुलिस कमिश्नर से वार्ता दोपहर 12 बजे।
- **बैठक :** कानपुर महानगर कांग्रेस की बैठक तिलक हाल में सायं 4.30 बजे।
- **मिष्ठान वितरण :** कानपुर महानगर कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी के जन्मदिन पर मिष्ठान वितरण उर्सला हॉस्पिटल में दोपहर 3 बजे।

'अयोध्या मोक्ष धाम' के नाम से जाना जाएगा भैरव घाट!

कल नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में लगाई जा सकती अंतिम मुहर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिविल लाइंस के भैरव घाट मोक्ष धाम को जल्द ही नया नाम मिलेगा। इसे बदलकर 'अयोध्या मोक्ष धाम' करने की तैयारी है। इसके साथ ही ग्वालटोली से भैरवघाट जाने वाली सड़क का नाम भी ला. देवी प्रसाद खन्ना अयोध्या मोक्षधाम शांति पथ किया जा सकता है। यह दोनों प्रस्ताव क्षेत्रीय पार्षद यशपाल सिंह ने दिया है।

बुधवार को होने वाली नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में इन दोनों प्रस्तावों के साथ कुल 10 प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। मुख्य रूप से बैठक में मंगल भवन के शुल्क निर्धारण, नियमावली के साथ ही नामांतरण शुल्क को लेकर भी फैसला होगा। महापौर प्रमिला पांडेय ने बुधवार को सुबह 11 बजे नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक मुख्यालय के समिति कक्ष में बुलाई है, जिसमें सभापति प्रमिला पांडेय, उप सभापपति यशपाल सिंह के साथ ही अन्य सदस्य हिस्सा लेंगे।

कार्यसूची के रूप में नामांतरण शुल्क पर चर्चा के साथ ही केजेसीआई मंगल भवन की नीति निर्धारण पर चर्चा होगी। महापौर प्रमिला पांडेय ने बताया कि वंचित समुदाय के लिए बनाए गए मंगल भवन को 11 हजार रुपये में अंत्योदय कार्डधारक, आंगनबाड़ी वर्कर को दिया जा सकेगा। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर अन्य सामाज के लोगों, नगर निगम कर्मचारियों, पार्षदों और पूर्व पार्षदों को भी 31 हजार रुपये में भवन दिया जा सकेगा। महापौर ने बताया कि जिसकी पारिवारिक आय 3 लाख से कम है उसे ही निर्धारित शुल्क देकर जमा कराकर भवन का आवंटन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि हालांकि आवंटन के लिए लोगों को सिक्योरिटी मनी भी देनी होगी। भवन में मांस और शराब का सेवन पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। इसपर आखिरी निर्णय बैठक में होगा।

सिविल लाइंस स्थित भैरव घाट का नाम बदला जा सकता है। अमृत विचार

- बीपीएल कार्डधारकों को 11 व 31 हजार में मिलेगा मंगल भवन
- मंगल भवन में शराब और कबाब पर पूरी तरह होगी पाबंदी

आखिर कैसे होगी शुल्क की भरपाई?

- कार्यकारिणी की बैठक में एक फीसदी नामांतरण शुल्क खत्म करने को लेकर फैसला हो सकता है। एजेंडे के अनुसार नगर निगम को इससे होने वाली क्षति पर भी बैठक में चर्चा होगी। इसमें पूछा गया है कि यदि एक फीसदी नामांतरण शुल्क खत्म कर दिया जाता है तो उसके स्थान पर न्यूनतम धनराशि यदि 10 हजार कर दी जाए तो इसका प्रभाव नगर निगम की आय पर क्या पड़ेगा? इस पर बैठक में विस्तार से चर्चा होगी।

- मंगल भवन के नीति निर्धारण और नामांतरण शुल्क पर होगी चर्चा

इन प्रस्तावों पर लग सकती सदन की मुहर

- भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ. वीके साहू ने प्रस्ताव दिया है कि भक्त शिरोमणि मां कर्मा बाई की मूर्ति शहर के किसी प्रमुख चौराहे पर लगाई जाए।
- ज्योतिषाचार्य पं.केए दुबे पद्मेश ने प्रस्ताव दिया है कि शास्त्री चौक बर्रा से गुजैनी बाईपास तक जाने वाले मार्ग का नाम ज्योतिष ऋषि वराहमिहिर मार्ग किया जाए।
- सर्वेश कुमार पांडेय निन्नी के प्रस्ताव के तहत बकरमंडी चौराहे से लुधौरा रोड का नाम स्व. रघुनंदन प्रसाद मिश्रा के नाम किया जाए।
- श्याम नगर ई. ब्लॉक एवं तुलसीनगर के बीच स्थित कृष्णा पार्क के नामकरण का संशोधन संबंधी प्रस्ताव
- वार्ड 54 विनायकपुर में सत्यम स्वीट हाउस से मसवानपुर चौराहे तक डिवाइडर की मरम्मत 25.57 लाख से किया जाए।
- वार्ड 30 अंबेडकर नगर में पुरानी बस्ती में दो स्थानों पर इंटरलॉकिंग का सुधार कार्य 19.91 लाख से किया जाए।
- वार्ड 54 विनायकपुर में सनी हास्पिटल से सत्यम स्वीट हाउस तक डिवाइडर की मरम्मत 25.20 लाख से किया जाए।
- वार्ड 17 में आरसीसी नाली का निर्माण की स्वीकृति ठेकेदार फर्म को देने संबंधी प्रस्ताव।

बनारस से लोकमान्य टर्मिनल और आनंद विहार के लिए स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बनारस से लोकमान्य टर्मिनल और आनंद विहार के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ये गाड़ियां मंगलवार 9 दिसंबर को वाराणसी से चलेंगी।

गाड़ी संख्या 01182 बनारस से सायं 7.40 बजे रवाना होगी। वाराणसी सायं 7.55 बजे, मिर्जापुर रात 9.48 बजे, प्रयागराज छिवकी रात 1.15 बजे, मानिकपुर रात 3.48 बजे, सतना भोर 4.52 बजे, कटनी प्रातः 6.25 बजे, लोकमान्य टर्मिनल प्रातः 6.25 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01181 लोकमान्य टर्मिनल से प्रातः 8.25 बजे रवाना होगी। जबलपुर रात 2.05 बजे, सतना भोर 5.32 बजे, मानिकपुर प्रातः 7.23 बजे, प्रयागराज छिवकी प्रातः 9.58 बजे, मिर्जापुर दोपहर 1.24 बजे, वाराणसी 3.25 बजे एवं बनारस सायं 4.05 बजे पहुंचेगी।

रेलवे बनारस से आनंद विहार के लिए भी 9 दिसंबर से विशेष ट्रेन चलाएगा। आनंद विहार से यह गाड़ी बुधवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 05029 बनारस से रात 8.15 बजे रवाना होगी। प्रयागराज रात 11.15 बजे, गोविंदपुरी (कानपुर) रात 2:10 बजे, गाजियाबाद प्रातः 9.40 बजे, आनंद विहार टर्मिनल प्रातः 10.30 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 05030 आनंद विहार से दोपहर 12.20 बजे चलेगी, जो गोविंदपुरी शाम 7.55, प्रयागराज रात 1.30 बजे, बनारस 4.15 बजे पहुंचेगी।

पटना से आनंद विहार टर्मिनल विशेष ट्रेन

- गाड़ी संख्या 02395 पटना से रात 8:20 बजे 9, 11 व 13 दिसंबर को चलेगी, जो गोविंदपुरी (कानपुर) प्रातः 6:45 बजे, आनंद विहार टर्मिनल दोपहर 3 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02396 आनंद विहार टर्मिनल से शाम 7 बजे 10, 12 व 14 दिसंबर को चलेगी, जो गोविंदपुरी रात 1.55 बजे, पटना दोपहर 2 बजे पहुंचेगी। 9 व 12 दिसंबर को गाड़ी संख्या 05565 दरभंगा से शाम 6:15 बजे चलकर गोविंदपुरी स्टेशन दोपहर 12.45 बजे पहुंचेगी।

ये गाड़ियां बदले मार्ग से चलेंगी

- गाड़ी संख्या 09466 दरभंगा-अहमदाबाद 8 से 15 दिसंबर 2025 तक फेफना -इंदारा -मऊ -शाहगंज, फेफना -गाजीपुर सिटी-औंड़िहार -जौनपुर -शाहगंज होते चलेगी।
- गाड़ी संख्या 14005 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनल 8 से 18 दिसंबर 2025 तक छपरा -सिवान -मऊ -औंड़िहार के बजाए छपरा -गाजीपुर सिटी-औंड़िहार -वाराणसी ईएम, चैनवा, डुरौंधा, सिवान, जीरादेई, भाटपारा रानी, भटनी, सेलमपुर, लार रोड, बेलथारा रोड, मऊ, जखानियां होते हुए चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19166 दरभंगा-अहमदाबाद 8 से 15 दिसंबर 2025 तक फेफना -मऊ -शाहगंज फेफना -गाजीपुर सिटी-औंड़िहार -जौनपुर, शाहगंज, आजमगढ़, मऊ, बलिया होते हुए चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19046 थाणे-सूरत 9 दिसंबर से 16 दिसंबर 2025 तक फेफना -मऊ -शाहगंज -जौनपुर फेफना -गाजीपुर सिटी-औंड़िहार -जौनपुर रासरा, मऊ, मुहम्मदाबाद, आजमगढ़, शाहगंज होते हुए चलेगी।
- गाड़ी संख्या 15017 लोकमान्यतिलक-गोरखपुर 15 से 17 दिसंबर तक प्रयागराज-जंघई -सुल्तानपुर -अयोध्या धाम-मनकापुर -गोरखपुर सराय संकराय, सुरियावान, मोंध, बैनची, परसीपुर, कपसेटी, सेवापुरी, वाराणसी, वाराणसी सिटी, औंड़िहार, सदल, जाखनियां होते हुए चलेगी।
- गाड़ी संख्या 11059 लोकमान्यतिलक -छपरा 16 दिसंबर 2025 को शाहगंज, खोरासन रोड, सराय मीर, आजमगढ़, मुहम्मदाबाद, मऊ, बेलथारा रोड, सेलमपुर, भटनी, मैरवा, सिवान होते हुए संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या15083 छपरा-फरुखाबाद 16 व 17 दिसंबर 2025 चिल्काहर, रासरा, रतनपुरा, इंदारा, मऊ, मुहम्मदाबाद, साथियों, आजमगढ़, सराय मीर, खोरासन रोड होते हुए चलेगी।

सिटी ब्रीफ

आज इन इलाकों में नहीं आएगी बिजली

कानपुर। शहर के न्यू आजाद नगर, पांडू नगर, शिवाजी नगर, केशव वाटिका, हार्समैन के औ-ब्लाक, तिलक नगर व खलासी लाइंस में सुबह 10 बजे से शाम को करीब साढ़े चार बजे तक बिजली नहीं रहेगी। इसके अलावा बिठूर, लवकुश नगर, बैकुंठपुर, ईश्वरीगंज, चिरान, पैगूपुर में सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे, पुराना कानपुर व तिवारी घाट में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक बिजली नहीं रहेगी।

आरटीओ में नेटवर्क से सिस्टम धड़ाम

कानपुर। सोमवार को संभागीय परिवहन कार्यालय में नेटवर्क की भारी समस्या आई, जिससे फिटनेस, वाहन ट्रांसफर, ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ियों की फीस जमा करने समेत सारे कार्य प्रभावित हुए। सोमवार को सुबह से ही संभागीय परिवहन कार्यालय के नेटवर्क ने पूरी तरह काम नहीं किया। कंप्यूटर में डाटा की फीडिंग करने में दिक्कत आई क्योंकि रह रहकर नेटवर्क आता जाता रहा।

मुंबई की फ्लाइट आई, हैदराबाद व दिल्ली की रद होने से यात्री झल्लाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोमवार को मुंबई-कानपुर-मुंबई फ्लाइट कानपुर एयरपोर्ट पर आई और यात्रियों को लेकर मुंबई वापस चली गयी लेकिन दिल्ली और हैदराबाद की फ्लाइट कैंसिल रही जिससे यात्री परेशान रहे और नाराजगी जताई।

कानपुर एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट ही उड़ान भरती हैं। बीते पांच दिनों से देशभर में इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान में समस्या है, लाखों यात्री जहां तहां फंसे हैं। कानपुर की फ्लाइट भी डिस्टर्ब है। कभी मुंबई की फ्लाइट कैंसिल तो कभी दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु की फ्लाइट निरस्त हो रही है जिससे यात्री परेशान हैं।

सोमवार को भी मात्र एक मुंबई की फ्लाइट आई लेकिन हैदराबादा और दिल्ली की फ्लाइट कैंसिल रही जिसका यात्रियों ने विरोध किया तो उन्हें कहा गया कि आपका किराया वापस किया जा रहा है। रविवार को दिल्ली और बंगलुरु की फ्लाइट आई थी और मुंबई की कैंसिल थी लेकिन सोमवार को सिर्फ मुंबई की फ्लाइट आई।

इंडिगो के जिम्मेदार कुछ भी बताने को तैयार नहीं: कानपुर एयरपोर्ट पर सोमवार को यात्री परेशान रहे और यह जानने की कोशिश करते रहे कि आखिर हैदराबाद और दिल्ली की फ्लाइट कैंसिल क्यों हुई है, लेकिन एयरलाइंस का कोई जिम्मेदार कुछ भी बताने को तैयार नहीं था। पी रोड निवासी विवेक ने बताया कि उनके रिश्तेदारों को हैदराबाद फ्लाइट से कानपुर आना था, लेकिन जब रिश्तेदारों को रिसीव करने पहुंचे तो पता चला कि फ्लाइट कैंसिल है। अब एयरपोर्ट पर कोई सही जानकारी देने वाला कोई नहीं है।

- कानपुर एयरपोर्ट पर यात्री नाराज, किराया वापस किया
- इंडिगो एयरलाइंस की दिक्कतें 5 दिन बाद भी बरकरार

प्रदीप यादव एयरपोर्ट के नए डायरेक्टर बने

- कानपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर संजय सिंह का तबादला गोरखपुर होने के बाद उन्होंने पिछले महीने ज्वाइन भी कर लिया था, लेकिन कानपुर का एयरपोर्ट बिना डायरेक्टर के चल रहा था। अब कानपुर में प्रदीप यादव ने डायरेक्टर के पद पर ज्वाइन कर लिया है।

बड़ा चौराहा: बेढंगी चाल से फंसे वाहन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कई दिनों के बाद शहर में कार्यालय, स्कूल, कचेहरी आदि खुलने से सोमवार को यातायात का लोड शहर की सड़कों पर बढ़ गया जिससे वीआईपी रोड समेत कई रुटों पर भीषण जाम लगा रहा और सैकटड़ों वाहन रेंगते रहे।

सोमवार को प्रातः 11 बजे से ही बड़ा चौराहा पर ऑटो, टेंपो ई रिक्शों की अराजकता से चौराहा फंसा रहा। रह-रहकर वाहन एक दूसरे में उलझते रहे। ये स्थिति देर शाम तक बनी रही। उधर उर्सला हॉस्पिटल से परेड ग्राउंड तक सड़क तक लगी दुकानों के कारण जाम की स्थित बनी रही। सबसे ज्यादा यातायात का फंसाव वीआईपी रोड पर रहा। यहां ग्रीनपार्क से महिला थाना तक वाहनों की लंबी लाइनें लगी रही और यातायात की टीम जाम छुड़ाने के बजाए महिला थाना के बाहर दो पहिया वाहनों के चालान काटने में जुटी रही।

देर शाम हर्ष नगर में श्रृंगार के लिए आने वाली कारें बीच सड़क तक घंटों खड़ी रहीं जिससे इस रुट पर बजरिया थाना तक जाम लगा रहा। इसी प्रकार शाम को घंटाघर से एक्सप्रेस रोड होते हुए मालरोड़ जाने वाला मार्ग घंटों जाम में जकड़ा रहा। हलांकि यहां वनवे सिस्टम लागू है लेकिन उसके बाद भी बीच बीच में बने कट से निकलकर गलत दिशा में वाहन आते रहे जिससे जाम लगा रहा। यहां दर्जनों दुकानें भी सड़क पर ही शाम को सजी रही जिससे राहगीर परेशान रहे।

बीच सड़क पर दुकानें, भीषण जाम : चमनगंज में रुपम चौराहा, हलीम कालेज चौराहा, अजमेरी चौराहा, मोहम्मद अली पार्क, नाला रोड, सेंटर मार्ग पर देर शाम बीच सड़क तक दुकानें लगने के कारण भीषण जाम लगा रहा। इसी प्रकार कोपरगंज स्थित जच्चा बच्चा हॉस्पिटल से कुलीबाजार, मूलगंज से बादशाही नाका होते हुए घंटाघर, मेस्टन रोड, नई सड़क, परेड, तलाक महल, रहमानी मार्केट के सामने शाम छह बजे से देर रात तक वाहन उलझे रहे और लोग जाम में फंस रहे।

सोमवार को जाम से जूझती रहीं शहर की सड़कें। अमृत विचार

- वीआईपी रोड पर ग्रीनपार्क से कचहरी तक वाहनों की लंबी कतारें लगीं
- हर्ष नगर में सजावट के लिए बीच सड़क तक कारों से महाजाम

मंजूरी मिली | कानपुर-सागर हाईवे से जुड़ेगा कानपुर-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग, रमईपुर से इटारा मार्ग होगा चौड़ा

दिल्ली पहुंचने का सफर आसान करेगा सागर हाईवे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग से कानपुर-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग आपस में लिंक होंगे, इसके लिए लोक निर्माण विभाग के प्रोजेक्ट को शासन से मंजूरी मिल गई है। इसके तहत रमईपुर से इटारा मार्ग तक करीब 9.50 किलोमीटर तक की सड़क का चौड़ीकरण 24.54 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इससे कानपुर-सागर हाइवे पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और सागर हाईवे से इटावा हाईवे होते हुए दिल्ली तक पहुंचने का सफर आसान होगा।

रमईपुर -इटारा मार्ग की सड़क वर्तमान में तीन मीटर चौड़ी है, जिसकी वजह से वाहन सवार लोगों को कानपुर-सागर हाइवे और कानपुर इटावा हाइवे आने-जाने में दिक्कत होती है और रमईपुर से नौबस्ता, बर्रा बाईपास, भौंती होते हुए इटावा हाईवे आना व जाना पड़ता है, इस दौरान वाहन सवारों को करीब 30 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है।

मार्ग चौड़ा होने के बाद वाहन सवार लोगों को करीब 30 किलोमीटर तक का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, क्योंकि रमईपुर-इटारा मार्ग को साढ़े पांच मीटर तक चौड़ा किया जाएगा। इसके संबंध में शासन ने लोक निर्माण विभाग को मंजूरी दे दी है और निर्माण के लिए 24 करोड़ 54 लाख रुपये का बजट भी स्वीकृत कर दिया है, जिसकी प्रथम किस्त के रूप में 8 करोड़ 54 लाख रुपये व्यय वित्तीय समिति ने लोक निर्माण विभाग को प्रदान कर दिए है।

चौड़ीकरण से नौबस्ता चौराहे पर आने वाले करीब 25 हजार वाहनों का लोड घटेगा और वह सीधे सागर हाइवे से रमईपुर कैंधा मार्ग से निकलकर पिपौरी-गंभीरपुर, दक्षिण-मन्नीपुरवा-कैंधा-देवीनपुरवा से इटारा मार्ग होते हुए इटावा हाइवे पहुंच सकेंगे। रमईपुर-इटारा मार्ग चौड़ा होने से शहर के अंदर भी जाम से थोड़ी राहत मिल सकेगी।

इसके साथ ही भोपाल और दिल्ली आना-जाना आसान होगा। वर्तमान में सड़क सकरी होने पर बड़े वाहनों को निकलने में मुश्किल होती है। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता रविदत्त के मुताबिक रमईपुर-इटारा मार्ग के चौड़ीकरण के लिए पहली किस्त मिली है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया के बाद निर्माण शुरू कराया जाएगा।

24.54 करोड़ की लागत से चौड़ा होगा 9 किलोमीटर मार्ग

जाम से भी मिलेगा छुटकारा

- पांडु नदी के पास से नौबस्ता बाईपास और वहां से कानपुर-इटावा हाईवे पर ट्रैफिक लोड अधिक है और आए दिन जाम की स्थिति रहती है। कभी-कभार मिनटों के सफर के लिए वाहन सवार लोगों को घंटों तक का इंतजार करना पड़ता है। बड़े वाहनों की नो इंट्री की वजह से घंटों इंतजार करने के साथ अतिरिक्त समय और डीजल भी अधिक खर्च होता है। इससे निपटने के लिए लोक निर्माण विभाग ने इस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा था। मुख्य अभियंता के मुताबिक जो भी ठेकेदार इस सड़क का कार्य कराएगा, वही अगले पांच साल तक मरम्मत, पैचिंग और रखरखाव करेगा। इस मार्ग के बनने से दोनों हाईवे सीधा लिंक होंगे।

एसीपी-बीमा भुगतान की फाइल दबाने में कनिष्ठ लिपिक सस्पेंड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम से सेवानिवृत्त सफाई कर्मचारी की एसीपी (निश्चित करियर प्रगति) की फाइल दबाने, बीमा व अन्य भुगतान न करने के मामले में नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने स्वास्थ्य विभाग जोन 4 में तैनात कनिष्ठ लिपिक मंजीत खन्ना को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही वर्षों से एक ही सीट पर जमे 26 लिपिकों को भी स्थानांतरित कर दिया। स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से डटे 14 लिपिकों को नगर आयुक्त ने सीट से हटा दिया। नगर निगम के स्कूलों, सामान्य प्रशासन और उद्यान विभाग में भी डटे 12 अन्य लिपिकों को भी इधर से उधर किया गया है।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सोमवार को एक साथ दो बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि वार्ड 5 जोन-4 में सफाई कर्मचारी रहीं लक्ष्मिन विभाग से 29 फरवरी 2016 को सेवानिवृत्त हुई थीं।

लगभग 09 वर्ष बाद भी एसीपी, बीमा व अन्य भुगतान न होने के कारण उनके द्वारा हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। लिपिक को समय-समय पर सक्षम अधिकारियों द्वारा पत्र जारी किये जाने के बावजूद उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की जिससे नगर निगम की छवि को धूमिल हुई। कार्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता, अनुशासनहीनता पर ही कनिष्ठ लिपिक मंजीत खन्ना को निलंबित किया गया है।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने आदेश जारी कर कहा कि इस दौरान नियमानुसार आधा वेतन दिया जाएगा। कोई मंहगाई भत्ता देय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अन्य मदों का भुगतान तभी किया जायेगा जब मंजीत खन्ना जोन-4 स्वास्थ्य विभाग को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि वह किसी अन्य व्यापार, यावसाय में नहीं लगे हैं। नगर आयुक्त ने प्रकरण की जांच सहायक नगर आयुक्त विद्या सागर यादव को सौंपी है। मंजीत खन्ना को निलंबन अवधि में जांच अधिकारी कार्यालय से सम्बद्ध किया गया है।

- नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने की कार्रवाई, स्वास्थ्य विभाग में अरसे से जमे 26 लिपिकों को किया स्थानांतरित
- 9 वर्षों से सेवानिवृत्त सफाई कर्मचारी थी परेशान, हाईकोर्ट में याचिका भी की, लेकिन नहीं हुआ भुगतान

सिटी ब्रीफ

पुताई ठेकेदार ने घर से माल किया पार

कल्याणपुर। रावतपुर के सैयद नगर निवासी सुमन पाल के मुताबिक उन्होंने अपने घर की पुताई का ठेका अंजाम अंसारी नाम के युवक को दिया था। जिसके चलते उन्होंने घर गृहस्ती का सामान नीचे वाले कमरे में रखवा दिया था। गत 28 नवंबर को अंजाम ने बिना बताए काम बंद कर दिया। कारण पूछने पर दो दिन बाद आने की बात कही थी। इधर वह एक पारिवारिक शादी में शामिल होने के लिए बाहर चली गई। इसी बीच ठेकेदार अंजाम ने हजारों रुपए कीमत के पीतल के बर्तन व पांच हजार की नकदी पार कर दी। घटना पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

कल्याणपुर। मूल रूप से कानपुर देहात के मूसानगर कृपालपुर निवासी 37 वर्षीय बाइक सवार सुनील कुमार रविवार शाम सड़क हादसे में घायल हो गए थे। परिजनों ने उन्हें कल्याणपुर पनकी रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के सुनील ने दम तोड़ दिया। परिवार में पत्नी पूजा व दो बच्चे हैं। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम भेज मामले की जानकारी मूसानगर पुलिस को दे दी गई है।

वकील का मोबाइल छीन भागे कार सवार

कल्याणपुर। आवास विकास तीन के सेक्टर आठ निवासी सत्येंद्र शुक्ला पेशे से अधिवक्ता है। सत्येंद्र के मुताबिक रविवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी कार से कल्याणपुर क्रॉसिंग की ओर जा रहे थे। अभी वह पनकी रोड चौकी के पास सेंट्रल बैंक के सामने पहुंचे ही थे कि एक दूसरी कार उनकी गाड़ी से टकरा गई। विरोध करने पर कार सवार युवक उनके साथ मारपीट पर आमादा हो गए। इतना ही नहीं इस दौरान युवक उनका मोबाइल छीन कर वहां से भाग निकले। आरोपियों की कार का नंबर व घटना का वीडियो देखने के लिए जब वह पनकी रोड चौकी पहुंचे, तो पुलिस ने कैमरे खराब होने की बात कही।

युवक से मोबाइल लूटने वाले गिरफ्तार

कानपुर। मूलरूप से फतेहपुर बिंदकी के बलुवापुर मजरे बोठर खुर्द निवासी नीरज कुमार के अनुसार चकेरी की फैक्ट्री में काम करते हैं। रविवार की शाम वह चाय पीकर पैदल फैक्ट्री जा रहे थे, तभी पीछे से बाइक सवार दो लुटेरों ने उनके हाथ में झपट्टा मारा और मोबाइल लूटकर भाग निकले। पता चला कि मोबाइल चकेरी निवासी अंकित यादव उर्फ कृष्णा डॉन और बाबू सिंह यादव ने लूटा है। चकेरी थाने के दरोगा सचिन ने दोनों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि लूट करने वाले दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। आरोपियों के पास से लूट का मोबाइल बरामद हुआ है।

वाहन की टक्कर से प्लंबर की मौत

कानपुर। बिठूर क्षेत्र के मकसूदाबाद निवासी 54 वर्षीय उदयनारायण प्लंबर थे। परिवार में पत्नी स्नेहलता और दो बच्चे विनय और रुचि हैं। रविवार शाम उदयनारायण पनकी रतनपुर कालोनी में रहने वाले अपने साथी बृजभान सिंह के घर गए थे। देर शाम वहां से लौटने के दौरान सड़क पार करते समय तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कल्याणपुर सीएचसी में भर्ती कराया, जहां देर रात मौत हो गई।

सोनी के 22 बैंक खाते, दुबई में कई कंपनियां

देश-विदेश के कई लोगों ने ई-मेल के जरिए पुलिस से की शिकायत, दुबई के दफ्तर बंद, ठिकानों की तलाश में जुटीं पुलिस टीमें

महाठग का मायाजाल

विशेष संवाददाता, कानपुर

रविंद्रनाथ सोनी।

- कई मुल्कों में फ्रॉड का नेटवर्क, सोफे में डॉलर की गड्डियां छिपाते वीडियो मिला

अमृत विचार। पुलिस की गिरफ्त में आए महाठग रविन्द्रनाथ सोनी के वैश्विक मायाजाल में फंसकर सात सौ से अधिक लोग छटपटा रहे हैं, जिनके डेढ़ हज़ार करोड़ से अधिक रुपये डूब गए हैं। सोनी के भारत के सरकारी और गैरसरकारी बैंकों में 22 खातों का पता लगा है। जांच के लिए गठित एसआईटी दुबई, देहरादून और दिल्ली पुलिस के साथ ईडी के भी संपर्क में है।

पुलिस के मुताबिक सोनी के ठगी का नेटवर्क भारत के कई राज्यों के अलावा जापान, यूके, यूएई, दुबई सहित अन्य देशों तक फैला है। अब सब कड़ियां जोड़कर जांच की जा रही है। कई ने ई-मेल के जरिये भी शिकायत की है, जिनकी बारीकी से जांच की जा रही है। इस शातिर ने कई सेलिब्रेटी को भी अपने नेटवर्क से जोड़कर ऐसा भौकाल बनाया कि इसकी 22 से अधिक कंपनियों में निवेश के लिए लोग खिंचे चले आए। अभी तक यहां चार एफआईआर हो चुकीं हैं। सिलसिला जारी है। डेढ़ हज़ार करोड़ से अधिक ठगी की रकम का पता लग चुका है। पुलिस का कहना है कि सोनी को रिमांड में लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस के हाथ एक ऐसा वीडियो लगा है, जिसमें सोनी को एक बड़े मंच पर यूथ आइकॉन बताते हुए सम्मानित किया जा रहा है। इसमें कांग्रेस के केंद्रीय मंत्री रह चुके बड़े नेता नजर आ रहे हैं। एक ऐसा वीडियो भी है, जिसमें वह अकेला किसी शानदार ठिकाने में डॉलर की गड्डियां एक खास सोफे में छिपा रहा है। कुछ गड्डियां समेटकर बैग में रख रहा है। यह उसका ऑफिस बताया जा रहा है। इस वीडियो की सच्चाई की पुलिस जांच रही है।

बेटी के बर्थडे पर साथ में थीं दोनों बीवियां

- सोनी ने अपनी बेटी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया था, जिसमें उसकी दोनों बीवियां शरीक हुई थीं और कई महत्वपूर्ण नामी लोग भी शामिल हुए थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इसने पहली बीवी से संबंध तोड़ने का नाटक किया, ताकि ठगी की रकम खपाई जा सके और मामला जायज ठहराया जा सके। यह भी पता लगा है कि यह अपने पिता से भी अलग रहता है।

समझौते की जुगत में लगे ठग के कारिंदे

- महाठग सोनी और उसके परिजनों के आधार, पेन, पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज जांचे जा रहे हैं। इससे पता लगेगा कि उसके कहां कितने खाते हैं। कहां, कब और किन लोगों के बीच धन का लेनदेन हुआ है। यह भी पता लगा है बड़े पैमाने पर पैसा क्रिप्टो करेंसी में कनवर्ट करवाया गया है। पुलिस को पता लगा है कि सोनी के संपर्क सूत्र ठगे गए लोगों से समझौते की जुगत में हैं। उन्हें धन वापसी का भरोसा दिया जा रहा है। इसी कारण सोनी के शिकार कई लोग रिपोर्ट दर्ज करवाने से बच रहे हैं। पुलिस नजर रखे है। पुलिस सबूत और तथ्य जुटाने में लगी है। डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए गए हैं।

पहली बीवी से दूरी बनाने में भी चाल

- सोनी की बीवी के साथ ही उसके परिजनों, नाते-रिश्तेदारों, दोस्तों और निकतम लोगों से संपर्क किया जा रहा है। इसने पहली बीवी स्वाति को छोड़ दिया था और फिर हिमानी से दूसरी शादी रचा ली। इसके पीछे भी इसकी चाल थी। इसने पहली बीवी को संबंध विच्छेद के बदले सेलिमेंट के नाम पर उसे मोटी रकम दी, ताकि लेनदेन को सही ठहराया जा सके। विस्तृत जांच के लिए एसटीएफ और केंद्रीय एजेंसियों से भी संपर्क किया जा रहा है।

खली और सोनू सूद को पक्ष रखने को बुलाया

- एसआईटी ने ठगी के मामले में अभिनेता सोनू सूद और रेसलर खली को बुलाया है। सोनू ने पुलिस से फ़ोन पर बात भी की है। उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस ज़ारी करके बुलाया गया है। ठगे गए कुछ लोगों ने आरोप लगाया है कि इनकी मिलीभगत है। ये फोटो में ठग के साथ दिखे हैं। पुलिस का कहना है कि अब जांच में पता लगेगा कि इनकी इस मामले में क्या भूमिका है।

> इस साइबर फ्रॉड में अब तक 970 करोड़ ठगी का पता लगा है। कई शहरों के लोग संपर्क कर रहे हैं। एजेंसियों से समन्वय बनाकर जांच की जा रही है। एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा के नेतृत्व में छह सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की गई है।
>
> – रघुवीर लाल, पुलिस आयुक्त, कानपुर

साइबर क्रिमिनल के लिए विशेषज्ञ व कमांडो तैयार

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- अब हर थाने में साइबर सेल दर्ज करवा सकते हैं रिपोर्ट
- साइबर क्राइम का कंट्रोल रूम और एक्सपर्ट की टीम बनी

अमृत विचार। अब तेजी से बढ़ते साइबर क्राइम के नियंत्रण, अपराधियों, ठगों को पकड़कर उन्हें सालाखों के पीछे पहुंचाने के लिए खासतौर पर विशेषज्ञ, कमांडो और विवेचक तैयार किए जा रहे हैं। जरूरत पर आईआईटी से भी सहयोग लिया जाता है।

यह जानकारी पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने एक बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में साइबर क्राइम के मामले बेहद तेज़ी से बढ़े हैं, जिसने अन्य प्रकृति के अपराधों को पीछे छोड़ दिया है। इसे देखते हुए पुलिस विभाग गंभीर है और इसके नियंत्रण के लिए तेज़ी से काम हो रहा है। पुलिसिंग सिस्टम में सुधार किया जा रहा है। पहले तो ज़िले में सिर्फ एक ही साइबर थाना था, जो रिपोर्ट दर्ज़ कर विवेचना करता था। पुलिस आयुक्त ने बताया कि अब हर थाने में साइबर सेल है, जहां रिपोर्ट दर्ज़ कराई जा सकती है। वहां साइबर मामलों के विशेषज्ञ मौजूद रहते हैं, जो मदद करते हैं। अब इसके लिए नियंत्रण कक्ष है, जहां से मॉनेटरिंग की जाती है और रिकार्ड रखा जाता है। कोशिश रहती है कि रिपोर्ट दर्ज कर तत्काल जांच शुरू की जाए। साइबर क्राइम के कई मामलों में ठगी की रकम वापस दिलाई गई है। बड़े मामले भी दर्ज़ किए गए हैं। पुलिस आयुक्त ने यह भी बताया कि अब साइबर क्राइम ट्रेनिंग के लिए एक खास पोर्टल है, जिसे जॉइन कर पुलिस टीम को प्रशिक्षित किया जा रहा है। साइबर कमांडो, विवेचक और विशेषज्ञ खासतौर पर तैयार किए जा रहे हैं। आईआईटी से भी सहयोग लेते हैं। बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। लालच और भय दिखाकर फंसाया जाता है, इससे सतर्क रहने की ज़रूरत है। उन्होंने बताया कि यदि एक घंटे के भीतर पुलिस को सूचित कर दिया जाए तो ठगी गई रकम वापस दिलवाने की संभावना ज्यादा होती है, खाते फ्रीज़ कराए जा सकते हैं।

मैनेजर व वकील पर धोखाधड़ी का आरोप

कानपुर। चकेरी में एक महिला ने अधिवक्ता व पंजाब एंड सिंध बैंक के मैनेजर पर आरोप लगाया है कि पति से नशे की हालत में कागजातों और चेकों पर साइन करा लिया। फिर 20 लाख का लोन कराकर रुपये हड़प लिया। विरोध किया तो धमकी मिलीं। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर चकेरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

कैलाश नगर निवासी ज्योति चौरसिया के अनुसार उनके पति राज नारायण चौरिसया शराब के लती हैं। परदेवनपुर निवासी वकील रामजी ओमर ने पति की इस का फायदा उठाया और शराब पिलाकर उन्हें हमीरपुर स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक ले गया। रामजी ओमर और मैनेजर सुरेश चन्द्र वर्मा ने पति के नशे में होने का फायदा उठाकर रजिस्ट्री रखकर 20 लाख का लोन करा लिया और कागजातों व चेकों पर साइन करा लिया। इसके बाद लोन की रकम हड़प ली। वर्ष 2017 में उनके पास रिकवरी के लिए बैंक से नोटिस आया। रामजी ओमर से पूछा तो उसने बताया कि लोन पर उनके पति गारंटर हैं। लोन की किश्तें वह जमा कर रहे हैं। फिर वर्ष 2018 में उनके पास से कोर्ट से नोटिस आया तो उन्हें मामले की पूरी जानकारी हुई। जिस पर उन्होंने विरोध किया तो उन्हें आरोपियों ने धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद वे मामले की शिकायत को पुलिस और अधिकारियों के चक्कर काटती रहीं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

बाकरगंज की दुकानें कवर्ड होंगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए नगर निगम ने सर्वे कर पेश की रिपोर्ट
- प्रभारी मंत्री की बैठक में उठा था मुद्दा, सीसीटीवी के साथ सड़कें बनाने की तैयारी

अमृत विचार। बाकरगंज बाजार में आए दिन लगने वाली आग के बचाव को लेकर नगर निगम ने तैयारियां शुरू की हैं। 4 दिसंबर को प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की बैठक में बाजार में आग लगने का मुद्दा उठा था, इसके बाद प्रभारी मंत्री के निर्देश पर नगर निगम ने सर्वे कर यहां बाजार को चारो तरफ से कवर्ड करने की जरूरत बताई है।

बैठक में पूर्व विधायक रघुनन्दन सिंह भदौरिया ने कहा था कि बाकरगंज बाजार में भीषण अग्निकांड से पिछले दिनों व्यापारी प्रभावित हुए थे। इसके साथ ही आराजक तत्व पर भी संशय रहता है। जोनल अधिकारी जोन-3 ने उपरोक्त स्थल के भू-स्वामित्व के संबंध में जानकारी मांगी गई थी। इसपर नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि बाकरगंज की सभी दुकाने चारों तरफ से बंद करने की अनुमति दी जाए। बाजार के अंदर आने वाली मुख्य मार्ग की सड़क बनाने की व्यवस्था की जाए जिसमें भविष्य में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को अंदर जाने में आसानी हो सके। बाजर में मार्ग प्रकाश की समुचित व्यवस्था की जाय जिससे जानबूझकर कोई असामाजिक तत्व इस तरह की घटनाओं को अजाम न दे सके। अपर नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता और मार्गप्रकाश विभाग से जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बाकरगंज बाजार में पिछले दिनों आग लगी थी। अमृत विचार

दो युवकों ने फंदा लगाकर दी जान

कानपुर। शहर में 24 घंटे में दो युवकों ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। जहां सेन पश्चिम पारा में बीमारी से परेशान युवक ने आत्महत्या की। वहीं चकेरी में फास्टफूड दुकानदार ने आत्महत्या की।

सेन पश्चिम पारा निवासी विजय बहादुर का 18 वर्षीय बेटा सत्यम मजदूरी करता था। डेढ़ साल पहले भी उसने आत्मतहत्या का प्रयास किया था। बहन सारिका ने बचा लिया था। एक माह पहले पैरालाइसिस का अटैक पड़ने के बाद मानसिक तनाव में था। उधर, चकेरी के शिवकटरा निवासी फास्टफूड दुकानदार रामपाल (42) ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। परिवार में पत्नी सोना और बेटी नंदिनी है। परिजनों ने बताया कि रविवार रात में खाना खाने के बाद वह सोने चले गए थे।

झांसा देकर 6.41 लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बजरिया में साइबर ठगों ने कंपनी में रुपये निवेश कर मुनाफा कमाने का झांसा देकर 6.41 लाख रुपये की ठगी कर ली। रुपये वापस न मिलने पर पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रामबाग निवासी कुणाल सिंह के अनुसार 5 सितंबर को उन्हें एक टेलीग्राम एप से जोड़ा गया। जिसमें बताया गया कि पोली एंड बर्क कंपनी में दो लाख रुपये निवेश करने पर उन्हें 60 हजार रुपये ज्यादा मिलने की बात बताई गई थी। इस पर उनके झांसे में आ गए और ठग द्वारा बताए गए खाते में कई बार में 6.41 लाख रुपये जमा कर दिए। जब उन्होंने रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने रुपये देने से मना कर दिया। इस पर उन्हें अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर सेल व बजरिया थाने में की। थाना प्रभारी बजरिया ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले में साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

सहायक अध्यापिका ठगी का शिकार

- **कानपुर।** बाबूपुरवा में सहायक अध्यापिका ठगी का शिकार हो गईं। ठगों ने 22 दिन में उनके खाते से यूपीआइ के जरिए 14.60 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए और मोबाइल पर कोई मैसेज भी नहीं आया। खाते से रुपये निकालने पहुंची तो ठगी का पता चला। इसके बाद बैंक और साइबर सेल में शिकायत की। साइबर सेल के कोई सुनवाई न करने पर नौ महीने बाद पीड़िता ने बाबूपुरवा थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बाबूपुरवा कालोनी निवासी प्रीति पांडेय सरसौल के दिबियापुर कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापिका हैं। प्रीति के मुताबिक उनका खाता पंजाब नेशनल बैंक किदवई नगर शाखा में हैं। 13 फरवरी से सात मार्च के बीच उनके खाते से कई बार में 14.60 लाख रुपये यूपीआइ के जरिए किसी और खाते में ट्रांसफर कर लिए गए। वह 15 मार्च को खाते से रुपये निकालने के लिए बैंक पहुंची तो उन्हें खाते में रुपये न होने की जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए। इसके बाद बैंक प्रबंधक से शिकायत की तो जानकारी हुई कि उनके खाते से आनलाइन रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। जबकि उनके पास रुपये ट्रांसफर किए जाने का कोई मैसेज भी नहीं आया। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने साइबर सेल में शिकायत की, लेकिन नौ महीने तक सिर्फ जांच का आश्वासन देकर टरकाया जा रहा था। इसके बाद रविवार को वह थाने पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई। बाबूपुरवा थाना प्रभारी अरूण कुमार द्विवेदी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता के रुपये वापस दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गोवा नाइट क्लब हादसे में शहर के युवक की मौत

संवाददाता, कल्याणपुर

अमृत विचार। गोवा के नाइट क्लब में जान गंवाने वाले 25 लोगों में कल्याणपुर का युवक भी शामिल है। मौत की सूचना से घर में कोहराम मच गया। शव लेने के लिए परिवार के सदस्य गए हैं।

कल्याणपुर के बारासिरोही गोपालपुरम निवासी कुंवर सिंह व लाल सिंह का 28 वर्षीय भांजा रोहन सिंह गोवा के नाइट क्लब में सेफ था। आग की चपेट में आने से रोहन की भी मौत हो गई। मामा लाल सिंह ने बताया कि रोहन नेपाल निवासी उनकी बहन सुनीता का बेटा था, जो बचपन से उन्हीं के पास था। रोहन पहले कनपुर के कई रेस्टोरेंट में काम कर चुका था। वह फरवरी 2024 को गोवा चला गया था।

रोहन सिंह।

बस ने ली ऑटो चालक की जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गीता नगर क्रासिंग पर हादसा बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट

अमृत विचार : जीटी रोड स्थित गीता नगर क्रासिंग के पास एक स्कूल की तेज रफ्तार स्कूल बस ने खड़े आटो में टक्कर मार दी। जिससे आटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार आटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों की सूचना पर नवाबगंज थाना पुलिस ने चालक को एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपित बस चालक को गिरफ्तार कर स्वजन की तहरीर पर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नवाबगंज धनऊपुरवा निवासी 38 वर्षीय राजेश निषाद आटो चलाते थे। परिवार में पत्नी मंजू और तीन बच्चे हैं। शुक्लागंज निवासी बहनोई कमलेश ने बताया कि सोमवार सुबह वह आटो लेकर निकले थे। गीता नगर क्रासिंग पर आटो में बैठकर वह सवारियों का इंतजार कर रहे थे तभी पीछे से आ रही बिठूर रोड स्थित नर्चर इंटरनेशनल स्कूल की बस के चालक अरविंद ने पीछे से आटो में टक्कर मार दी। जिससे आटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पलट गया और चालक राजेश गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने स्कूल बस चालक अरविंद को पकड़ लिया और पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया। गंभीर रूप से घायल आटो चालक को हैलट अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नवाबगंज थाना प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने बताया कि स्वजन की तहरीर पर आरोपित बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर बस को कब्जे में लिया गया है।

दुकान का शटर काटकर 8 लाख रुपये की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जनरलगंज में कपड़ा कारोबारी की दुकान का शटर काटकर 8 लाख रुपये की चोरी हो गई। चोरों ने गैस कटर से शटर काटा। व्यापारियों ने पुलिस गश्त को लेकर आक्रोश जताया।

साकेत नगर निवासी रमेश चंद्र की जनरल गंज में विनोद साड़ी सेंटर के नाम से दुकान है। वह हार्ट पेशेंट होने के कारण एक सप्ताह पहले स्टंट डलवाने लखनऊ गए थे। इस दौरान उनके बेटे हिमांशु दुकान संभाल रहे थे। शनिवार रात को वह दुकान बंद करके गए थे। सोमवार को जब वह दुकान खोलना लौटे तो दुकान का शटर कटा हुआ था। साथ ही दुकान के अंदर लगा कांच का गेट टूटा हुआ था। उन्होंने अंदर जाकर देखा तो गुल्लक में रखे करीब आठ लाख रुपये नकदी गायब थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

ओवरलोडिंग का ब्यौरा नहीं दे पाया टोल प्लाजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। संभागीय परिवहन अधिकारी ने दो माह पूर्व कानपुर मंडल में आने वाले परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कानपुर को पत्र लिखा था कि जितने भी ओवरलोड वाहन टोल प्लाजा से गुजर रहे हैं, उनका ब्यौरा प्रतिदिन भेज दें ताकि उनके चालान किये जा सकें लेकिन आजतक एक भी ओवरलोड वाहन का ब्यौरा टोल प्लाजा ने नहीं उपलब्ध कराया है।

कानपुर के सभी मुख्य एवं हाईवे से हजारों की संख्या में ओवरलोड वाहन गुजरते हैं। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कानपुर को पत्र लिखा कि टोलप्लाजा से गुजरने वाले सभी ओवरलोड वाहनों के सीसीटीवी फुटेज फोटो सहित उपलब्ध कराएं ताकि ऐसे वाहनों का चालान किया जा सके लेकिन दो माह में एक भी ओवरलोड वाहन का ब्यौरा नहीं दिया गया।

चारों सीमाओं पर खुलेंगे वाहन फिटनेस सेंटर

- शहर की सभी चारों सीमाओं पर फिटनेस सेंटर खोले जाएंगे। चौबेपुर में खुल चुका है, भौंती में चालू होने वाला है। फिटनेस सेंटर के लिए जमीन तलाशी जा रही है। ये सभी सेंटर निजी हाथों में सौंपे जाएंगे। प्रतापपुर भौंती का फिटनेस सेंटर जल्द ही शुरू होगा। अभी चौबेपुर-बिठूर मार्ग पर वाहनों की फिटनेस की जा रही है जिससे नौबस्ता या रामादेवी के लोगों को चौबेपुर जाना पड़ रहा है।

दबोली में आतंक वन विभाग और नगर निगम से मांगा सहयोग

कटखने बंदर ने 8 लोगों को काटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दबौली में कटखने बंदर ने शिक्षक समेत 4 लोगों को चबा लिया। कटखने बंदर के आतंक से इलाके के लोग सहम गए हैं। वन विभाग और नगर निगम से बंदर को पकड़ने की मांग की गई है।

कानपुर जन जागृति मंच के अध्यक्ष एवं दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य विनोद मिश्रा ने बताया कि रविवार शाम 5 बजे दबौली 37ई2 निवासी आशीष मिश्रा के 12 वर्षीयपुत्र सार्थक मिश्रा के पैर में बंदर को बंदर ने बुरी तरीके से चबा डाला। वहीं सोमवार को दोपहर 1:30 बजे दबौली ट्रांसफार्मर के समीप स्थित एनएल मेमोरियल स्कूल में बंदर पहुंच गया। यहां स्कूल के 60 वर्षीय राम अवस्थी, 30 वर्षीय पिंकी सिंह एवं 28 वर्षीय सुषमा के हाथों में काट लिया। इसी प्रकार 16 वर्षीय मोती गुप्ता और 5 वर्ष की अंशिका, 8 वर्षीय अमोघ एवं दिनेश को भी काट लिया। सभी ने गुजैनी सरकारी अस्पताल में रेबीज की वैक्शीन लगवाई।

सुषमा।

कुशाग्र।

श्रीराम अवस्थी और

पिंकी सिंह।

ओएफसी कर्मी के घर से लाखों के जेवर चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काकादेव में चोर शादी समारोह में शामिल होने गए ओएफसी कर्मी के बन्द मकान का ताला तोड़कर नगदी समेत करीब दस लाख के जेवरात चोरी कर ले गए। घटना के बाद पड़ोस में काम करने गई नौकरानी ने घर का ताला खुला देखकर पीड़ित परिवार को जानकारी दी। पुलिस तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके चोरों की तलाश में जुट गई है।

विजय नगर निवासी संतोष कुमार गौतम ओएफसी कर्मी है। संतोष के अनुसार उनकी पत्नी प्रीति सिंह गाजीपुर में रहने वाली अपनी बहन की बेटी के शादी में शामिल होने घर के अन्य सदस्यों के साथ 28 नवंबर को गई थी। जबकि वे और उनका बेटा अतुल 4 दिसबंर को शादी समारोह में शामिल होने वहाँ पर गए थे। रविवार सुबह उनके घर पर काम करने वाली नौकरानी मीरा पड़ोस के घर पर काम करने आई हुई थी। इस पर उसने उनके घर का ताला खुला हुआ देखा तो वह अंदर गई, जहां पर घर का सारा सामान फैला हुआ था। इसके बाद मीरा ने घटना की जानकारी उन्हें दी। इस पर उन्होंने अपने रिश्तेदारों व पुलिस को मामले की जानकारी देने के साथ देर शाम वह लोग भी घर पहुंचे। पीड़ित के अनुसार चोर घर से हजारों की नगदी, एक हार, पांच अंगूठी, दो चेन, कान के घुमके समेत दस लाख के माल चोरी कर ले गए है। थाना प्रभारी काकादेव राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश में टीम लगी हुई है। सीसीटीवी में कुछ संदिग्ध कैद हुए है।

रिटायर्ड रेलवे कर्मी को वकील ने ठगा

कानपुर। अधिवक्ता ने सेवानिवृत्त रेलवे कर्मी से एक लाख रुपये हड़प कर फर्जी इन्कम टैक्स जमा की रशीद थमा दी। रुपये वापस नहीं करने पर उन्होंने गोविंद नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

गोविंदनगर थानाक्षेत्र के गुजैनी जी ब्लाक निवासी दिनेश कुमार सिंह रेलवे से सेवानिवृत्त हैं। उनके मुताबिक वर्ष 2024-25 का इन्कम टैक्स जमा करने के लिए बर्रा के रहने वाले अधिवक्ता अनिल कुमार से संपर्क हुआ था। इसके बाद उन्हें फीस के एक हजार रुपये समेत एक लाख तीन हजार रुपये उनके खाते में ट्रांसफर कर दिए, जिसके कुछ दिन बाद उन्होंने जमा रसीद भी उन्हें दे दी। इधर, इन्कम टैक्स विभाग से टैक्स जमा करने के लिए फिर उन्हें नोटिस भेजा गया तो उन्होंने जमा रसीद के साथ अधिकारियों से संपर्क किया तो अधिवक्ता के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

सिटी ब्रीफ

बीएलओ के पास जमा करें गणना प्रपत्र

कानपुर। सपा के नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद व एसआईआर प्रभारी पूर्व सांसद राजाराम पाल ने बर्रा-2, सीएनजी चौराहा, नौबस्ता, मसवानपुर, दलेल पुरवा, घुसियाना, किदवई नगर 48 क्वार्टर के एसआईआर कैंप देखे। अध्यक्ष ने कहा कि सभी कार्यकर्ता बीएलओ को गणना प्रपत्र जमा कराएं। फॉर्म जमा कराने में दिक्कत आने पर हल कराएं। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, रजत मिश्रा, अर्पित त्रिवेदी, दीपक खोटे, शादाब आलम समेत आदि रहे।

विजिलेंस टीम ने तीन जगह पकड़ी चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने सोमवार को जीआईसी उपकेंद्र के हाई लाइन लॉस फीडरों पर लाइन लॉस को कम करने के लिए अभियान का संचालन किया, शिकायतों के आधार पर केस्को टीम ने कर्नलगंज के मुसर्रफ, सन्नी सोनकर और सर्वेश को बिजली चोरी में पकड़ा। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक तीनों पर एफआईआर दर्ज करायी गई है।

यहां गुल रही बिजली परेशान रहे लोग

कानपुर। भैरवघाट उपकेंद्र के अंतर्गत एमरॉल्ड, विद्युत शवदाह, बंगला पीटी व राजीव पेट्रोल पंप फीडरों से जुड़े घर व दुकानों की बिजली पॉवर ट्रांसफार्मर में टेस्टिंग कार्य की वजह से दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक, अजीतगंज में सुबह 11 बजे से शाम को पांच बजे तक और केशव वाटिका में सुबह 11 बजे से शाम साढ़े 4 बजे तक बिजली गुल रहने से लोग खासा परेशान रहे।

गोरखपुर से लोकमान्य टर्मिनल के लिए ट्रेन

कानपुर। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे ने मंगलवार 9 दिसंबर को गोरखपुर से लोकमान्य टर्मिनल के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह गाड़ी बुधवार को कानपुर सेंट्रल होते हुए आगे जाएगी। उत्तर मध्य जोन के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि इस गाड़ी में जनरल 4, स्लीपर 6, थर्ड एसी 8, सेकंड एसी 2, पार्सल यान 2 कोच होंगे। गाड़ी संख्या 05581 गोरखपुर से रात 11.25 बजे रवाना होगी। गोमती नगर 4.25 बजे, ऐशबाग प्रातः 5.40 बजे, कानपुर सेंट्रल स्टेशन प्रातः 7.45 बजे, उरई प्रातः 10.18 बजे, झांसी दोपहर 1.15 बजे, खंडवा रात 11.42 बजे, लोकमान्य टर्मिनल गुरुवार को प्रातः 9 बजे पहुंचेगी।

9 के बजाय 15 महीने में भुगतान ले सकेंगे निर्यातक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। निर्यातक अब अपने उत्पाद की कीमत 9 के बजाय 15 महीने में हासिल कर सकेगा। इस नए नियम से आयातक को उत्पाद बेचकर रुपया लौटाने की मोहलत मिल सकेगी। निर्यात बाजार के विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इससे वैश्विक बाजार में निर्यातकों के संबंध और अधिक प्रबल हो सकेंगे। इस नियम से पहले 9 महीने की समय सीमा के चलते अक्सर निर्यातक व खरीदार के बीच संबंधों में मधुरता कम हो जाती थी।

अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बाद निर्यातक नए बाजार को तलाशने का प्रयास कर रहे हैं। नए बाजार की तलाश के दौरान फिलहाल कई नियम वैश्विक नियमों में बाधा बन रहे थे। इन नियमों में एक नियम निर्यातक व विदेश में बैठे आयातकों के बीच भुगतान किए जाने की समय सीमा भी थी। फिलहाल निर्यातक के उत्पाद की कीमत 9 महीने के भीतर दिए जाने का नियम अक्सर नए वैश्विक व्यापारिक संबंध में बाधा बन रही थी।

आयातक यह शर्त लगाते थे कि उत्पाद पूरा बाजार में उतरने के बाद ही भुगतान संभव हो सकेगा। भुगतान में 9 महीने से अधिक की देरी होने के चलते निर्यातक को संबंधित बैंक की ओर से नोटिस जारी होती थी। ऐसे में निर्यातक भी संशय में हो जाता था। इस नियम के चलते कई बार निर्यातक और विदेश में बैठे आयातक के बीच 'डील' कैंसिल हो जाती थी। अब इस नियम में छूट दिए जाने के चलते दोनो पार्टियों के बीच आपसी सहमति से कारोबार के ऑर्डर में बढ़ोतरी मानी जा रही है।

पूरे मामले पर सहायक निदेशक फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाईजेशन) आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि आरबीआई की ओर से मिली भुगतान के नियम से संबंधित छूट से निर्यातकों को सीधे लाभ हासिल हो सकेगा। इससे वैश्विक बाजार में दस्तक देने वाले नए निर्यातकों को सबसे अधिक सहूलियत होगी। ऐसे ऑर्डर जो पहले इस नियम के तहत संशय में रहते थे वह भी अब आसानी से मिलना शुरू हो जाएंगे।

छूट से 10 फीसदी बढ़ेगा निर्यात

बैंकों की ओर से नियम में दी गई छुट के बाद माना जा रहा है कि इससे शहर के निर्यात कारोबार में दस फीसदी तक उछाल देखने को मिल सकेगा। यह उछाल अगली दो तिमाही के बाद अपना असर दिखाने लगेगा। निर्यात विशेषज्ञो का मानना है कि अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बाद प्रभावित छोटी निर्यातकों को यह नियम में बदलाव संजीवनी माना जा रहा है।

- वैश्विक बाजार में खरीदार और निर्यातक के मजबूत होंगे संबंध
- अमेरिकी टैरिफ लगने के बाद नया बाजार तलाश रहे निर्यातक

छोटे निर्यातकों को मिलेगा मौका

नए नियम से छोटे निर्यातको को विशेषज्ञ सबसे अधिक लाभ मानकर चल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बडेद निर्यातकों के उत्पाद विदेशों में 'गुडविल' के आधार पर बिक जाते हैं, लेकिन नए निर्यातकों को अपने उत्पदों की 'गुडविल' बनाने में समय लगता है। ऐसे में वे विदेशी खरीदार को पूरा उत्पाद बाजार में बिकने के बाद भुगतान करने का अधिक मौका दे सकते हैं। इससे उन्हें विदेशी बाजार में जल्द 'गुडविल' बनाने का मौका मिल सकेगा।

एक वर्ष में बिजली की 5.18 लाख शिकायतें

कानपुर। केंद्रीयकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से बीते 12 माह में 5,18,196 शिकायतें केस्को में दर्ज की गई। प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल के मुताबिक 5,14,352 शिकायतें हल हुईं।

तकनीकी वर्टिकल से 3.86 लाख शिकायतों का समाधान हुआ। आपूर्ति की गुणवत्ता का सबसे महत्वपूर्ण पैरामीटर वर्ष 2024-25 में 75.41 रहा, जो वर्ष 2023-24 में 120.21 था। नई संरचना में विद्युत आपूर्ति में लगभग 37 प्रतिशत सुधार हुआ है। वाणिज्यिक वर्टिकल द्वारा भी 1.32 लाख नए कनेक्शन, बिल सुधार, मीटर परिवर्तन व स्थापना आदि से संबंधित शिकायतों का निस्तारण बिना उपभोक्ता को कार्यालय बुलाए किया गया है।

केडीए की ओर से आवासीय व व्यावसायिक भूमि को औद्योगिक भूमि में परिवर्तित करने की मंजूरी मिली

इस्पात नगर में आवासीय प्लाटों पर अब लगा सकेंगे उद्योग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इस्पात नगर में आवासीय व व्यवसायिक प्लॉट अब औद्योगिक हो सकेंगे। इसके लिए आवेदक को व्यक्तिगत आवेदन करना होगा। इस निर्णय के बाद इस्पात नगर व उद्योग नगर योजना के पटरी पर आने की संभावना जताई जा रही है। उद्यमियों का कहना है कि लंबी लड़ाई के बाद यह निर्णय हुआ है। अब योजना के तहत इस्पात नगर उद्योग नगर में उद्योग लगाया जाना पहले के मुकाबले सरल हो सकेगा।

फीटा के महामंत्री उमंग अग्रवाल ने बताया कि कानपुर विकास प्राधिकरण की ओर से इस्पात नगर की व्यावसायिक भूमि को औद्योगिक भूमि में परिवर्तित करने की मंजूरी प्रदान की गई है। यह भी बताया गया कि पूर्व में इस मामले को लेकर एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कानपुर महायोजना में अंकित भू-उपयोग के आधार पर इस्पात नगर योजना का नियोजन प्राधिकरण द्वारा किया गया था। इस आधार पर भी व्यावसाईयों को व्यवसायिक भूखण्ड का आवंटन व विक्रय किया गया था। तय हुआ कि भू-उपयोग परिवर्तन के बारे में व्यावसायिक भूखंडों पर वर्तमान में प्रभावी जोनिंग रेगुलेशन्स-2025 के प्रस्तर-3.1 के तहत अन्य गतिविधियों के साथ उद्योग (एमएसएमई), प्रदूषणकारी उद्यमों को छोड़कर सेवा कुटीर उद्योग, बॉयो डीजल प्लांट, आटा चक्की, दुग्ध संग्रहण केन्द्र आदि अनुमन्य है, जिसके भवन मानचित्र स्वीकृत किये जा सकते हैं। भवन निर्माण एवं विकास उपविधि एवं जोनिंग रेगुलेशन्स-2025 में दिये गये प्राविधानों में व्यावसायिक भूखंड पर अनुमन्य गतिविधियों के मानचित्र भूखण्ड स्वामियों की ओर से व्यक्तिगत रूप से आवेदित किये जाने पर मानचित्र स्वीकृति पर विचार किया जा सकता है। फीटा के महामंत्री उमंग अग्रवाल ने कहा कि नगर में औद्योगिकीकरण के लिए भूमि केवल इस्पात नगर व व्यापार नगर औद्योगिक क्षेत्र में ही उपलब्ध है, जहां उद्यमी भूमि लेकर अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

इस्पात नगर की सड़कें बदहाल हैं। अमृत विचार

मंजूरी का मिलेगा लाभ

भू उपयोग औद्योगिक न होने की वजह से लगभग 24 सौ प्लाटों में 4 सौ प्लाट में उद्योग स्थापित हो चुके हैं, जिन्हें अग्नि शमन से प्रदूषण आदि की एनओसी नहीं मिल रही है। इसके साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं में सब्सिडी भी नहीं मिल रही है। अब वह उपयोग परिवर्तन करने के बाद सभी विभागों की अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं पात्र योजनाओं में सब्सिडी उद्योगों को सुलभ हो सकेगी और तेजी से क्षेत्र में औद्योगिकीकरण हो सकेगा।

जल्द ही लगेंगी 10 हाईमॉस्क लाइट, 1500 लाइट की जरूरत

इस्पात नगर उद्योग नगर में उद्यमियों की ओर से क्षेत्र में अंधेरा होने की समस्या का भी समाधान हुआ है। क्षेत्र में 150 स्ट्रीट लाइट लगाई गई हैं, जिससे क्षेत्र में कई स्थानों पर अंधेरा दूर हुआ है। बैठकों में उद्यमियों की ओर से यह समस्या बताई गई थी कि अंधेरा होने की वजह से क्षेत्र में यहां पर असुरक्षा की भावना रहती है। यह भी बताया गया कि जल्द ही क्षेत्र में 10 हाईमास्क लाइट और लगनी है। इसके अलावा 15 सौ लाइट की आवश्यकता बताई गई थी।

"इस मामले को लेकर हम लोगों ने लंबी लड़ाई लड़ी है। अब इस निर्णय के बाद यह संभावना बढ़ी है कि इस्पात नगर उद्योग नगर में भी तेजी से उद्यमी आ सकेंगे। इसके अलावा इस समस्या के अलावा अन्य समस्याओं का भी समधान हो रहा है। उम्मींद है कि वर्षों से समस्याओं के बोझतले दबी यह योजना अब फल-फूल सकेगी।

-उमंग अग्रवाल, महासचिव फीटा

"इस्पात नगर की पहचान ही समस्याएं बन चुकी थी। यहां पर गड्ढे, कीचड़ व अंधेरा आम समस्या हो गया था। यही वजह है कि उद्यमी इस योजना में स्थापित होने से हिचकते थे। इस निर्णय के बाद अब उम्मींद जाग रही है कि इस योजना के दिन भी बदलेंगे। कई नए उद्यमी यहां पर आकर अपना कारोबार आगे बढ़ा सकेंगे।

-रजत गुप्ता, उद्यमी

उर्सला में ऑडियोलॉजी रूम, स्पीच थेरेपी होगी

तैयारी

- हाई-एंड कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की जरूरतों के अनुरूप होगा अपग्रेड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उर्सला अस्पताल में आने वाले नाक, कान व गला से संबंधित मरीजों को ऑपरेशन में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न आ सके, इसके लिए हाई-टेक ऑपरेशन थिएटर का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा यहां पर एक ऑडियोलॉजी रूम भी तैयार किया जा रहा है, ताकि यहां पर संबंधित मरीज की सुनने की क्षमता का पता लगाया जा सके। इसको हाई-एंड कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की जरूरतों के अनुरूप अपग्रेड किया जा रहा है।

उर्सला अस्पताल के नाक, कान व गला विभाग में डॉ. प्रवीन सक्सेना ने बताया कि ऑपरेशन थिएटर को हाई-एंड कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की आवश्यकताओं के अनुरूप अपग्रेड किया जा रहा है। अस्पताल में एक समर्पित ऑडियोलॉजी रूम भी बनाया जा रहा है, जहां सुनने की क्षमता की जांच, मूल्यांकन और स्पीच थेरेपी की सभी सेवाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी। भविष्य में उर्सला को कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के रीजनल कॉक्लियर इम्प्लांट सेंटर के रूप में विकसित करने की भी योजना है। बताया कि उर्सला अस्पताल में कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की अनुमति मिल गई है। सर्जरी के बाद बच्चों को स्पीच थेरेपी की जरूरत होती है और थेरेपी के बाद बच्चे सामान्य जीवन में लौटते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉक्लियर इम्प्लांट एक से पांच वर्ष की उम्र में सबसे कारगर होता है। इस उम्र में मस्तिष्क की श्रवण क्षमता तेजी से विकसित होती है, जिससे सर्जरी के बाद बच्चे बेहतर प्रतिक्रिया देते हैं। नियमित थेरेपी के बाद बच्चे सामान्य बच्चों की तरह भाषा सीख सकते हैं और स्कूल शिक्षा में भी आसानी से शामिल हो पाते हैं। बातों को समझने में उन्हें दिक्कत नहीं होती है और भाषा को स्पष्ट रूप से बोलते है। बताया कि यह सुविधा उर्सला अस्पताल में शुरू होने से न केवल कानपुर, बल्कि कानपुर देहात, औरैया, कन्नौज, उन्नाव, हमीरपुर, फतेहपुर, बांदा समेत आदि जिलों के बच्चों को इसका लाभ मिलेगा।

इसी जरीब चौकी क्रॉसिंग पर फ्लाईओवर का निर्माण होना है। अमृत विचार

फ्लाईओवर के लिए होगी मिट्टी की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जरीबचौकी क्रॉसिंग पर जाम से राहत देने के लिए फ्लाईओवर बनना है। निर्माण से पहले सेतु निगम और निर्माण कंपनी के इंजीनियरों ने मिट्टी जांचने का फैसला लिया है। इसके लिए सेतु निगम ने रूट डायवर्जन की मांग की थी, लेकिन यातायात विभाग ने डायवर्जन करने से इंकार कर दिया है। बैरीकेडिंग लगाए जाने पर आपसी सहमति जताई है।

जरीब चौकी क्रांसिंग पर फ्लाईओवर के निर्माण के लिए शासन ने 320 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है और निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में 112.21 करोड़ रुपये सेतु निगम को जारी किए गए है। यह पुल लगभग 1787 मीटर लंबा होगा। इसके निर्माण के लिए कंपनी भी फाइनल हो गई है। निर्माण के संबंध में सेतु निगम के अधिकारियों और कंपनी के इंजीनियरों के बीच वार्ता हो चुकी है और तय हुआ है कि सबसे पहले संबंधित क्षेत्र में मिट्टी का परीक्षण किया जाएगा, जिसके लिए सेतु निगम के इंजीनियरों ने सर्वे कर जगह चिन्हित कर ली है। सेतु निगम ने मिट्टी परीक्षण के लिए यातायात विभाग को पत्र लिखा था, जिसमें इस क्षेत्र में 75 दिन तक डायवर्जन की मांग की गई थी, लेकिन यातायात विभाग ने जरीब चौकी चौराहे के आसपास ट्रैफिक लोड को देखते हुए डायवर्जन से इंकार कर दिया। अब सहमति बनी है कि जिन जगहों पर मिट्टी का परीक्षण होगा, वहां बैरिकेडिंग लगाई जाएगी। सेतु निगम के एक अधिकारी ने बताया कि जरीब चौकी क्रॉसिंग से गुमटी की ओर 10 जगह और अफीम कोठी की ओर 8 जगहों पर बोरिंग कराई जाएगी। मिट्टी के नमूने लेकर उसकी गुणवत्ता को परखा जाएगा।

जांच ही नींव का आधार

- सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक विजय कुमार सेन का कहना है कि नींव की मजबूती के लिए मिट्टी की जांच जरूरी है। इससे पता चलेगा कि मिट्टी फ्लाईओवर के भारी वजन को सहने में सक्षम है या नहीं। मिट्टी के घनत्व, नमी और भार वहन क्षमता जैसे तकनीकी गुणों का पता लगाया जाएगा। सुरक्षित और टिकाऊ फ्लाईओवर के निर्माण के लिए चौराहे के आसपास बोरिंग कर मिट्टी के नमूने निकाले जाएंगे। फिर लैब में नमूनों के गुणों का परीक्षण किया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद काम शुरू होगा।

रोडवेज बसों में पेंशनधारियों के लिए आरक्षित करें सीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पेंशनधारियों की मांगों को उच्चाधिकारियों को पहुचाया जाएगा लेकिन मांगों को नजरअंदाज किया गया तो पेंशनभोगी आंदोलन करेंगे। पेंशनधारियों के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 15 प्रतिशत सीटें रिजर्व की जाए।

सोमवार को पेंशन फोरम कार्यकारिणी की बैठख राजेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में हुई जिसमें आगामी 15 दिसंबर 2025 को होने वाले 17 वें स्थापना दिवस की तैयारियों पर चर्चा हुई। तय हुआ कि पेंशनभोगी अपने 10 सूत्रीय मांगों को केंद्र एवं राज्य सरकार तक पहुंचाएंगे लेकिन मांगों पर विचार नहीं हुआ तो आंदोलन होगा। महामंत्री आनंद अवस्थी ने कहा कि फोरम की 9 सूत्रीय मांगें लंबित हैं जिन्हें एक बार फिर उच्चाधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। मांगों के पूरा होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सरकार के सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए पोर्टल बनाया है लेकिन वह पोर्टल पूरी तरह काम नहीं कर रहा है।बैठक में एचएन तिवारी, सत्य नारायण, पीएस बाजपेई, उमेश कुमार शुक्ल, उमा शंकर दीक्षित, एस एम तिवारी, सुभाष भाटिया, एस डी दुबे, बीपी श्रीवास्तव, बीएल गुलाबिया, एके निगम, भानु प्रसाद निगम, अजीत मिश्रा, शिव शंकर शर्मा, रविंद्र कुमार माधुर, अशोक कुमार, चंद्रशेखर, रमेश चंद्र, विनय प्रकाश उपाध्याय, आरपी वर्मा आदि थे।

आप काम करिए, पार्टी भरेगी झोली: स्वतंत्रदेव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सोमवार को शहर पहुंचे। उन्होंने राजस्थान भवन में जनरलगंज मंडल के पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि आप सब बिना लालच के काम करिए, पार्टी आपको कुछ देगी यह न सोचिए। ऐसा भी समय आएगा कि आपने जितनी कल्पना भी नहीं की होगी, उससे कई गुना पार्टी आपको एक साथ दे देगी।

यहां बैठक में रोहित साहू, नवाब सिंह, योगेश पांडे, विकास जायसवाल, सुभाष गौड़, आशीष तिवारी, संतोष राठौर, जय प्रकाश कुशवाहा आदि रहे। इससे पहले नवीन मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित व जिला पदाधिकारियों के साथ एसआईआर पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम देश के हर पात्र मतदाता का सम्मान करते हैं, चाहे वो हमको वोट देता हो या नहीं। अखिलेश यादव सहित सभी विपक्षी दल गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ इसलिए दुष्प्रचार कर रहे हैं, क्योंकि फर्जी दस्तावेजों से फर्जी वोटर बने लोगों का नाम कट रहा और घुसपैठियों की पहचान हो रही।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद भाजपा का मूल मंत्र है। भारत माता की जय, वंदे मातरम हमारी संस्कृति है। बाबा साहब अंबेडकर जैसे महापुरुषों का कांग्रेस के लोग अपमान करते हैं। बैठक में रामकिशोर साहू, एमएलसी अविनाश सिंह चौहान, जन्मेजय सिंह, अवधेश सोनकर, अनुराग शर्मा, संतोष शुक्ला, रंजीता पाठक, रोहित साहू, सीमा एमबीए आदि रहे।

राजस्थान भवन में जनरलगंज मंडल के पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। अमृत विचार

दक्षिण के शक्ति केंद्रों में एसआईआर की समीक्षा

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कानपुर दक्षिण के बर्रा, किदवई नगर और बाबू पुरवा मंडल के शक्तिकेंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने दक्षिण के राष्ट्रपाल विद्यालय, यूपी किराना सेवा समिति और पूर्णचंद्र विद्या निकेतन शक्ति केंद्र में अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं। बूथ अध्यक्षों से कुल मतदाताओं की संख्या, कुल कितने प्रपत्र बंटे, कुल कितने जमा हुए और छूटे मतदाताओ की गणना प्रपत्र की संख्या के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शक्तिकेंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्षों, बीएलओ, बीएलए टू को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। बूथ अध्यक्षों, बीएलए टू को सम्मानित कर सभी का हौसला बढ़ाया। यहां राम किशोर साहू, विधायक महेश त्रिवेदी, एमएलसी अविनाश चौहान, रघुनंदन भदौरिया, अनूप अवस्थी, गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी आदि रहे।

विशेषज्ञों की सला

एक सप्ताह तक जकड़न की समस्या बन सकती मुसीबत, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट में बढ़ी बीमारों की संख्या

जुकाम के बाद सीने में जकड़न बढ़े तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में सर्दी के दस्तक देते ही लोग खांसी, जुकाम व बुखार की चपेट में आ रहे है। वहीं, कई लोगों को सीने में जकड़न व दर्द के साथ गले में दर्द व खरास की भी समस्या हो रही है। जब डॉक्टरों ने ओपीडी में आए कुछ मरीजों की जांच कराई तो कई मरीजों में ब्रोंकाइटिस और कुछ में मांसपेशियों में खिंचाव की जानकारी हुई। साथ ही वायरल इंफेक्शन से भी लोगों के बीमार होने की जानकारी हो रही है। खास बात ये है कि लोगों को एक सप्ताह या इससे अधिक दिनों तक समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में मेडिसिन विभाग की ओपीडी में सोमवार को पांच सौ से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे, जिनमे से अधिकांश मरीज खांसी, जुकाम, बुखार, सीने में दर्द, जकड़न व गले की समस्या के रहे। जबकि 13 मरीज ऐसे रहे, जिन्होंने सुबह व रात के समय सांस लेने में तकलीफ होने की जानकारी दी। ओपीडी में डॉ.जेएस कुशवाहा और डॉ.आरके वर्मा ने मरीजों को परामर्श दिया।

डॉ.जेएस कुशवाहा ने बताया कि सर्दी-जुकाम के बाद सीने में जकड़न या दर्द की समस्या के कई मरीज आए है। कुछ में खांसी से छाती की मांसपेशियों पर दबाव की जानकारी हुई है।

मरीजों को बताया कि अगर यह जकड़न, गहरी खांसी, सांस लेने में दिक्कत, बुखार तीन हफ्ते से ज्यादा हो तो निमोनिया व ब्रोंकाइटिस (सीने की सर्दी) जैसे संक्रमण का संकेत हो सकता है, ऐसे में लापरवाही घातक साबित भी हो सकती है। वहीं, अगर बलगम गाढ़ा, हरा हो या घरघराहट होतो बिल्कुल भी लापरवाही नहीं करना चाहिए। डॉ.आरके वर्मा ने बताया कि वायरल इंफेक्शन के कारण भी लोग बीमारी की गिरफ्त में आ रहे हैं। वहीं, सिर में दर्द के मरीज इन दिनों ओपीडी में बढ़े है। हैलट की इमरजेंसी में सोमवार को आठ मरीज भर्ती किए गए है।

सर्दी में ब्लड प्रेशर भी अनियंत्रित हो रहा

- डॉ.आरके वर्मा ने बताया कि सर्दी के मौसम में ओपीडी में आने वाले कुछ मरीजों में बीपी अनियंत्रित देखा जा रहा है, जिसकी वजह डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी), कम शारीरिक गतिविधि और ठंडी हवा का असर हो सकता है। ऐसे में शरीर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे बचने के लिए पर्याप्त पानी पिएं, गर्म कपड़े पहनें, घर के अंदर ही व्यायाम करें, नमक और तली-भुनी चीजों से परहेज करें। बीपी की नियमित जांच करें, क्योंकि अक्सर सर्दियों में बीपी बढ़ता है, लेकिन कुछ लोगों में बीपी कम भी हो सकता है। ऐसे में कुछ मरीजों को भर्ती भी करना पड़ जाता है।

ऐसे करें बचाव

- कोल्ड-ड्रिंक, ठंडे पानी व आदि पेय पदार्थों के सेवन से बचें।
- रात के समय एसी, कूलर और जरूरत न हो तो पंखा बंद कर सोएं।
- स्वच्छ कपड़े पहने, रूम व बिस्तर को साफ रखें।
- अधिक तेल व मसाले युक्त भोजन के सेवन से परहेज करें।
- गर्म व ऊनी कपड़े पहने और गर्म पानी से नहाएं।
- मौसमी फलों का सेवन करे और हरी सब्जियां खाएं।
- वायरल इंफेक्शन होने पर अपने आप से दवाएं न करें।
- गर्म पानी पीएं, व्यायाम करे और स्वस्थ आहार लें।

सिटी ब्रीफ

एसआईआर के पत्रक घरों में जाकर बांटे

कानपुर। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने लाजपत नगर के मंडल अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एसआईआर के पत्रक घरों में जाकर बांटे। मैथानी ने बीएलओ और बीएलए टू बूथ अध्यक्ष का मार्गदर्शन किया। 1160 में से 840 सही मिले। 19 की मौत, 51 स्थानांतरित, 52 डुप्लीकेट और 193 नहीं मिले। यहां प्रेम सिंह, अरुण दुबे, दीपक राजपूत, संतोष सिंह, प्रदीप भाटिया और राधा पांडे रहीं।

आज शाम से मिलने लगेगा पेयजल

कानपुर। फूलबाग और पूर्वी कानपुर क्षेत्र की करीब 8 लाख आबादी को आज शाम से पेयजल मिलने लगेगा। चुन्नीगंज बस अड्डे के पास पाइप लाइन की मरम्मत के चलते 3 दिन से जलापूर्ति ठप है। सोमवार शाम लीकेज को ठीक कर लिया गया है। पाइप लाइन जोड़ने के लिए पाइप का पानी निकालने में 48 घंटे लग गए। सोमवार दोपहर बाद लिकेज केमिकल लगाकर बंद किया गया। जेई योगेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार को पाइप लाइन का संचालन किया जाएगा। शाम 8 बजे से जलापूर्ति शुरू होगी।

ताइक्वांडों में आगरा की टीम विजेता बनी

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम में हुई ओपन स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर आगरा की टीम विजेता बनी। कानपुर की टीम को उपविजेता और स्पोर्टस अथॉरिटी ऑफ इंडिया की टीम को द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया। पदक विजेता खिलाड़ी अब पांच जनवरी से जयपुर में होने वाले फेडरेशन कप का हिस्सा बनेंगे। इसके लिए शहर के आठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो संघ के चेयरमैन रजत आदित्य दीक्षित ने बताया कि ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले गए सीनियर वर्ग के मुकाबलों में राजन कुमार, अक्षय, दीपांशु, रमन, यशराज, आदित्य नयन, अजय कुमार, मधु यादव, मान्यता सिंह, हर्ष तोमर, आकांक्षा सिंह, पलक सरोज, खुशी कुमारी, कौशिकी, आकृति, भूमिका, विशाखा ने पदक प्राप्त कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई है।

खुल गया जन कल्याण फाउंडेशन कार्यालय

कानपुर। गरीब जन कल्याण फाउंडेशन के नए कार्यालय का शुभारंभ नौबस्ता में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनोज भदौरिया द्वारा फीता काटकर किया गया। फाउंडेशन अध्यक्ष राजनाथ पांडेय ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस मौके पर पंकज तोमर, विकास त्रिपाठी, पंकज राजावत, अरविंद सिंह, प्रियांशु ठाकुर, वरुण शुक्ला, सौरभ सिंह, शशिकांत सचान, सरिता सिंह चंदेल आदि थे।

गड़बड़ी पर खाद की आपूर्ति रोकी गई

कानपुर। जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरक बिक्री केंद्रों पर गड़बड़ी मिलने पर नोटिस भेजी है। कई बिक्री केंद्रों पर उर्वरक की आपूर्ति रोक दी गई है। बीते दिनों जिला कृषि अधिकारी ने बिल्हौर, बिधनू समेत विभिन्न सथानों पर पाया था कि कई बिक्री केन्द्रों में वितरण रजिस्टर में अद्यतन अंकन नहीं किया जा रहा है, जिससे प्रतीत हो रहा है कि नियमों के विपरीत उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। बिक्री केन्द्र पर पायी गयी अनियमितता के सम्बन्ध में कारण बताओ नोटिस निर्गत करते हुए केद्रों को निर्देशित किया है कि 15 दिसंबर 2025 तक अपना स्पष्टीकरण दें।

नवाचार में छात्राओं की भागीदारी विकास का मजबूत स्तंभ बनेगी

पीएसआईटी में एसआईएच-2025 की शुरुआत, विशेषज्ञों ने रखी राय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पीएसआईटी में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 की सोमवार को ग्रैंड फिनाले की शुरुआत हुई। दो दिवसीय आयोजन में विशेषज्ञों ने भी अपनी राय रखी। इस दौरान युवाओं से विकसित भारत के लिए नवाचार पर अधिक बल दिए जाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विशिष्ट अतिथि सदस्य विधान परिषद अविनाश सिंह चौहान व पीएसआईटी के समूह निदेशक प्रो. डॉ. मनमोहन शुक्ला ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. टीजी सीताराम देश के सभी 60 नोडल सेंटर्स से वर्चुअली जुड़े और स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन को संबोधित किया। अपने संदेश में उन्होंने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों श्रेणियों में बढ़ती नवाचार क्षमता की सराहना की।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को मोमेंटो देते निदेशक प्रो. डॉ. मनमोहन शुक्ला।

इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं की बढ़ती भागीदारी को भारत के विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। बताया गया कि इस वर्ष पीएसआईटी में 21 चयनित टीमें विभिन्न राज्यों, पंजाब, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड से पहुंचीं है। प्रतिभागी टीमें एआईसीटीई व खेल मंत्रालय से संबंधित वास्तविक समस्या कथनों पर 36 घंटे तक लगातार कार्य कर तकनीकी समाधान विकसित कर रही हैं। इनमें स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस ट्रैकिंग, डिजिटल ट्रेनिंग मॉडल, शिक्षा-आधारित समाधान, नवाचार–आधारित एप्लिकेशन तथा प्रशासनिक सुधारों के लिए तकनीकी समाधान प्रमुख रूप से शामिल हैं।

युवा शक्ति ही दे सकती है रफ्तार

- मंत्री स्वतंत्र सिंह ने कहा कि स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का उद्देश्य सिर्फ समाधान बनाना नहीं, बल्कि 'विकसित भारत' के संकल्प को युवा शक्ति के माध्यम से गति देना है। पीएसआईटी में जिस उत्साह से छात्र अनेक मंत्रालयों की समस्याओं के उत्कृष्ट समाधान खोजने में लगे हैं, वह भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर है। पीएसआईटी के समूह निदेशक प्रो. डॉ. मनमोहन शुक्ला ने कहा कि संस्थान को नोडल सेंटर के रूप में चयनित करना भारत सरकार द्वारा हमारी नवाचार उत्कृष्टता की स्वीकृति है। यह हमारे और कानपुर, दोनों के लिए गर्व की बात है। यह अवसर हमारे छात्रों को शोध, नवाचार और राष्ट्रीय निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए और प्रेरित करेगा। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण, तकनीकी सोच और युवा प्रतिभा के विकास का राष्ट्रीय मंच है।

अंतिम सप्ताह से लगेंगे रोजगार मेले

कानपुर। शहर में इस महीने के अंतिम सप्ताह से रोजगार मेले दोबारा शुरू होंगे। नए सिरे से मेले लगाए जाने के लिए विभाग की ओर से तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेले में शामिल होने के लिए निजी कंपनियों से तिथियां भी ली जा रही है।

सेवायोजन विभाग की ओर से युवाओं को रोजगार देने के लिए रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं। यह मेले महीने में चार से पाच बार आयोजित किए जाते हैं। नवंबर महीने से यह मेले नहीं लग पा रहे हैं। इसकी वजह विभाग की ओर से प्रदेश स्तरीय स्क्रीनिंग में अधिकारियों का व्यस्त होना बताया गया है। उधर नए सिरे से लगाए जाने वाले रोजगार मेलों के लिए विभाग में तैयारी तेज हो गई हैं। मेलों के लिए शहर के साथ ही दिल्ली एनसीआर की निजी कंपनियों से बातचीत की जा रही है। यह कंपनियां सर्विस, बैंकिंग व मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी हुई है। माना जा रहा है कि निजी कंपनियों की ओर से तिथियों पर हामी भरने के बाद ही विभाग की ओर से तिथियों का ऐलान किया जाएगा। सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि एक महीने के अंतराल के बाद विभाग की ओर से दोबारा रोजगार मेलों को लगाए जाने की तैयारी तेज कर दी गई है।

एचबीटीयू में ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जल्द

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर भी सेंटर स्थापना में करेगा सहयोग

अमृत विचार। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के संयुक्त सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' की स्थापना होगी। यह सेंटर एचबीटीयू में शुरू होगा। इस प्रस्ताव का चयन उत्तर प्रदेश नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण द्वारा किया गया है, जो राज्य सरकार की नोडल एजेंसी है। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 50 करोड़ बताई जा रही है।

यह परियोजना उत्तर प्रदेश की ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2024 के तहत चयनित की गई है। जिसका उद्देश्य राज्य को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाना है। इस प्रस्तावित सेंटर फॉर एक्सीलेंस के लिए आवश्यक भूमि एचबीटीयू कानपुर द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अलावा आईआईटी कानपुर इस परियोजना में उच्च स्तरीय तकनीकी सहयोग और उन्नत शोध मार्गदर्शन प्रदान करेगा। एचबीटीयू कानपुर की ओर से इस परियोजना का समन्वय केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. जीएल देवनानी द्वारा किया जाएगा।

उनके नेतृत्व में डॉ. आशीष कपूर, डॉ. प्रणव चौधरी, डॉ. अमित राठौर, एवं डॉ. संतोष कुमार की टीम कार्य करेगी। इस परियोजना के शोध, अकादमिक योजना एवं औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। इसमें केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के नेतृत्व में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, प्लास्टिक इंजीनियरिंग, फिजिक्स एवं केमिस्ट्री विभागों की संयुक्त भागीदारी रहेगी। यह बहुविषयक मॉडल ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, परिवहन एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों के सभी पहलुओं पर समेकित शोध को सक्षम बनाएगा।

यह कार्य हो सकेंगे

- संस्थान की ओर से बताया गया कि इस परियोजना के अंतर्गत ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, उन्नत इलेक्ट्रोलाइज़र डिज़ाइन, फ्यूल–सेल तकनीक, उच्च–दाव भंडारण, पाइपलाइन ट्रांसपोर्ट, सेफ्टी सिस्टम, हाइड्रोजन सेंसर तथा स्मार्ट कंट्रोल एवं ऑटोमेशन सिस्टम पर शोध किया जाएगा। इसके साथ ही फ्यूल–सेल आधारित इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन आधारित औद्योगिक बर्नर, ग्रीन अमोनिया और पायलट स्टार्ट–अप प्रोजेक्ट्स पर भी कार्य होगा। इसके अलावा सेंटर में मेम्ब्रेन टेक्नोलॉजी, उन्नत मॉडलिंग–सिमुलेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन और फॉल्ट डिटेक्शन पर विशेष फोकस रहेगा।

सिग्नेचर सिटी बस स्टैंड में 10 को लगेगा महिला रोजगार मेला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण अभियान एवं महिला ससम्मान घोषणा को साकार करने के लिए उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम ने शुरुआत कर दी है। कानपुर स्थित सिग्नेचर सिटी बस स्टेशन विकासनगर में महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से 10 दिसंबर को विशेषकर महिला कंडक्टरों की भर्ती के लिए रोजगार मेला लगेगा।

- महिला कंडक्टरों की भर्ती के लिए 10 दिसंबर को इंटरव्यू
- संविदा कंडक्टरों के पद अनुबंध के आधार पर भरे जाएंगे

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार के मुताबिक विशेष सचिव परिवहन उत्तर प्रदेश शासन ने इस भर्ती को लेकर 26 नवंबर 2025 को दिशा निर्देश जारी किये गये थे। महिला अभ्यर्थियों को सीधे संविदा परिचालक पद पर अनुबन्ध पत्र के आधार पर आबद्ध किए जाने के लिए 10 दिसंबर को रोजगार मेला लगाया जाएगा।

रोजगार मेले के साथ-साथ परिहवन निगम की वेबसाईट www.upsrtc.com पर ऑनलाइन एप्लीकेशन का क्षेत्रवार पृथक-पृथक लिंक भी प्रोवाईड कराया जायेगा, जिस पर महिला अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किया जा सकेगा। अनुबन्ध पर आबद्ध की जाने वाली महिला अभ्यर्थियों को, वर्तमान में प्रचलित संविदा चालकों एवं परिचालकों के लिए अनुमन्य पारिश्रमिक दरों एवं प्रोत्साहन का भुगतान समान दर से किया जायेगा।

आवेदन के लिए जरूरी बात

- सिग्नेचर सिटी बस स्टेशन, विकास नगर में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आवेदन जमा करें।
- महिला अभ्यर्थी की शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिए उत्तीर्ण व सीसीसी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
- आयु 18 से 40 वर्ष, अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग छूट अनुमन्य होगी।
- आवेदक के इण्टरमीडिएट में प्राप्त प्राप्ताकों की मेरिट निर्धारण करते हुए. आबद्धीकरण होगी।
- महिला अभ्यर्थी को एनसीसी बी प्रमाण पत्र, भारत स्काउट एवं गाइड संस्था के राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाणपत्रधारक, इंटरमीडिएट के प्राप्तांकों पर 5 प्रतिशत का वेटेज देते हुए मेरिट का निर्धारण किया जाएगा।

965 ने दी क्लैट की परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में रविवार को क्लैट परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा के दौरान 965 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा पर विशेषज्ञों ने बताया कि परीक्षा का स्तर आसान था, लेकिन परीक्षा में कुछ कठिन सवाल भी थे। हालांकि, परीक्षा के दौरान अभ्यार्थियों को समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना पड़ा। बताया कि105 सही प्रयास करने वाले छात्रों को प्रमुख एनएलयू में दाखिला मिल सकता है, जबकि छोटी गलतियां अभ्यर्थियों के लिए महंगी साबित हो सकती हैं। टॉपरैकर्स (लीगलएज) के कानपुर इकाई के संस्था निदेशक नीरज कुमार ने बताया कि अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों को लेकर इस साल का पेपर अपेक्षाकृत सरल था। अधिकांश प्रश्न साहित्यिक शैली में थे, हालांकि कुछ अन्य शैली के भी थे। अधिकांश गद्यांश साहित्यिक प्रकृति के थे, जैसे इतिहास एवं उपन्यासों पर आधारित अंश। समाचार-आधारित विषयों की तुलना में साहित्यिक और विश्लेषणात्मक शैली अधिक हावी रही। गद्यांश मध्यम जटिलता के थे, परंतु भाषा सरल और पढ़ने योग्य थी। शब्द-संपदा पर आधारित प्रश्न इस बार अधिक दिखाई दिए और कई प्रश्नों में संदर्भानुसार अर्थ निकालने की आवश्यकता थी। कुल मिलाकर, यह खंड सरल से मध्यम स्तर का रहा और सावधानीपूर्वक पढ़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए अच्छा स्कोरिंग अवसर प्रदान करता था।

> परीक्षा में इस बार करेंट अफेयर्स खंड इस वर्ष सबसे आसान और सबसे अधिक अंक दिलाने वाला रहा। सवाल सीधे, तथ्य आधारित और पिछले वर्षों के मुकाबले कहीं अधिक स्पष्ट थे। क्वांटिटेटिव टेक्निक स इस वर्ष आसान लेकिन गणनात्मक रहा। अधिकांश प्रश्न रेशियो, परसेंटेज और बुनियादी अर्थमैटिक पर आधारित थे। डेटा साफ़ था और प्रश्न सीधे थे किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं थी। हल्की–फुल्की गणनाएं समय ले सकती थीं, लेकिन खंड को कुल मिलाकर आसान माना जा सकता है।
>
> –नीरज कुमार, निदेशक लीगलएज, टॉपरैकर्स, कानपुर

क्लब, बार और रेस्टोरेंट की जांच

कानपुर। उत्तरी गोवा के अरपोरा में एक नाईट क्लब में हुयी हृदय विदारक अग्नि दुर्घटना में हुयी जनहानि को दृष्टिगत रखते हुये मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा की अगुवाई में शहर के विभिन्न कल्ब, बार एवं रेस्टोरेंट के अलावा बैंक्विट हाल में छापेमारी कर अग्निशमन उपकरणों की जांच हुई।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि 6 दिसंबर 2025 को उत्तरी गोवा के अरपोरा में एक नाईट क्लब में हुयी हृदय विदारक अग्नि दुर्घटना में हुयी जनहानि को दृष्टिगत रखते हुये पूरे शहरभर में निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्लब व अन्य स्थानों पर प्रवेश एवं निकास मार्ग के अतिरिक्त अग्निसुरक्षा एवं ढांचागत कमियों को देखा जा रहा है।

विपरीत समय में परिश्रम करना जरूरी : स्वामी गुरुशरणानंद जी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यदि समय विपरीत चल रहा हो तो संयम से काम लेना चाहिए। इसके अलावा यह भी जरूरी है कि विपरीत समय में यदि परिश्रम को बढ़ा दिया जाए तो विपरीत समय को बेहतर समय किया जा सकता है।

यह विचार सोमवार को महामंडलेश्वर स्वामी गुरुशरणानंद जी महाराज ने व्यक्त किए। कौशलपुर स्थित सनातन धर्म मंदिर में प्रवचन के दौरान उन्होंने भाव का महत्व बताया। कहा कि किसी भी कार्य को करने के दौरान उस कार्य के भाव का सकारात्मक होना जरूरी है। यदि नकारात्मक भाव से सकारात्मक कार्य किया जाए तो उसका पूरा परिणाम हासिल नहीं होता है। भाव को सकारात्मक करने के लिए उन्होंने भक्ति को प्राथमिकता देने की सीख दी। उधर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को अपना समय नष्ट नहीं करना चाहिए। समय बहुमूल्य होता है। उसके नष्ट करने से जीवन में सफलता देरी से हासिल होती है।

स्वामी गुरुशरणानंद जी महाराज।

अध्ययन, कॉन्सेप्ट की मजबूत समझ ही सफलता का आधार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईआईटी कानपुर में 'साथी' समिट का हुआ आयोजन

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर में शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी कानपुर की संयुक्त पहल के तहत सोमवार को 'साथी' समिट आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कानपुर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने शिरकत की। इस दौरान लगभग दो सौ से अधिक प्रतिभागी मौजूद रहे। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों ने प्रश्न भी पूछे।

समिट में शामिल स्कूलों में साई एप्पलवुड पब्लिक स्कूल, श्री राम एजुकेशन सेंटर, पुरनचंद्र विद्या निकेतन और जवाहर लाल नेहरू स्कूल सहित अन्य शामिल रहे। समिट में विशेषज्ञों ने छात्रों को जेईई, नीट, सीयूईटी, एसएससी, बैंकिंग और आईसीएआर जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव और रणनीतियां साझा कीं। वक्ताओं में डॉ. अमेय करकरे, डॉ. आरके निगम, डॉ. अरविंद कुमार कोंडा, ब्रजेंद्र बाजपेई, प्रमोद कुमार, उत्कर्ष तिवारी और डॉ. सुधीर कुमार श्रीवास्तव शामिल रहे। विशेषज्ञों ने अनुशासित अध्ययन, कॉन्सेप्ट की मजबूत समझ और परीक्षा-उन्मुख रणनीतियों को सफलता का आधार बताया। कार्यक्रम का संचालन अनुराग पांडेय और उनकी टीम की ओर से किया गया। उन्होंने छात्रों के लिए इंटरएक्टिव सत्र सुनिश्चित किए। छात्रों ने विशेषज्ञों से सीधे प्रश्न पूछकर मार्गदर्शन लिया। पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को खासकर संसाधन-सीमित क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को, निशुल्क गुणवत्तापूर्ण वीडियो लेक्चर, संगठित परीक्षा-तैयारी और संदेह समाधान सुविधा प्रदान करना है।

कल्याण की कामना | शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का दूसरा दिन

महायज्ञ में विश्व कल्याण के लिए आहुतियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- काल सर्प दोष और मांगलिक दोष के निवारण के लिए श्रद्धालुओं ने हवनकुंड में दीं आहुतियां

अमृत विचार। यज्ञ के माध्यम से समस्त अभीष्ट की प्राप्ति की जा सकती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को यज्ञ करना चाहिए। माता जगदम्बा समस्त तरह के दुखों का निवारण करतीं हैं। बिना शक्ति के शिव अधूरे हैं। यज्ञ विश्व कल्याण के लिए किया जा रहा है। ये बातें विकास नगर स्थित शकुंतला शक्ति पीठ में आयोजित लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दूसरे दिन आचार्य डा. अमरेश मिश्रा के सरक्षण में विश्व कल्याण की कामना के साथ रुद्र महायज्ञ किया गया।

आचार्य डा. अमरेश मिश्र और डाक्टर सुनीता मिश्रा ने नगर के कोने- कोने से आए भक्तों के साथ आंवला, कमलगट्टा, काली मिर्च, शहद, मखाने और हल्दी आदि की 16 हजार आहुतियां प्रदान कीं। डॉ. अमरेश मिश्र ने कहा कि शक्ति स्वरूपा जगदम्बा हमें अष्ट सिद्धि और नव निधि प्रदान करतीं हैं। माता ने अष्ट सिद्धि और नव निधि हनुमान जी को दी। इसलिए वे अष्ट सिद्धि और नव निधि के दाता बने। भक्ति हनुमान जी जैसी होनी चाहिए। उन्होंने भगवती दुर्गा की महिमा का भी वर्णन किया।

यज्ञ में आहुति प्रदान करते आचार्य डॉ. अमरेश मिश्र व श्रद्धालु। अमृत विचार

संत प्रेमानंद जी के शिष्य कथावाचक सदानंद जी महाराज ने भागवत कथा में कहा कि भागवत ग्रंथ मनुष्य जीवन में शिक्षा, सुरक्षा और चिकित्सा विद्या, बुद्धि और ज्ञान प्रदान करता है। जीवन की व्याधियां नष्ट करने की शक्ति भागवत में होती है। यह कथा मन की मलीनता दूर करती है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी सलिल विश्नोई, समाज सेविका रोचना विश्नोई, शशांक-आरती द्रोण, सनातन सेवा सत्संग से आचार्य सुधीर भाई, कर्नल आशीष मिश्रा, डाक्टर रेनू मिश्रा, रंगनाथ दीक्षित, अनुप्रिया दीक्षित महेश्वर अग्रवाल, आदित्य शर्मा, विकास श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे। यज्ञाचार्य रवि शंकर के साथ सुशील, राजेश,घनश्याम, राधे श्याम, शौर्य इत्यादि आचार्यों ने काल सर्प दोष, मंगल दोष के निवारण के लिए आहुतियां प्रदान करवाईं। अकाल मृत्यु से बचाव के लिए भी आहुतियां दी गईं।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम RAMENDRA BABU था अब मैने बदलकर अपना नाम RAMENDRA BABU VARSHNEY रख लिया है भविष्य में मुझे RAMENDRA BABU VARSHNEY के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: RAMESH PAL GUPTA R/O : 2/8/1A, THIRD LANE BALAK RAM COLONY NIYAWAN FAIZABAD (AYODHYA)

सूचना

मेरे आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि में मेरा नाम हाफिज रहमत अली एवं मेरे बच्चों अतीकुर रहमान, मोहम्मद कमाल एवं ताहिरा खातून के शौक्षिक अभिलेखों एवं पासपोर्ट में रहमत अली अंकित है। हाफिज रहमत अली व रहमत अली दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही हैं। पुत्र करामत अली नि0– नदवा कालोनी, महिपत मऊ काकोरी, लखनऊ।

सूचना

मैने अपना नाम ASGAR ALI HAZRATDIN से बदलकर ASGAR ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O- HAZRAT DIN SHAKOOR AHEMAD ADD-H.No-592/008, BANGALI TOLA TELIBAGH, DIST - LUCKNOW-226025 (U.P).**

सूचना

सूचित करना है कि मेरा नाम राज पाण्डेय है जो हमारे सभी शैक्षिक अभिलेखों मे दर्ज है, त्रुटिवश आधार कार्ड में वैष्णो पाण्डेय दर्ज हो गया है। अभिलेखों में मुझे राज पाण्डेय पुत्र श्री प्रकाश पाण्डेय निवासी ग्राम पंडितपुर तहसील मनकापुर जनपद गोंडा के नाम से जाना जाता है, यही नाम सही है।

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम महेंद्र विजय पाल सिंह पुत्र विजय पाल दर्ज है जबकि मेरी SBI बीमा पॉलिसी में मेरा नाम महेंद्र कुमार पुत्र विजय पाल दर्ज है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। **महेंद्र कुमार पुत्र विजय पाल निवासी ग्राम स्वासा बुजुर्ग विकास खंड सुमेरपुर जिला हमीरपुर उ.प्र.।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि निबरा पुत्री बच्चूलाल निवासी वैनी पोस्ट ऐलो व सुषमा उर्फ निबरा पत्नी पेशकार निवासी मद्दधूपुरवा जिला बहराइच एक ही महिला का नाम है।

Notice

This is to inform the public that my real name is Shivam Tiwari, son of Vinod Tiwari, village Rampur, post Kalwara Buzurg, tehsil Rajapur, district Chitrakoot. However, my name has been mistakenly written as Dayashankar on my Aadhaar card, which is incorrect Therefore, please know me by my real name, Shivam Tiwari.Shivam Tiwari, son of Vinod TiwariVillage Rampur, Post Kalwara BujurgTehsil Rajapur, District ChitrakootUttar Pradesh, mobile number 7888805117

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र कमलेश कुमार पुत्र ज्ञानेंद्र कुमार अवस्थी के गलत चाल– चलन व कुकृत्यों से तंग आकर उससे संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किये गए किसी भी गलत कृत्य व लेन–देंन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा मेरा व मेरे परिवार से उसका कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **ज्ञानेंद्र कुमार अवस्थी पुत्र पुत्तूलाल अवस्थी निवासी– म. नं.–525 इमलियाबाग चौराहा कस्बा व थाना व तहसील संडीला जिला हरदोई।**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरे पुत्र का नाम KANISHK RAMAN SHARMA था से बदलकर KANISHK R SHARMA रख लिया है। अब मेरे पुत्र को KANISHK R SHARMA के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-RAMAN SHARMA ADD - C.I. 603 HAMPTON APT KANPUR ROAD PICADILY HOTEL LDA COLONY DIST- LUCKNOW - 226012 (U.P)**

सूचना

पहले मेरा नाम FATAMA SOGARA था, जिसे बदलकर अब मैंने अपना नाम FATMA SUGRA W/O SAYEED AHAMAD रख लिया है। अब मुझे मेरे नये FATMA SUGRA नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD- H. NO.- 166, Usmanpur Jalalpur Ambedkar Nagar, pin-224149

सूचना

मैं बलराज पुत्र मैकू लाल निवासी ग्राम धनौली मिश्रान तहसील रामसनेहीघाट थाना असंद्रा अपने पुत्र तिलक राज व पुत्रवधू रमा देवी को गलत संगत में पड़ने के कारण उनसे संबंध विच्छेद करता हूं,एवं अपनी सभी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य में दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAMMAD ABBAS था, जिसे बदलकर अब मैंने अपना नाम MOHAMMAD HAIDER S/O ATHAR HASAN रख लिया है। अब मुझे मेरे नये MOHAMMAD HAIDER नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD- H. NO.-213A Jafrabad Jalalpur Ambedkar Nagar-224149

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुमित कुमार के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते संबंध विच्छेद कर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **अरविंद सिंह सेंगर पुत्र हाकिम सिंह सेंगर व माधुरी पत्नी अरविंद सिंह सेंगर – निवासी –नवीन बस्ती वार्ड नंबर 9 बिधूना–थाना– बिधूना –तहसील– बिधूना– जिला –औरैया।**

सूचना

मैं दिलशाद पुत्र स्व0 रज्जाक नि0 ग्राम–मुजासा, मलिहाबाद, लखनऊ अपने पुत्र मो0 अदनान को उसके आचरण से दुखी होकर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उससे अपने सभी सम्बन्ध समाप्त करता हूँ। भविष्य में उसके किसी भी कार्य या लेन–देन की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की नहीं होगी।

न्यूज ब्रीफ

आज जिले के दौरे पर रहेंगे डिप्टी सीएम

उन्नाव, अमृत विचार। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 9 दिसंबर को जिले के भ्रमण पर रहेंगे। वे 1:30 बजे भाजपा कार्यालय में जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद 2:40 बजे टीकरगढ़ी में विधानसभा उन्नाव के मंडल मसवासी के शक्तिकेंद्र पर बैठक करेंगे। 3:50 बजे निरीक्षण भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद सिविल लाइन स्थित भाजपा जिलाध्यक्ष के आवास जाएंगे।

रंजिश में युवक को पीटा, मामला दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ापुर गांव निवासी छोटू पुत्र राधे किशन ने बताया कि कटहा दलनारायण निवासी अंकित व उसके दो साथियों ने रविवार शाम महेश खेड़ा के पास उसे घेरकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पुरानी रंजिश को लेकर हुए हमले में उसका सिर फट गया और शरीर पर भी चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अंकित समेत तीन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सुषमा हॉस्पिटल के बाहर आज लगेगा कैंप

शुक्लागंज, अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित सुषमा हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम के बाहर मंगलवार को फ्री ईएनटी मेडिकल कैंप आयोजित किया जा रहा है। कैंप का समय दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक रहेगा। कैंप में डॉ. ए कुमार नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ द्वारा मरीजों को नि:शुल्क जांच व परामर्श दिया जाएगा। कैंप में कान बहना, चक्कर आना, कान में खुजली/आवाज, नाक बहना, एलर्जी, साइनस, गले में सूजन, थायराइड की गांठ, मुंह के छाले, आवाज बैठना आदि समस्याओं की जांच की जाएगी। यह जानकारी डॉ. सुषमा आर्या और ओपी आर्या ने दी।

सरैयां आरओबी निर्माण में आई तेजी

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। सरैयां रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य राज्य सेतु निगम द्वारा तेजी से किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी ने पिलर संख्या 25 से 27 के बीच शुक्लागंज की ओर स्लैब डालने का कार्य पूरा कर लिया है। अब उन्नाव की ओर स्लैब डालने का कार्य शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही आरओबी से जुड़ी सर्विस लेन के निर्माण का काम भी शुरू हो चुका है। जिससे आवागमन व्यवस्था और सुगम होने की उम्मीद है। निर्माण स्थल पर मौजूद कार्यदायी संस्था के कर्मियों के अनुसार कार्य तेजी से कराया जा रहा है। जिससे निर्धारित समयसीमा में काम पूरा कराने के लिए श्रमिक व मशीनें बढ़ा दी गई हैं। लगातार निगरानी व तकनीकी टीमों की तैनाती के चलते निर्माण कार्य बिना बाधा के आगे बढ़ रहा है। एई धमेन्द्र कुमार ने बताया कि वर्तमान प्रगति संतोषजनक है और यदि इसी गति से कार्य चलता रहा तो 2026 के अंत तक सरैयां आरओबी पूरी तरह से चालू कर दिया जाएगा। पुल तैयार होने के बाद बैराज मार्ग पर आवागमन काफी सुगम होगा और रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को छुटकारा मिलेगा।

डीएम से की शहीद स्मारक व शहीद द्वार बनवाने की मांग

उन्नाव, अमृत विचार। पुलवामा हमले में शहीद हुए विजय कुमार के गांव में शहीद स्मारक व शहीद द्वार बनवाए जाने की मांग शहीद की पत्नी व ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से की है। इसमें कहा गया कि प्रतिभा निवासी गांव रावतपुर पोस्ट सिकन्दरपुर कर्ण थाना बीघापुर उन्नाव के पति विजय कुमार 42 बटालियन सशस्त्र सीमा बल बहराइच प्रथम उप्र में कार्यरत थे। परन्तु पंचायत चुनाव ड्यूटी हेतु सितम्बर 2018 में पुलवामा (जम्मू कश्मीर) गए थे। जहां 21 अक्टूबर 2018 को सीआरपीएफ कैंप में ड्यूटी के दौरान आतंकवादी हमले में जवाबी कार्यवाही के दौरान सिर में गोली लगने से वे शहीद हो गए थे। शहीद के साहस, वीरता व बलिदान के लिए राष्ट्रपति द्वारा पुलिस मेडल फॉर गैलेन्ट्री मरणोपरान्त से नामित किया गया था और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा वर्ष 2024 में अलंकृत किया गया। लेकिन, 7 वर्ष बीतने के बाद भी शहीदों के सम्मान में भारत व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ नहीं मिला है। उनके माता-पिता ने इकलौते बेटे की याद में गांव रावतपुर में शहीद के सम्मान में स्मारक बनाने व सिकंदरपुर कर्ण से रावतपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर शहीद द्वार/तोरण द्वार बनाए जाने की मांग की है। मांग करने वालों में छोटेलाल, भगौला, सचिन, शहीद की पत्नी प्रतिभा, देवराज, चन्द्र प्रकाश, कृष्णा वती सहित एक दर्जन से अधिक परिजन व ग्रामवासी शामिल हैं।

तीन डॉक्टरों के पैनल ने किया पीड़ितों का मेडिकल, मिलीं चोटें

पुलिस द्वारा बीती 6 दिसंबर की देर रात ढाबे में अवैध रूप से शराब बेचने का आरोप लगाकर ढाबा संचालक और उसके परिजनों की पिटाई का मामला

संवाददाता, उन्नाव

- सभी के शरीर पर मिलीं कई गंभीर चोटें, आज सभी का किया जाएगा एक्सरे

अमृत विचार। ढाबा में चेकिंग के दौरान शराब बेचने का आरोप लगा संचालक व उसके परिजनों से मारपीट का मामला तूल पकड़ रहा है। इसमें अब निरीक्षक के अलावा अन्य पुलिस कर्मियों की मुसीबत बढ़ सकती है। डीएम के आदेश पर तीन डॉक्टर का पैनल गठित कर संचालक उसकी पत्नी व दोनों बेटो का मेडिकल किया गया। जिसमें सभी के चोटें मिली हैं। मंगलवार को सभी का एक्सरे भी होना है। फिलहाल थानेदार को एसपी ने लाइन हाजिर कर दिया है। सीओ पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव मुर्तजापुर निवासी भाजपा कार्यकर्ता अवधेश कटियार पुत्र हरिकृष्ण का हरदोई-उन्नाव मार्ग पर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के पास ढाबा है। ढाबे पर अवैध रूप से शराब बिक्री का आरोप लगा बीती 6 दिसंबर की देररात कोतवाल अनुराग सिंह गंजमुरादाबाद चौकी इंचार्ज सतीश द्विवेदी, बांगरमऊ चौकी इंचार्ज अजय यादव, दरोगा वीरेंद्र विक्रम सिंह, आरक्षी दीपक व गोविंद आदि के साथ ढाबे पर पहुंचे थे। आरोप है कि ढाबा खुला देख निरीक्षक समेत पुलिस कर्मियों ने ढाबा संचालक, उसकी पत्नी, उसके पुत्रों व कर्मचारियों पर कहर ढाना शुरू कर दिया। ढाबे में लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिया। ढाबा संचालक की पत्नी ममता का आरोप है कि महिला पुलिस की

ढाबा संचालक के बेटे का मेडिकल करते डाक्टर। अमृत विचार

अनुपस्थिति में कोतवाल ने उनसे बदसलूकी भी की। इसके बाद पुलिस ढाबा संचालक व उसके बेटों सहित चार लोगों को कोतवाली ले गयी। ढाबा संचालक के बेटे ने बताया कि कोतवाली ले जाने के बाद उन्हें सीसीटीवी कैमरे की जद से बाहर ले जाया गया। जहां पुलिस ने सभी की लाठी और पट्टे पिटाई की। इसकी जानकारी पर भाजपा व उससे जुड़े संगठनों के लोग सक्रिय हुए तो सभी का शांतिभंग में चालान कर दिया गया। एसडीएम कोर्ट से सभी को जमानत मिल गई।

पुलिस के चंगुल से छूटने के बाद पीड़ित अवधेश कटियार ने जिलाधिकारी व एसपी की चौखट पर पहुंचकर आपबीती सुनाई। इसके बाद एसपी जेपी सिंह ने इंस्पेक्टरअनुराग सिंह को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं, दरोगा सतीश द्विवेदी भी हटाए गए हैं। सीओ संतोष सिंह पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। पीड़ित ने पुलिस कर्मियों पर रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही है।

सोहरामऊ एसओ संदीप शुक्ला भी हुए लाइन हाजिर

सोहरामऊ थानाक्षेत्र में हाल में एक नर्सिंग छात्रा ने कॉलेज के डॉक्टर पर बैड टच करने का आरोप लगाया था। कार्रवाई न होने पर छात्र-छात्राओं के साथ उनके परिजन कार्रवाई मांग कर प्रदर्शन कर रहे थे। मारपीट की स्थिति बनने पर बीच-बचाव के दौरान एसओ सोहरामऊ पर पीड़िता के परिजनों से मारपीट का आरोप लगा था। इसका भी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद एसपी ने एसओ सोहरामऊ संदीप शुक्ला को लाइन हाजिर कर दिया है।

घटना को लेकर वीडियो हो रहे वायरल

ढाबे में शराब बेचे जाने के आरोप को संचालक ने खारिज किया। लेकिन एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ जिसमें दो शराब के क्वार्टर लिए एक व्यक्ति उन्हें ढाबे से लाने की बात कहता दिख रहा है। हालांकि ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। संचालक का कहना था कि यदि शराब मिली थी तो आबकारी को बुलाकर ढाबा सील कराकर आगे की कार्रवाई करनी चाहती थी। बेरहमी से मारपीट जान बूझ कर की गई।

डीएम के निर्देश पर गठित हुआ था डॉक्टरों का पैनल

डीएम गौरांग राठी ने घटना की सच्चाई जानने के लिए सीएमओ को डाक्टरों का पैनल गठित कर घायलों का मेडिकल कराने के आदेश दिए। सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश ने जिला अस्पताल के डॉ. अस्थि रोग विशेषज्ञ मनोज कुमार, ईएमओ महेंद्र व हिलौली स्वास्थ्य केंद्र की महिला डॉ. शाइंदा जफर को नियुक्त किया। जिन्होंने ढाबा संचालक अवधेश, उनकी पत्नी ममता, बड़े बेटे अश्वनी व छोटे बेटे मिहिर का मेडिकल परीक्षण किया। जिसमें पुलिस की बर्बरता सामने आई। इसमें अश्वनी के शरीर पर 10 जाहिरा चोटें, मिहिर के शरीर पर 5 चोटें, ममता व अवधेश के 3- 3 चोटें मिलीं। मंगलवार को एक्सरे होगा।

ढोल-नगाड़े के साथ एसआईआर फॉर्म भरने का किया आग्रह

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए शिक्षकों ने एक अनूठा अभियान चलाया। बीएलओ, शिक्षकों व कर्मियों ने ढोल नगाड़े और लाउडस्पीकर के माध्यम से गांव की गलियों में घूमकर घर घर दस्तक दी और मतदाताओं को एसआइआर फार्म समय से जमा करने का आह्वान किया।

विकासखंड सफ़ीपुर के गांव रनियामऊ में ढोल नगाड़े की आवाज सुन लोगों ने जब दरवाजे खोले तो सामने बीएलओ अन्य कर्मियों के साथ एसआइआर के लिए जागरूक करते दिखे। लाउडस्पीकर पर लगातार जानकारी दी जा रही थी कि सभी लोग अपना फॉर्म समय से जमा कर दें नहीं तो मतदाता सूची से नाम कट भी सकता है। शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि अभियान में जिन मतदाताओं द्वारा प्रपत्र जमा नहीं किए गए थे उनसे बीएलओ के पास या ऑनलाइन फार्म भरने की अपील की गई। कहा कि फॉर्म को ऑनलाइन मोबाइल एप व निकटतम जनसेवा केंद्र पर भी भरवा सकते हैं। बता दें कि जिलाधिकारी द्वारा सभी सहायक शिक्षकों व प्रधान शिक्षकों को गणना प्रपत्र के संग्रह और डिजीटलाईजेसन में बीएलओ को सहयोग करने के आदेश दिये हैं। अभियान में अमित तिवारी, ऋतु त्रिवेदी, अनूप साहू, संतोषी देवी, देवेन्द्र त्रिपाठी, कृपा शंकर, किरण देवी, रमा देवी, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष गुरु प्रसाद, राधा देवी, सरोजनी, हेमामालिनी आदि शामिल रहे।

ढोल नगाड़ों के साथ मतदाताओं से फॉर्म भरने का आग्रह करते शिक्षक व बीएलओ।

600 घरों की ठप रही बिजली

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। विद्युत विभाग द्वारा सोमवार को गांधी नगर क्षेत्र में एबीसी केबल बिछाने के कार्य के दौरान क्षेत्र के करीब 600 घरों में सुबह से शाम तक आपूर्ति बाधित रही। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शुक्लागंज सबस्टेशन के तहत आने वाले गांधी नगर क्षेत्र में कार्यदायी संस्था ने पुराने ओवरहेड तार हटाकर नई एबीसी डालने का काम शुरू किया। कार्य सुरक्षित तरीके से पूरा करने के लिए क्षेत्र के 630 केवीए ट्रांसफॉर्मर की आपूर्ति सुबह 10 से शाम साढ़े 5 बजे तक बंद रही। इसके चलते करीब 600 परिवारों को दिनभर विद्युत आपूर्ति से वंचित रहना पड़ा। इससे कई घरों में इनवर्टर फेल हो गए और पानी की मोटरें न चलने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई। विभाग के अनुसार, केबल संबंधी कार्य पूरा होने के बाद शाम साढ़े 5 बजे के बाद आपूर्ति बहाल की गई।

अंबिका स्कूल ने जरूरतमंदों को बांटी राहत सामग्री

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को राहत सामग्री देते प्रबंधक अजय त्रिवेदी।

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में बच्चों में समाज सेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से चैरिटी कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान स्कूल प्रबंधन व छात्रों ने मिलकर जरूरतमंदों को उपयोगी वस्तुएं भेंट कीं। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने चौरिटी शिविर में आए जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री, वस्त्र, स्टेशनरी व दैनिक उपयोगी वस्तुएं वितरित कीं। कहा कि इस कार्यक्रम का मकसद न केवल जरूरतमंदों की मदद करना है बल्कि बच्चों में मानवीय संवेदनाओं व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना भी है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी व स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। स्कूल प्रबंधन ने आगे भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखने की बात कही।

आईआईएचएमआर से आई टीम ने देखीं सीएचसी की व्यवस्थाएं

नवाबगंज। लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित सीएचसी का सोमवार को आईआईएचएमआर दिल्ली से आई टीम ने निरीक्षण किया। आईआईएचएमआर के रिसर्च ऑफिसर डॉ. प्रशान्त शर्मा, डॉ. प्रशस्ति अग्रवाल व डॉ. पुनीत सिंह के निर्देशन में 20 सदस्यीय टीम ने सीएचसी के ओपीडी, इमरजेंसी, एसएनसीयू, महिला वार्ड, ओटी समेत कोल्डचेन रूम देखा। टीम ने सीएचसी पर मरीजों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं व सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। टीम ने एसएनसीयू में नवजात शिशुओं के लिए उपलब्ध सेवाओं को भी देखा। वहीं कोल्डचेन रूम में बच्चों को लगाई जाने वाली वैक्सीन व उनके रखरखाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. पंकज वर्मा, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. शैलेन्द्र अस्थाना, डॉ. अखिलेश विक्रम, स्टाफ नर्स दीप शिखा व मंजू, प्रशांत दीक्षित आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

मानसिक मंदित युवक ने फांसी लगा दी जान

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव निवासी लालू प्रसाद का 29 वर्षीय इकलौता बेटा बेचेलाल बीते कई दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। वह राजमिस्त्री का काम करने के साथ खेती भी करता था। परिजनों के अनुसार वह चार-पांच दिनों से बार-बार फांसी लगाने की बात कर रहा था। इससे परिजन हर समय उसके साथ रहने की कोशिश कर रहे थे। इसी साल मार्च में उसकी शादी काजल से हुई थी। सोमवार दोपहर वह पत्नी के साथ खेत गया था। पत्नी को उसने घर जाकर बथुआ का साग बनाने के लिए कहा। जब पत्नी ने पूछा कि बथुआ कहां मिलेगा तो उसने कहा कि खेत से तोड़ लो। इसके बाद पत्नी बथुआ तोड़ने चली गई। तभी बेचेलाल ने अमरूद के पेड़ पर गमछे के सहारे फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब पत्नी लौटी तो उसे पेड़ से लटकता देख बदहवास हो गई। उसने शोर मचाया तो ग्रामीणों पहुंचे और किसी तरह गमछा काटकर उसे नीचे उतारा।

बेचेलाल (फाइल फोटो)

घर में अकेले रह रही महिला ने फंदे से लटककर दी जान

संवाददाता, उन्नाव

- पहले पति को छोड़कर दूसरे युवक के साथ रह रही थी महिला
- परिजनों ने मौत को लेकर कोई आरोप नहीं लगाया है

अमृत विचार। पहले पति से तलाक के बाद प्रेम विवाह कर रह रही महिला का किराए के मकान में शव लटका मिला। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर पैनल से शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई।

अयोध्या जिला के रूधौली थानाक्षेत्र के महमूदमऊ गांव निवासी मो. शमीम ने अपनी बेटी फरीन बनो (30) की शादी करीब 10 साल पहले पड़ोसी गांव निवासी पूरे हुसैन खां गांव निवासी इमरान से की थी। उससे एक बेटा है। लेकिन पति से अक्सर कहासुनी होती थी। इस पर वह बेटे को ससुराल में छोड़कर पुरवा कोतवाली निवासी अली के साथ रहने लगी थी। अली सऊदी अरब में मजदूरी करता है। बेटी के कृत्य से उसके परिजन उससे मतलब नहीं रखते थे। करीब 10 माह से वह सदर कोतवाली क्षेत्र के कासिम नगर मोहल्ला में अली ने उसे अपनी पत्नी बता कर मो. मुमताज के मकान में किराए पर कमरा लिया था। करीब 5 माह रह कर अली एक माह पूर्व सऊदी अरब चला गया। घर में अकेली फरीन का शव रविवार को फंदे से लटका मिला।

मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव मोर्चरी भेजा। काफी प्रयास के बाद मायके पक्ष से पुलिस ने संपर्क किया। सोमवार को मो. शमीम, सूफिया खातून व परिजन पहुंचे। इसके बाद पैनल में शामिल डॉ. अनुराग कुमार व डॉ. विवेक गुप्ता ने शव का पोस्टमार्टम किया। जिसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई। परिजनों ने मौत को लेकर कोई आरोप नहीं लगाया है। कोतवाल चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि मकान मालिक की सूचना पर जांच की गई। परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। शव पिता को सौंपा गया है।

दुष्कर्म पीड़िता के चाचा की तीन कोर्टों में हुई पेशी

माखी दुष्कर्म कांड

उन्नाव, अमृत विचार। बहुचर्चित माखी दुष्कर्म कांड की पीड़िता के चाचा पर कई मामले दर्ज हैं। वह इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। सोमवार को कड़ी सुरक्षा में दिल्ली पुलिस ने उसे अलग-अलग कोर्टों में पेशी कराई।

माखी गांव निवासी दुष्कर्म पीड़िता के चाचा को दिल्ली पुलिस अपनी अभिरक्षा में कोर्ट लाई। उस पर सदर व माखी थानाक्षेत्र में हत्या के प्रयास, मारपीट व विवादित घटनाओं से संबंधित गंभीर आरोप शामिल हैं। लंबे समय से कोर्ट में विचाराधीन इन मामलों में सुनवाई चल रही है। सोमवार को तीन मामलों में पेशी थी। इसमें दो मामलों में जिरह पूरी हो गई है। वहीं तीसरे में गवाहों के बयान अभी दर्ज किए जाने हैं। इसके लिए अदालत ने आगे की तारीख तय करते हुए सुनवाई की अगली प्रक्रिया के निर्देश दिए हैं। पेशी समाप्त होने के बाद दिल्ली पुलिस उसे लेकर लौट गई। कोर्ट में सुरक्षा अधिक बढ़ा दी गई थी। लोगों को सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

आगरा को हराकर उन्नाव ने पूर्ण अंक अर्जित किए

फैजान को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते अतिथि। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। जिला क्रिकेट एसोसिएशन जालौन द्वारा उरई में आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को उन्नाव ने अपने पहले मैच में आगरा को 6 विकेट से हराकर पूर्ण अंक प्राप्त किए।

मैच के पूर्व पहले बल्लेबाजी करते हुए आगरा की टीम ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 139 रन बनाकर आउट हो गई। जिसमें सुमित ने 42, लक्ष्य ने 30 व गोपाल ने 26 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी उन्नाव की टीम ने 17 ओवरों में 4 विकेट पर 144 रन बनाए और 6 विकेट से मैच जीत लिया। उन्नाव की ओर से सूरज त्रिपाठी ने 58, फैजान ने 33, नवरतन ने नाबाद 25 व अरमान ने मात्र 10 गेंदों में नाबाद 23 रनों का योगदान दिया। मैच के बाद फैजान को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने टीम को बधाई दी और अगले मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। कल उन्नाव का दूसरा मैच फिरोजाबाद से होगा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने यह जानकारी दी।

पोनी रोड तिराहे पर नो पार्किंग जोन में खड़े हो रहे सवारी वाहन

शुक्लागंज। पोनी रोड तिराहे के पास नो पार्किंग जोन में एक बार फिर ई-रिक्शा, टेंपो व ऑटो का खड़ा होना शुरू हो गया है। पुलिस द्वारा चालाया गया अभियान कुछ दिन तक सक्रिय रहा लेकिन उसके ढीला पड़ते ही सवारी वाहन चालक पुराने ढर्रे पर लौट आए। परिणाम स्वरूप तिराहे पर जाम की स्थिति बनने लगी है और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जाम की बढ़ती समस्या देख एसपी जय प्रकाश सिंह ने गंगाघाट पुलिस को सख्त निर्देश दिए थे। इसके बाद कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने 5 दिनों तक तिराहे पर खड़े होकर ई-रिक्शा व ऑटो चालकों की शिफ्टिंग कराकर उन्हें नवीन टेंपो अड्डे पर व्यवस्थित कराया था। साथ ही पालिका ठेकेदार को जिम्मेदारी दी थी कि वह किसी भी हाल में पोनी तिराहे पर वाहन खड़ा न होने दे। इस संबंध में कोतवाल ने बताया कि नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों को सीज कर कार्रवाई की जा रही है। यदि इसके बाद भी चालक नियमों का उल्लंघन करते पाए गए तो उन पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस | कलक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागर में डीएम ने कही बात

शहीदों के आश्रितों की सेवा में बढ़ाएं हाथ : डीएम

उन्नाव, अमृत विचार। कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर डीएम गौरांग राठी ने देश की सेवा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों के आश्रितों की सेवा में लोगों से हाथ बढ़ाने की अपील की। डीएम ने कहा कि शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का यह सुनहरा अवसर है।

कार्यक्रम में डीएम ने युद्ध में शहीद, दिव्यांग सैनिकों के बच्चों व आश्रितों को समर्पित धनराशि को दानपेटी में डालकर युद्ध में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। डीएम ने सैनिकों के लिए चलाई जा रही योजनाएं, सैनिक कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी विषयक स्मारिका का विमोचन भी किया। कहा कि हमारी सेवा की तीनों इकाई थल, वायु व जल सेना में जिन सेनानियों ने कृतज्ञता पूर्व समर्पण भाव से देश की सेवा कर देश के विकास में योगदान दिया है उन्हें श्रद्धांजलि देने व उनके आश्रितों की सेवा करने का सुनहरा अवसर है। सभी लोग बढ़-चढ़कर इस कार्य मे हाथ बढ़ाएं। डीएम ने अफसरों, कर्मियों व जिले के प्रमुख संस्थानों से अधिक से अधिक धनराशि का योगदान कराने का आश्वासन जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को दिया।

डीएम को झंडा लगातीं स्क्वाडन लीडर मधु मिश्रा। अमृत विचार

भक्तों ने राम की बाल लीला का किया रसपान

कथा वाचिका कनक पांडेय।

राम कथा का श्रवण करते श्रोता। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। पोनी रोड स्थित बम बम चौराहा पर आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास कनक पांडेय ने भगवान राम की बाल लीलाओं व प्रमुख प्रसंगों का वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्तिमय कर दिया। इस दौरान प्रस्तुत किए गए भजन सुन भक्तगण भावविभोर हो उठे।

श्री मां गंगा सेवा समिति व श्री रामनाम लेखन महायज्ञ समिति के संयुक्त तत्वावधान में राम कथा का आयोजन हो रहा है। सोमवार को कथा के चौथे दिन कथा व्यास कनक पांडेय ने राजा दशरथ के चारों पुत्रों के नामकरण का मनोहारी प्रसंग सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार प्रत्येक पुत्र का नामकरण उनके गुण व स्वभाव के अनुरूप किया गया। इसके बाद कथा व्यास ने महर्षि विश्वामित्र के साथ भगवान राम के वन गमन व राक्षसी ताड़का वध का प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान श्रीकांत पांडेय, आशुतोष शुक्ला, सुनील तिवारी, चन्द्रशेखर, राजीव मिश्र, रमाकांत पांडेय व ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

सिर्फ वही समाधान सार्थक होते हैं, जो लोग स्वयं खोज लेते हैं।

–सत्यजीत रे, फिल्मकार

लापरवाही की आग

गोवा के एक नाइट क्लब में हुआ भीषण अग्निकांड, जिसने 25 निरपराध लोगों की जान ले ली, जिसमें प्रदेश के दो लोग भी शामिल हैं, केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक उदासीनता, नियमों की अवहेलना और लालच में अंधे व्यावसायिक मॉडल का भयावह परिणाम है। असली दोषी केवल इलेक्ट्रॉनिक पटाखे या क्लब प्रबंधन नहीं, बल्कि वह पूरा तंत्र है, जिसने अवैधता को वर्षों तक पनपने दिया और निरीक्षण की मूल जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा। हैरत की बात है कि यह हादसा पर्यटक सीजन के चरम पर हुआ, जब सरकार को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए थी।

गोवा की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन पर निर्भर है, अतः भीड़भाड़, नाइट लाइफ़ और मौसमी गतिविधियों के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का और अधिक कठोरता से पालन स्वाभाविक अपेक्षा है, लेकिन हुआ इसका उलटा। निरीक्षण शिथिल, निगरानी सतही और अवैध प्रतिष्ठानों की भरमार। यह तथ्य कि क्लब के पास न तो कंस्ट्रक्शन लाइसेंस था, न फायर एनओसी और पंचायत ने अवैध निर्माण का नोटिस भी थमा रखा था, फिर भी क्लब निर्बाध रूप से संचालित होता रहा- पूरे प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या कारण था कि कार्रवाई नहीं हुई? क्या यह ढिलाई जानबूझकर बरती गई? या स्थानीय प्रभाव, राजनीतिक संरक्षण और व्यावसायिक हितों के चलते नियमों को हवा में उड़ा दिया गया? कोई भी उत्तर हो- जिम्मेदारी शासन तंत्र पर ही आती है। क्लब का पणजी से 25 किलोमीटर दूर होना शायद क्लब प्रबंधन को यह गलत भरोसा दे गया कि निरीक्षण टीमें इतनी दूर तक बार-बार नहीं आएंगी। यह मानसिकता कि नियमों की पकड़ कमजोर है, भारत में ऐसी दुर्घटनाओं की जड़ है। बैकवॉटर किनारे स्थित इस क्लब में संकरे एंट्री-एग्ज़िट गेट और बेसमेंट में बिना वेंटिलेशन के निर्माण की अनुमति कैसे मिली? दमघोंटू धुएं के कारण हुई मौतें साफ बताती हैं कि भवन निर्माण और आंतरिक सज्जा के मानकों को बर्बर ढंग से नजरअंदाज किया गया था। कई प्रतिष्ठान संगीत, नृत्य, शराब परोसने और बड़े आयोजन चलाने के लिए आवश्यक लाइसेंस लिए बिना ही 'छद्म' व्यापार चलाते हैं। सरकार का यह कहना कि अब सभी क्लबों का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा- एक त्रासदी के बाद जागने जैसा हास्यास्पद और अस्वीकार्य है।

सामान्यतः सुरक्षित माना जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक पटाखों को भीड़भाड़, संकरी जगहें और ज्वलनशील सजावट जोखिमपूर्ण बना सकती है, ऐसे में विवाह समारोहों और बंद हॉल में इनके इस्तेमाल पर गंभीर पुनर्विचार होना चाहिए। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस घटना का प्रभाव गोवा की साख पर कितना पड़ेगा? यदि सुरक्षा को लेकर राज्य की यह उदासीनता बनी रही, तो पर्यटकों की संख्या और गिरना अवश्यंभावी है, जिसका व्यापक आर्थिक असर पड़ेगा। सुरक्षा बैरियर, निरीक्षण प्रणाली, लाइसेंस सत्यापन और आपातकालीन प्रतिक्रिया- इन सबका कड़ाई से पालन ही जीवन बचाता है। यह घटना कड़ी चेतावनी है कि किसी भी राज्य को यह भूल नहीं करनी चाहिए कि मनोरंजन या राजस्व कभी भी मानव जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। उम्मीद है, सरकारें इस पर ध्यान देंगी।

प्रसंगवश

सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र

भारत का भू-सांस्कृतिक मानचित्र केवल एक नक्शा नहीं, बल्कि मिट्टी, जल, खेती, परंपराओं, समुदायों और सांस्कृतिक व्यवहारों की सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र है। यह उस भारत का प्रतिरूप है, जिसकी बनावट केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से विकसित एक जीवंत सांस्कृतिक पारिस्थितिकी से होती है। जिस समय दुनिया जलवायु संकट, जैव विविधता के क्षरण और असंतुलित शहरीकरण की मार झेल रही है, उस समय भारत का यह भू–सांस्कृतिक दृष्टिकोण विकास की नई दिशा का आधार बन सकता है।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

आधुनिक विकास मॉडल ने प्रकृति और संस्कृति के बीच जन्मे उस संतुलन को लगातार पीछे धकेला, जो भारतीय जीवन पद्धति की आत्मा था। बीते दो शताब्दियों में आर्थिक वृद्धि के नाम पर वह दृष्टि हावी हुई, जिसने जल, भूमि और समुदायों को संसाधन भर मान लिया। परिणाम यह हुआ कि भारत की अर्थव्यवस्था में कभी 32 प्रतिशत तक योगदान देने वाला प्रकृति संस्कृति का साझा योग घटकर मात्र चार प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस पृष्ठभूमि में भू-सांस्कृतिक मानचित्रण का विचार न केवल वैज्ञानिक महत्त्व रखता है, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सांस्कृतिक दस्तावेज भी बन सकता है।

भू-सांस्कृतिक मानचित्र की अवधारणा यह स्वीकार करती है कि भारत को सिर्फ 15 एग्रो–क्लाइमेटिक ज़ोन में बांटकर नहीं समझा जा सकता। देश की मिट्टी, नमी, स्थलरूप, ऋतु–चक्र, कृषि–पद्धति, बोली–भाषाएं, लोक–ज्ञान और सामुदायिक ढांचे इतनी विविधता लिए हुए हैं कि वास्तविकता में यहां 86 से अधिक भू-सांस्कृतिक क्षेत्र मौजूद हैं। इन क्षेत्रों की पहचान सात प्रमुख मानकों के आधार पर की जाती है। मिट्टी का प्रकार, जल–उपलब्धता, खेती, प्राकृतिक वनस्पतियां, पारंपरिक पेशे, सांस्कृतिक व्यवहार और सामुदायिक जल–प्रबंधन। इन सभी तत्वों के संगम से बनने वाले प्रत्येक क्षेत्र का चरित्र विशिष्ट होता है और वही इसे भू–सांस्कृतिक इकाई बनाता है।

इस अवधारणा की चर्चा हाल ही में नई दिल्ली स्थित इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में हुई, जहां देशभर के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों, डिज़ाइन विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे भारत के भविष्य की दिशा के रूप में रेखांकित किया। विकास बनाम पुनर्जनन के संदर्भ में नये नजरिए को विकसित करने के लिए जल चेतना वाहक एवं जानकार डॉ. राजेंद्र सिंह ने भू–सांस्कृतिक मानचित्र की संकल्पनना का एक खाका सामने रखा, जो विकास की पुरानी दृष्टि से बाहर आकर प्रकृति और संस्कृति के पुनर्जनन को केंद्र में होने की पैरवी करता है। ये आत्मनिर्भर भारत का मूल मार्ग होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मधुलिका बैनर्जी बताती हैं कि शिक्षा व्यवस्था ने लोक ज्ञान को उपेक्षित किया है, जबकि भारतीय समाज प्रकृति और संस्कृति के सह अस्तित्व पर टिका है। एनसीईआरटी के विशेषज्ञों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि स्थानीय भू-सांस्कृतिक अध्ययन को पाठ्यक्रम में शामिल किए बिना शिक्षा को वास्तविक जीवन से नहीं जोड़ा जा सकता। पर्यावरणीय अर्थशास्त्री विजय परांजपे का मानना है कि भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है। हमें भू-सांस्कृतिक दृष्टि के आर्थिक पक्ष को भी देखने की जरूरत होगी। भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है।

इंडिगो का संकट और 'गुडाकेश' सिंड्रोम

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

> ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं। तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं।

महाभारत में असाधारण वीरता की कथाओं की भूमिका में अर्जुन को 'गुडाकेश' कहकर संबोधित किया गया है, जिसका अर्थ है निद्रा पर विजय प्राप्त करने वाला। योगबल से अर्जुन ने यह शक्ति अर्जित की थी, जब उनके शत्रु नींद से भ्रमित, विक्षिप्त, स्मृति-शिथिल होने लगते थे, विजय सामने आ खड़ी होती थी। ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो भी इस 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जो हालिया संकट के प्रमुख कारक के रूप में सामने आया है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं, एयरपोर्टों पर अराजकता और अफरातफरी का आलम हुआ, तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं। किसी एयरपोर्ट पर एक पत्नी अपने पति का शव लेकर कई दिन इंतजार करती दिखी, कहीं इंडिगों संकट में दूल्हे के फंस जाने के कारण मुहूर्त बीत गया और शादी टालनी पड़ी।

महानायक अर्जुन पर देवताओं की जैसी कृपा थी और उन्होंने जो सफलताएं अर्जित कीं, उनकी तुलना इंडिगो की चमत्कारिक उपलब्धियों से की जा सकती है, क्योंकि यह लंबे समय से निवेशकों को मुनाफा देने वाली प्रिय कंपनी बनी हुई है। उड्डयन को संसार के काफी मुश्किल सेक्टर्स में गिना जाता है, जहां बिरले ही कोई कंपनी लगातार मुनाफे में बनी रह पाती है। आए दिन दुनिया की बड़ी-बड़ी एयरलाइन कंपनियों के संकट में होने की खबरें सामने आती रहती हैं। इस परिस्थिति में भी आर्थिक विशेषज्ञ दावे करते रहते हैं कि इंडिगो जिस हिसाब से इस कदर स्पर्धा वाले बाजार में भी साल दर साल मुनाफा बना रही है, वह आने वाले समय में विश्व की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी बन सकती है।

इंडिगो के मुनाफे का राज उसके अति सख्त और हठी-प्रबंधन में छिपा है। एक ही एयरक्राफ्ट को दिल्ली-मुंबई जैसे व्यस्त रूट पर अधिकतम चक्कर लगवाना, कुशल ईंधन प्रबंधन, पायलट और क्रू मेंबर्स से बहुत अधिक काम लेना और हर मामले में अधिकतम बचत का सिद्धांत लागू करना। अब हवाई यात्रा में पहले की तरह बिना मांगे पानी नहीं मिलता और उर्जा की बचत के लिए ठंडा खाना बेचा जाता है। यह कोई नया प्रबंधन नहीं है, पुरानी साहूकारी शैली में भी ज्यादा चतुर और कंजूस प्रबंधक यही तरीका अपनाते थे, चूंकि इससे निवेशकों को फायदा मिल रहा है, इसलिए मैनेजमेंट गुरु कामयाबी के गुण गा रहे हैं। कल कोई इससे अधिक कामयाब कंपनी आएगी उसकी जय होगी।

अभी तो जब से सरकार की मुक्त आकाश नीति के तहत उड्डयन का निजीकरण शुरू हुआ, कई कंपनियां अपनी किस्मत आजमाने आईं, लेकिन बंद हो गईं। वहीं इंडिगो का व्यापार बढ़ता गया और भारत जैसे विशाल देश के एविएशन सेक्टर में वो मोनोपॉली स्थापित करने में कामयाब रही। यहां याद रखने लायक है कि इंडिगो का यह विस्तार मुक्त अर्थव्यवस्था के उस बुनियादी सिद्धांत के विपरीत था, जिसमें यह कहा गया था कि कंपटीशन इतना होगा कि ग्राहक को अधिकतम लाभ पहुंचेगा और हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब लोग भी हवाई यात्रा कर सकेंगे। सरकार ने जानबूझकर एविएशन सेक्टर में एकाधिकार को बनने दिया। ऐसा क्यों हुआ, कोई छिपी बात नहीं है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयर इंडिया की साख पर जो बट्टा लगा, उसने बाजार में इंडिगो की स्थिति को बहुत मजबूत किया, लेकिन यह भी तथ्य है कि इस हादसे के बाद फ्लाइट सुरक्षा को लेकर चिंताएं गहरी होती गईं। इसी का ध्यान रखते हुए सरकार ने पायलटों के साप्ताहिक आराम की सीमा को बढ़ाकर 36 घंटे से 48 घंटे कर दिया। यह एक जरूरी काम था। जिस तरह दूसरे वाहनों के चालकों को नींद परेशान करती है, पायलटों की भी क्षमताओं पर असर डालती है, तब मानवीय चूक की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस मामले में हुआ यह है कि सरकार ने यह फैसला करने से पहले यह जानने की कोशिश नहीं की कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के पास कितने पायलट हैं और काम के घंटे अचानक घटाए जाने से एयर ट्रैफिक संकटग्रस्त तो नहीं हो जाएगा?

ज़ाहिर है, सरकार को इंडिगो की वास्तविक स्थिति का अंदाज़ा नहीं था और उसने एयरलाइन को तैयारी का मौका दिए बिना अचानक फैसले का एलान कर दिया। इन दिनों विमानन का जो हाल है लोग जानते हैं, लेकिन इस संकट से लोगों का ध्यान एक बार फिर इस ओर गया कि पैसेंजर ट्रेन और रोडवेज की बसों में ठूंसकर इस देश के आम नागरिक अपने गंतव्य तक कैसे पहुंचते हैं और मुनाफे की होड़ में उड्डयन के बुनियादी सिस्टम की उपेक्षा कितनी भारी पड़ सकती है। इस मामले में अंतिम नतीजा निराशाजनक रहा कि सरकार को पायलटों के काम के घंटों से संबंधित फैसला वापस लेना पड़ा है, लेकिन उसने यात्रियों को नुकसान से बचाने के लिए कंपनी पर जुर्माना लगाया है।

इस राष्ट्रीय संकट जैसी स्थिति में किसी सकारात्मक और हल निकालने वाली सोच का परिचय देने के बजाय विमानन कंपनियों का जोर लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर तिगुने-चौगुने महंगे टिकट बेचकर माल बटोरने वाला रहा। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर का जमकर फायदा उठाया गया, जिसे कारपोरेट की भाषा में आपदा में अवसर भी कहा जाता है, लेकिन मुख्य प्रश्न वही है, इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां पायलटों और अन्य स्टॉफ से उतना काम ले रही हैं, जिससे अधिक ले पाना जैविक रूप से संभव नहीं और उन सभी को अर्जुन की तरह गुडाकेश भी नहीं बनाया जा सकता। ऐसे में कोई व्यावहारिक रास्ता खोजना पड़ेगा।

आमने

गहलोत जी आप हर बार की तरह पचपदरा रिफाइनरी पर राजनीति तो खूब कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि देरी और अव्यवस्था की असली नींव आपकी ही सरकार ने रखी थी। भाजपा सरकार ने प्रोजेक्ट को फिर से गति दी, तब आपको यह विकास दिखाई नहीं दे रहा।

–राजेंद्र राठौड़
भाजपा नेता, राजस्थान

सामने

राठौड़ जी 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत आप पर बिल्कुल सटीक बैठती है। रिफाइनरी पर बोलने से पहले आपको अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। चार साल तक 'रिव्यू' के नाम पर आपने राजस्थान के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

–टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

राष्ट्रमंडल खेल, विश्व ओलंपिक का अवसर

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

> 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व–ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं।

2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति (सॉफ्ट पॉवर) को नई ऊंचाई दे सकता है, परंतु किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कमी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा सकती है। विशाल खेल आयोजन किसी भी राष्ट्र के लिए मात्र खेल-प्रतियोगिताएं नहीं होते, बल्कि वे उस देश की राजनीतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक परिपक्वता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होते हैं। आधुनिक समय में खेल कूटनीति एक प्रकार की सांस्कृतिक-शक्ति बन चुकी है, ऐसी शक्ति जो बिना किसी सैन्य बल के, विश्व समुदाय को अपने अनुकूल प्रभावित कर सकती है। भारत लंबे समय से विश्व-स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा के विविध आयामों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता आया है और 2036 के विश्व-ओलंपिक आयोजन की महत्वाकांक्षा इसी दिशा का अगला स्वाभाविक चरण है।

ओलंपिक जैसे विराट आयोजन से पहले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को भारत एक प्रकार के 'पूर्वाभ्यास', 'पूर्व-ओलंपिक नमूने' और 'वैश्विक विश्वास की परीक्षा' के रूप में देख रहा है। यह रणनीति जितनी आकर्षक संभावनाएं प्रदान करती है, उतनी ही गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियां भी प्रस्तुत करती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में इस प्रकार के आयोजनों की तैयारी केवल खेल मंत्रालय का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, सुरक्षा संस्थाओं, निजी क्षेत्र, तकनीकी विशेषज्ञों, खेल संघों और व्यापक समाज—सभी का संयुक्त प्रयास मांगती है। यदि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित कर लेता है, तो विश्व में यह संदेश जाएगा कि देश 2036 के विश्व-ओलंपिक जैसे महाकाय आयोजन को संभालने में सक्षम है। यही कारण है कि यह आयोजन भारत की विश्वसनीयता के लिए एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है।

भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा सांस्कृतिक-शक्ति को सुदृढ़ करना है। आज वैश्विक राजनीति में खेल आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव से आगे बढ़कर राष्ट्र की क्षमताओं की खुली परीक्षा बन चुके हैं। राष्ट्र अपनी तकनीकी दक्षता, शहर-प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक समावेशन, पर्यावरण-जागरूकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का विश्व मंच पर प्रदर्शन करते हैं। भारत यदि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को उच्च स्तर पर संपन्न करता है, तो यह निःसंदेह भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

इस प्रतिष्ठा की कीमत क्या होगी? यह वह कठिन प्रश्न है, जिसे अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। विशाल खेल आयोजनों का सबसे विवादास्पद पहलू उनकी भारी आर्थिक लागत है। 2010 के राष्ट्रमंडल खेल अभी तक भारत की प्रशासनिक छवि पर एक दाग की तरह मौजूद हैं। अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, समय पर कार्य न होना और आयोजन स्थल की कमजोर गुणवत्ता ने भारत की छवि को काफी प्रभावित किया था। यदि वर्ष 2030 में फिर ऐसी ही कोई कमी सामने आती है, तो 2036 विश्व-ओलंपिक का सपना लगभग असंभव हो सकता है, इसलिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता, बहु-स्तरीय जांच और जवाबदेह व्यवस्था को आज से ही प्राथमिकता देनी होगी।

इस सबके साथ-साथ 2030 का आयोजन भारत के लिए एक प्रयोगशाला भी सिद्ध हो सकता है। यह अवसर होगा- शहरी अधोसंरचना, यातायात प्रबंधन, आपदा-प्रतिक्रिया, हरित ऊर्जा, जल-निकास प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक सुरक्षा, और खेल विज्ञान को अंतर्राष्ट्रीय मानक पर परखने का। इस स्तर के आयोजनों में क्षण भर की चूक भी बड़े संकट उत्पन्न कर सकती है, इसलिए वर्ष 2030 का आयोजन भारत के लिए पूर्ण स्तर वाला अभ्यास सिद्ध हो सकता है, जिसमें न केवल खेल प्रबंधन बल्कि संपूर्ण शासन प्रणाली की परीक्षा होगी।

इसके अतिरिक्त, शहरी प्रशासन को सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। कोई भी विशाल खेल आयोजन केवल खेल-स्थल और खिलाड़ियों के निवास-स्थल तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे नगर के परिवहन, मार्ग-संरचना, हवाई अड्डों की क्षमता, स्वच्छता प्रणाली, जल प्रबंधन, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी, भीड़ नियंत्रण, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का तनाव परीक्षण बन जाता है।

यह तैयारी अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि इससे नगरों का बुनियादी ढांचा विश्व-स्तर पर पहुंच सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं ऐसा न हो कि यह निवेश केवल 'दिखावे की अधोसंरचना' में बदल जाए, जो आयोजन–उपरांत उपयोगहीन रह जाए। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं, जहां खेल आयोजनों में बनाए गए स्टेडियम और भवन बाद में 'मरे हुए ढांचे' बन गए। भारत में भी यह समस्या पहले देखी जा चुकी है, इसलिए यह अनिवार्य है कि जो भी अवसंरचना बनाई जाए, वह आयोजन के बाद भी जनसाधारण, खेल प्रशिक्षण संस्थानों और नगर-विकास के लिए उपयोगी बनी रहे।

सोशल फोरम

अपने बच्चे की सुंदरता पर मोहित मां बन गई खूनी

हरियाणा के पानीपत और सोनीपत जिलों से जुड़ी घटना है। एक शादी समारोह में छह साल की बच्ची विधि की मौत को दुर्घटना समझा जा रहा था। विधि अपने परिवार के साथ नौल्था गांव में एक विवाह समारोह में आई थी। देर रात जब बारात निकलने की तैयारी हो रही थी, तब बच्ची के लापता होने की सूचना मिली। परिवार के लोग उसे ढूंढते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। तड़के जब उसकी दादी ऊपर की मंजिल पर पहुंचीं, तो एक स्टोर रूम का दरवाजा बाहर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर बच्ची का शव एक प्लास्टिक के टब में औंधे मुंह पड़ा मिला, जिसमें सिर्फ उसका सिर पानी में डूबा था। शुरुआत में परिवार इसे हादसा मान रहा था, लेकिन पुलिस को स्थिति संदिग्ध लगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हत्या की आशंका जाहिर हुई, जिसके बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

जांच के दौरान पुलिस की नजर बच्ची की मौसी पूनम पर गई, जिसकी बातों में विरोधाभास थे। पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने सबको सन्न कर दिया। 34 वर्षीय पूनम ने स्वीकार किया कि वह सिर्फ विधि ही नहीं, बल्कि कुल चार बच्चों की हत्याएं कर चुकी है, जिनमें उसका अपना ढाई-तीन साल का बेटा भी शामिल था। पुलिस के अनुसार पूनम को अपने बच्चे से ज्यादा सुंदर दिखने वाले बच्चों को मारने की इच्छा होती थी। उसने जनवरी 2023 में अपनी सगी भाभी की नौ साल की बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद उसने अपने बेटे की भी हत्या कर दी, क्योंकि उसे डर था कि बच्चा सच्चाई बता सकता है।

अगस्त 2024 में उसने अपनी मौसेरी बहन की छह साल की बेटी की हत्या की, जिसे भी परिवार ने दुर्घटना मान लिया। हर बार मौत का तरीका एक ही था, पानी में डुबोना। सालों तक इन हत्याओं को संयोग और हादसा समझा जाता रहा, जब तक कि विधि की हत्या ने पूरी परतें नहीं खोल दीं। यह घटना हमें अचानक झकझोर कर यह पूछने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपराध को केवल कानून की भाषा में समझकर संतुष्ट हो सकते हैं, या हमें उसके भीतर छिपे उस अंधेरे को भी देखना होगा जो धीरे-धीरे मनुष्य को मनुष्य से काट देता है। चार-चार बच्चों की हत्या कोई क्षणिक उन्माद नहीं होती। वह लंबी मानसिक यात्रा का परिणाम होती है, जिसमें समाज, परिवार और व्यक्ति तीनों की चुप्पियां शामिल होती हैं।

सामयिकी

घर की चुप्पी में दम तोड़ती आधी आबादी

देश में घरेलू महिला हिंसा की ताज़ा तस्वीर बेहद चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत में लगभग हर तीसरी महिला अपने जीवन के किसी न किसी पड़ाव पर अपने ही जीवनसाथी द्वारा की गई हिंसा का सामना करती है। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिक संकेत नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर एक गहरा प्रश्न है। एक ऐसा दस्तावेज़, जो घर की चारदीवारी में दबा दिया जाता है और बाहर की मुस्कान के पीछे छुपा रहता है।

यह तस्वीर हमारे सामाजिक ढांचे में मौजूद उस दरार को भी उजागर करती है, जहां रिश्तों के नाम पर सहनशीलता को संस्कार बताया जाता है और संरक्षण के नाम पर स्त्री के हिस्से में मौन का बंधन आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत की 15 से 49 वर्ष आयु-वर्ग की लगभग बीस प्रतिशत महिलाओं ने केवल वर्ष 2023 में ही अपने अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा का अनुभव किया। अपने ही घर में, अपने ही विश्वस्त साथी द्वारा की गई हिंसा किसी भी सभ्य समाज की असफलता का सबसे स्पष्ट प्रमाण है। यह हमारे उन नैतिक और पारिवारिक मूल्यों पर भी प्रश्न खड़ा करती है, जिन्हें हम गर्व से 'भारतीय संस्कार' कहते हैं।

संध्या राजपुरोहित

शिक्षिका

घरेलू हिंसा को आमतौर पर शारीरिक उत्पीड़न की संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया जाता है, जबकि सच्चाई इससे कहीं आगे जाती है। अपमान, उपेक्षा, अविश्वास ये मानसिक हिंसा हैं। आवाज़ दबा देने वाली तिरस्कारपूर्ण चुप्पी, आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाले ताने ये भावनात्मक हिंसा हैं। आर्थिक निर्भरता को हथियार बनाना यह वित्तीय हिंसा है और सहमति को महत्व न देना यौनिक हिंसा है। कई बार यह हिंसा सामाजिक रूप ले लेती है, जब महिला को अपनों से अलग कर दिया जाता है या उसे परिवार के बीच ही अपमानित किया जाता है। यह धीमी, भीतर से तोड़ने वाली प्रक्रिया स्त्री के भीतर ऐसी दरारें पैदा कर देती है।

ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए वर्ष 2005 में लागू हुआ घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस कानून ने पहली बार स्पष्ट किया कि घरेलू हिंसा केवल मारपीट नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक और यौन हिंसा भी है। इसने पीड़िता को संरक्षण आदेश, निवास के अधिकार, भरण-पोषण, मेडिकल सहायता, काउंसलिंग और आवश्यक होने पर सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराने की व्यवस्था दी। कई राज्यों में प्रोटेक्शन ऑफिसर, वन-स्टॉप सेंटर और हेल्पलाइन सेवाओं ने हजारों महिलाओं तक पहुंच बनाई है। अनेक मामलों में यह कानून उनके लिए जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक सहारा साबित हुआ है।

कानून अपनी जगह है और समाज अपनी जगह। घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम ने जो ढांचा पेश किया, वह जितना आश्वासक है, उसका क्रियान्वयन उतना ही सीमित। प्रोटेक्शन ऑफिसरों की कमी, पुलिस और न्यायिक तंत्र की सुस्ती और पितृसत्तात्मक रवैये ने इस कानून की प्रभावशीलता को बाधित किया है। कई महिलाएं शिकायत तक दर्ज नहीं कर पातीं और जो करती हैं, उन्हें कानूनी प्रक्रिया की जटिलता और सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ता है, इसलिए कानून ने रास्ता तो खोला है, पर उस रास्ते पर चलने के लिए अभी भी साहस से अधिक व्यवस्था की आवश्यकता है। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक कोई भी कानून पूरी तरह कारगर नहीं हो सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्वभर में लगभग 84 करोड़ महिलाएं अपने जीवन में कभी न कभी शारीरिक या यौन हिंसा का शिकार हो चुकी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

सूपा देउराली नेपाल के सुदूर पहाड़ी पर स्थित देवी भगवती के एक रूप का मंदिर है, जहां नेपाल के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। भारत के यूपी, बिहार, भूटान से भी हजारों श्रद्धालु जाते रहते हैं। सूपा देउराली की ख्याति नेपाल के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में तो है ही, साथ ही इसकी पहचान प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी है। सूपा देउराली देवी स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर नरपानी नामक एक पहाड़ी स्थल जहां के रिसोर्ट लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां भारतीय टूरिस्टों की भीड़ सदैव रहती है। यह स्थल नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश के अर्घाखांची जिले के संधिखर्क नगरपालिका में स्थित है।

विनम्रता का जीवंत प्रतीक

सूपा देउराली मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और विनम्रता का जीवंत प्रतीक है। यह स्थान हमें यह सिखाता है कि विश्वास और नम्रता में ही शक्ति निहित है। अर्घाखांची की यह पवित्र धरा आज भी भक्तों के लिए आस्था का दीप प्रज्ज्वलित किए हुए है, जहां हर कदम पर भक्ति की सुगंध और देवी की कृपा की अनुभूति होती है।

ऐसे पहुंचे मंदिर

सुपा देउराली मंदिर श्रद्धा, विश्वास और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है। समुद्र तल से लगभग 1,500 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है । यहां तक पहुंचने के लिए नेपाल के अंदर अर्घाखांची वाया बुटवल आना होता है, जबकि भारतीय सीमा के बढ़नी, खुनुवा, ककरहवा आदि से होकर आना होता है। बढ़नी, खुनुवा से इसकी दूरी 75 से 100 किमी की है, जबकि ककरहवा से यह दूरी थोड़ी बढ़ जाती है। साधन की जहां तक बात है, तो यदि अपने साधन से हैं, तो प्रतिदिन के हिसाब से भारतीय मुद्रा में 350 रुपये खर्चा आता है और यदि आप नेपाली साधन से जाना चाहें तो दांग, नेपालगंज से अर्घाखांची जाने नेपाली बस या बिंगर हमेशा उपलब्ध है।

सूपा देउराली मंदिर

आस्था, चमत्कार और सौंदर्य का संगम

उत्पत्ति और पौराणिकता

कहा जाता है कि प्राचीन समय में यह इलाका केवल जंगल और पहाड़ियों से घिरा एक निर्जन स्थान था। एक दिन एक ग्वाला अपनी गायें चराते हुए यहां आया और देखा कि अपने आप एक पत्थर से दूध बह रहा है। वह हैरान होकर गांव लौट गया और सबको इस बात की जानकारी दी। ग्रामीण लोग ने वहां पहुंचकर पूजा-अर्चना आरंभ कर दी। धीरे-धीरे वहीं से देवी का दिव्य स्वरूप प्रकट हुआ और उस स्थान को सूपा देउराली नाम से जाना जाने लगा। स्थानीय भाषा में 'सूपा' का अर्थ 'उच्च' या 'शानदार' और 'देउराली' का अर्थ 'पहाड़ी दर्रा' या 'विश्राम स्थल' होता है। यानी 'ऊंचे पहाड़ी पर विराजमान देवी का मंदिर।' इस मंदिर पर आकर पूजा-अर्चना करने से यूं तो तमाम प्रकार की मन्नतें पूरी होती हैं, लेकिन कहते हैं कि कुमारी लड़कियां सुंदर व खुशहाल वर के लिए यहां आकर पूजा अर्चना करती हैं।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

प्राकृतिक सौंदर्य

मंदिर के चारों ओर हरियाली, पर्वत श्रृंखलाएं और दूर-दूर तक फैले हिमालय के दृश्य इस स्थल को अद्भुत बनाते हैं। सुबह के समय धुंध से घिरी पहाड़ियों के बीच से उगता सूरज और मंदिर की घंटियों की गूंज वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।

विनम्रता का संदेश

स्थानीय लोककथाओं में एक चमत्कारिक घटना आज भी प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि कई वर्ष पहले एक नेपाली जवान, जो ब्रिटिश सेना में सेवा कर चुका था, छुट्टी लेकर अपने गांव लौट रहा था। गर्व से भरा हुआ वह जब सूपा देउराली के पास पहुंचा, तो गांव वालों ने उसे देवी के दर्शन करने की सलाह दी, लेकिन घमंडी सेना का जवान हंसकर बोला, "मैं सैनिक हूं, मेरा कोई देवी-देवता क्या कर सकते हैं?" फिर वह मंदिर के पास जाकर उपहास पूर्वक एक पत्थर पर पैर रखकर कुछ व्यंग्य भरे शब्द बोला। तभी अचानक उसका शरीर उसी पत्थर से चिपक गया। गांव वाले भयभीत हो उठे और पुजारी को बुलाया गया। पुजारी ने देवी से क्षमायाचना करते हुए पूजा की और घंटों की प्रार्थना के बाद ही वह जवान पत्थर से अलग हो सका। वह रोते हुए देवी के चरणों में गिर पड़ा और क्षमा मांगते हुए अपनी भूल का पश्चाताप किया। आज भी उस स्थान को "सैनिक टासेको ढुंगा" यानी "जहां सैनिक चिपक गया था" कहा जाता है। वहां भी आने वाले श्रद्धालु फूल, धूप और दीप अर्पित कर देवी से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

बोधकथा

पिंकी का स्वाभिमान

पिंकी एक छोटे से कस्बे के साधारण परिवार की लड़की थी। उसके पिता सिलाई का काम करते थे और माता एक निजी स्कूल में सहायिका थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी, किंतु पिंकी आत्मसम्मान की भावना से पूर्णतया समृद्ध थी। उसे अपने परिवार की ईमानदारी पर गर्व था और अपनी मेहनत की बदौलत आगे बढ़ने का विश्वास भी। पिंकी पढ़ाई में होशियार थी और उसकी आवाज़ में आत्मविश्वास झलकता था। स्कूल की प्रतियोगिताओं में वह अक्सर भाग लिया करती थी, चाहे संसाधन कम हों या सुविधाएं। कई बार उसके सहपाठी उसकी साधारण वेशभूषा का मज़ाक भी उड़ाते थे। वे कहते, "देखो, पिंकी फिर वही पुरानी फ्रॉक पहनकर आ गई। इसको तो स्कूल की गतिविधियों में हिस्सा ही नहीं लेना चाहिए।" पिंकी इन बातों को मन में रखती जरूर थी, पर टूटती नहीं थी। उसे मालूम था कि मनुष्य का मूल्य चमकते कपड़ों से नहीं, बल्कि उज्ज्वल विचारों से तय होता है।

एक दिन स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता की घोषणा हुई। विषय था-"स्वाभिमान ही वास्तविक संपत्ति है।" पिंकी के मन में तो जैसे कोई दीपक जल उठा। उसने निश्चय कर लिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह इस प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेगी, लेकिन समस्याएं यहीं से शुरू हो गईं। प्रतियोगिता के दिन उसके पिता को काम पर जाना था और माता स्कूल से देर से लौटती थीं। पिंकी को स्वयं तैयारी करनी थी। उसके पास नया पहनने को कुछ नहीं था, जबकि बाकी छात्र-छात्राएं मंच पर जाने के लिए नए कपड़े सिलवा रहे थे। जब वह फ़ॉर्म भरकर कक्षा में लौटी, तो कुछ लड़कियों ने व्यंग्य से कहा, "पिंकी, मंच पर जाने के लिए नए कपड़े नहीं होंगे तो सब मज़ाक समझेंगे! छोड़ दे, तुझे क्या ज़रूरत है?"

पिंकी के भीतर उस क्षण हल्की-सी टीस उठी, लेकिन उसने दृढ़ता से उत्तर दिया, "मंच पर कपड़े नहीं, आत्मविश्वास चमकता है। मैं भाग लूंगी।" शाम को जब पिंकी घर पहुंची, तो उसने पिता को बताया कि वह प्रतियोगिता में भाग लेने वाली है। पिता ने मुस्कराते हुए कहा, "बिटिया, नए कपड़े तो इस बार नहीं दिला पाए, परंतु हमारा आशीर्वाद तेरे साथ है।" पिंकी ने सिर हिलाया और कहा, "मुझे बस इसी की आवश्यकता है, पिताजी।"

अगले दो दिन वह पूरी लगन से अपने भाषण की तैयारी करती रही। भाषण की हर पंक्ति में उसने अपने जीवन के अनुभवों को गूंथ दिया। कैसे स्वाभिमान किसी भी कठिनाई में मनुष्य का सहारा बनता है, कैसे आत्मसम्मान के बल पर मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में भी टिककर खड़ा रहता है, यह सब कुछ उसके भाषण में झलक रहा था।

प्रतियोगिता का दिन आया। स्कूल पहुंचते ही पिंकी की अभिन्न मित्र रेखा ने अपनी महंगी पोशाक उसे देते हुए कहा,"पिंकी, आज तुम इसे पहनकर मंच पर जाओगी। मैं नहीं चाहती कि कोई तुम्हारा ज़रा भी मज़ाक बनाए।" लेकिन पिंकी के स्वाभिमान ने उसे ऐसा नहीं करने दिया। पिंकी बोली,"रेखा, मैं तेरी भावनाएं समझती हूं, लेकिन अगर आज मैंने तुम्हारी बात मान ली, तो मेरे भीतर से मेरी स्वाभिमान की दौलत खत्म हो जाएगी।" पिंकी ने अपनी साफ-सुथरी मगर पुरानी फ्रॉक ही पहनी और बालों को साधारण तरीके से बांध लिया। उसके कुछ सहपाठियों ने हंसकर कहा, "इस रूप में भी कोई मंच पर जाता है?" लेकिन पिंकी बिना कोई प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ गई। उसके कदम भले हल्के थे, पर मन भीतर से दृढ़ था। जब मंच पर उसका नाम पुकारा गया, तो सभागार शांत हो गया। पिंकी ने माइक पकड़ा और बोलना शुरू किया, "स्वाभिमान वह शक्ति है, जो किसी भी व्यक्ति को झुकने नहीं देती।गरीबी हो या कठिनाई, यदि मन में आत्मसम्मान है तो मनुष्य हर बाधा पर विजय पा सकता है" उसके शब्दों ने मानो पूरे सभागार पर जादू कर दिया हो। पिंकी के शब्दों में सच्चाई थी, अनुभव था और संघर्ष की चमक भी। उसके भाषण ने यह संदेश दे दिया था कि इंसान की असली सजावट उसके मूल्यों में होती है, न कि महंगे वस्त्रों में। भाषण समाप्त होते ही पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

वह पल पिंकी कभी नहीं भूल पाई, जबकि अनगिनत लोग सिर्फ उसकी बातों के लिए, उसके साहस के लिए और उसके स्वाभिमान के लिए ताली बजा रहे थे। जब परिणाम घोषित हुए, तो पिंकी प्रथम स्थान पर रही। प्रिंसिपल ने ट्रॉफी देते हुए कहा, "पिंकी, आज तुमने सिद्ध कर दिया कि सफलता दिखावे की नहीं, विश्वास की मोहताज होती है।" मंच से उतरते हुए पिंकी के वही सहपाठी, जो उसके कपड़ों पर हंसते थे, आज सर नीचा किए खड़े थे। घर लौटकर पिंकी ने ट्रॉफी पिता की गोद में रख दी और कहा, "पिताजी, आज मैंने जो जीता है, वह आपसे मिली हुई सीख की वजह से। उसके पिता की आंखें भर आईं। उन्होंने पिंकी को हृदय से लगा लिया।

प्रेरणा अवस्थी, *लखीमपुर खीरी*

पौराणिक कथा

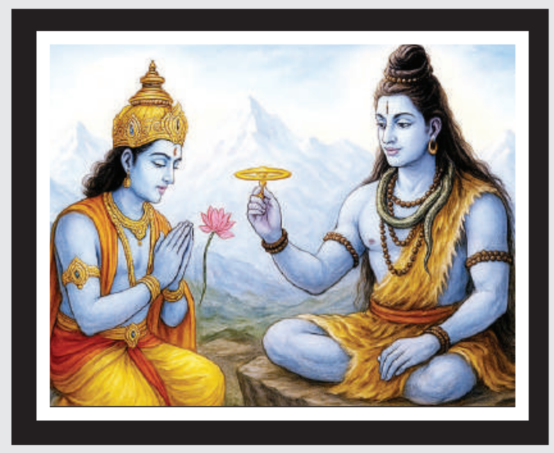

सुदर्शन चक्र की उत्पत्ति

एक समय ऐसा आया जब धरती पर राक्षसों का अत्याचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया। उनके आतंक से न केवल मनुष्य त्रस्त थे, बल्कि देवताओं के लिए भी धार्मिक कार्य करना कठिन हो गया था। राक्षसों का उद्देश्य केवल पृथ्वी को ही नहीं, बल्कि स्वर्गलोक को भी अपने अधीन करना था। देवराज इंद्र चिंतित थे, राक्षसों की शक्ति प्रतिदिन बढ़ रही थी और देवताओं का सामर्थ्य उनके सामने क्षीण पड़ रहा था। अंततः स्वर्ग के सभी देवगण इंद्र के नेतृत्व में भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और व्याकुल स्वर में बोले- "हे नारायण, राक्षसों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कृपा कर हमें इस संकट से मुक्ति दें।" भगवान विष्णु देवताओं की व्यथा सुनकर गंभीर हुए। वे जानते थे कि इस विनाशकारी स्थिति का समाधान स्वयं वे नहीं, बल्कि भगवान शिव कर सकते हैं। विष्णुजी शिवजी को अपना आराध्य मानते थे और शिवजी विष्णुजी को अपना इष्ट। इसलिए देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं पर जाकर भगवान शिव की तपस्या करने का निश्चय किया।

विष्णुजी ने शिव के सहस्त्र नामों का जाप आरंभ किया। उनका संकल्प था कि प्रत्येक नाम के साथ एक कमल का फूल अर्पित करेंगे। तप की अग्नि में लीन होकर वे निरंतर एक-एक नाम का उच्चारण करते और कमल अर्पित करते गए। इस अद्भुत भक्ति को देखकर भगवान शिव ने मन ही मन सोचा-"क्यों न आज मैं अपने आराध्य की भक्ति की परीक्षा लूं?" यही सोचकर शिव ने अपनी दिव्य शक्ति से एक कमल का फूल अदृश्य कर दिया।

तप में लीन भगवान विष्णु को इसका आभास तक न हुआ। जब सहस्त्र नामों के अंतिम नाम का उच्चारण करने का समय आया, तब उन्होंने देखा कि कमल एक कम है। यदि कमल चढ़ाया नहीं गया, तो उनका संकल्प भी अधूरा रह जाएगा और तपस्या भंग हो जाएगी। परंतु भगवान विष्णु का मन तनिक भी विचलित न हुआ। विष्णुजी कमल नयन कहलाते हैं, इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि कमल के स्थान पर वे अपनी आंख अर्पित करेंगे। बिना किसी संकोच के अपनी एक आंख भगवान शिव को समर्पित कर दी।

विष्णुजी की इस निष्ठा और त्याग को देखकर भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और तुरंत प्रकट होकर बोले- "हे विष्णु, तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। मांगो, क्या वर चाहते हो?" विष्णुजी ने विनम्र होकर कहा- "प्रभो, राक्षसों के अत्याचार से देवता और मनुष्य सभी कष्ट में हैं। उनका अंत करने हेतु आप ही अजेय शस्त्र दे सकते हैं। वही वर प्रदान कीजिए।" भगवान शिव ने मुस्कुराते हुए अपने परम दिव्य और अजेय शस्त्र सुदर्शन चक्र विष्णुजी को अर्पित किया। इस चक्र की शक्ति से भगवान विष्णु ने समस्त राक्षसों का संहार कर संसार को पुनः धर्म और शांति के मार्ग पर स्थापित किया। **–फीचर डेस्क**

किचन का गलत वास्तु बढ़ा सकता है मेडिकल बिल!

किचन में अगर आग, पानी और दिशाओं का संतुलन बिगड़ा हो तो सबसे ज्यादा असर पाचन शक्ति, ब्लड प्रेशर, तनाव, हार्मोनल और स्त्री-रोगों पर देखा जाता है। आसान उपायों से बिना तोड़-फोड़ के भी किचन के वास्तु को काफी हद तक संतुलित किया जा सकता है। जिससे आप और आपका परिवार खुशहाल जीवन बिता सकता है।

कौन सी बीमारियां संभव हैं

- अगर किचन उत्तर-पूर्व (ईशान) दिशा में हो तो गैस, एसिडिटी, कब्ज, पाचन गड़बड़ी, मानसिक तनाव और चिंता जैसे रोग बढ़ सकते हैं, क्योंकि यहां जल तत्त्व पर अग्नि हावी हो जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में किचन होने पर घर के पुरुषों को ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, दुर्घटना, क्रॉनिक स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ने की संभावना मानी जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम किचन या आग तत्त्व की गड़बड़ी से घर की महिलाओं को पैरों में दर्द, कमजोरी और स्त्री-रोग, हार्मोनल इंबैलेंस की दिक्कतें भी बताई गई हैं।
- किचन में रंग और ऊर्जा गलत हों (जैसे बहुत गहरा लाल या नीला/जल तत्त्व वाले रंग) तो सिरदर्द, माइग्रेन और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

क्या है आदर्श वास्तु

- किचन की सबसे शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोन) मानी जाती है, इसके बाद उत्तर-पश्चिम दिशा ठीक रहती है।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
वास्तु विशेषज्ञ

- गैस-चूल्हा या कुकटॉप दक्षिण-पूर्व कोने में हो और खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर हो तो स्वास्थ्य और ऊर्जा दोनों के लिए अच्छा रहता है।
- सिंक, वॉश-बेसिन, ड्रेनेज आदि उत्तर या उत्तर-पूर्व साइड में रखें, ताकि पानी और आग तत्त्व आपस में टकराएं नहीं।

आसान घरेलू उपाय

- जहां पर भी चूल्हा लगा है, उस ज़ोन को साफ-सुथरा रखें, रोज़ दीया या छोटी लौ जलाकर 2-3 मिनट मंत्र/प्रार्थना करें, इससे अग्नि तत्त्व संतुलित होता है और नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।
- अगर किचन उत्तर-पूर्व में है, तो वहां हमेशा सफाई रखें, हल्के पीले/क्रीम रंग का पेंट या स्टिकर लगाएं, आग के ठीक आसपास लाल रंग कम से कम रखें, और उस कोने में ज्यादा भारी सामान न रखें।
- दक्षिण-पश्चिम किचन होने पर उस कोने में भारी स्टोरेज (अनाज, डिब्बे) रखें, खूब अर्थी टोन (ब्राउन, बेज) के रंग प्रयोग करें और रोज़ मोटा सेंधा नमक छोटे कटोरे में रखकर बदलते रहें, इससे तनाव और विवाद की ऊर्जा कम होती मानी जाती है।
- किचन में पीला, हल्का नारंगी, ब्राउन जैसे गर्म लेकिन सॉफ्ट रंग दीवारों/टाइल्स/कर्टेन में रखें, नीला/डार्क ब्लू और काला रंग कम से कम रखें, खासकर गैस के पीछे या आसपास।

स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त टिप्स

- किचन हमेशा साफ, सूखा और हवादार रखें, एग्ज़ॉस्ट या चिमनी से धुआं और गर्मी बाहर निकलने दें, इससे सांस और सिरदर्द से जुड़ी दिक्कतें भी घटती हैं।
- अनाज, दाल, तेल आदि के भारी डिब्बे दक्षिण या पश्चिम साइड रखें, उत्तर-पूर्व में भारी स्टोरेज से बचें, इससे स्वास्थ्य और समृद्धि दोनों बेहतर मानी जाती हैं।
- रात को सोने से पहले किचन साफ करके गैस-स्टोव पोंछें, गंदे बर्तन न छोड़ें और एक छोटी कटोरी में थोड़ा पानी और या तो कपूर/लौंग/इलायची जला कर सुगंध फैलाएं, इससे मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ती है।

- अगर किचन में कोई कोना डेड या बहुत बंद है, वहां हल्का क्वाट्र्ज/मेटल पिरामिड या छोटा फव्वारा/पौधा रखने से रुकी हुई ऊर्जा को चलायमान करने में मदद मिलती है (कॉमर्शियल पिरामिड भी बहुत लोग इसी उद्देश्य से लगाते हैं)।

बिजनेस ब्रीफ

एलएनजी को टोरेंट व जेईआरए में समझौता

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने जापानी कंपनी जेईआरए से 10 वर्षों के लिए सालाना 2.7 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद का समझौता किया है। गैस आपूर्ति की शुरुआत 2027 से होगी। बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने सोमवार को कहा कि समझौते के तहत जेईआरए से मिलने वाली एलएनजी का रणनीतिक उपयोग टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) के 2,730 मेगावाट क्षमता वाले गैस-आधारित बिजली संयंत्रों (जीबीपीपी) को चलाने में किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करना, व्यस्त समय में समर्थन देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के संतुलन में मदद करना है।

वारी सोलर की मिला सौर पैनल का ठेका

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज की अमेरिकी इकाई वारी सोलर अमेरिकाज इंक को अमेरिका की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी सबांसी रिन्यूएबल्स से 288 मेगावाट के सौर पैनल का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि वह शेयर बाजार को यह ठेका मिलने की जानकारी पांच दिसंबर को पहले ही दे चुका है। इसमें कहा गया कि यह ठेका टेक्सास में दो बड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं, वाको स्थित पेपर सौर परियोजना और ब्रैशियर स्थित लकी-7 सौर परियोजना में बांटा गया है।

अडाणी ने टीएनएफडी ढांचे को अपनाया

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने प्रकृति संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण (टीएनएफडी) पर कार्यबल के मार्गदर्शन को मुख्य स्थिरता रणनीति में शामिल कर लिया है। इससे प्रकृति-सकारात्मक नवीकरणीय ऊर्जा विकास की दिशा में उसके बदलाव को बल मिलेगा। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। टीएनएफडी ढांचा एक वैश्विक, विज्ञान-आधारित पहल है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, विश्व वन्यजीव कोष और ग्लोबल कैनोपी द्वारा की गई। यह संगठनों को प्रकृति-संबंधी जोखिमों एवं अवसरों की पहचान, आकलन, प्रबंधन तथा प्रकटीकरण के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करता है।

मुनाफावसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का

दो सत्रों की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में आई तेज गिरावट, निफ्टी भी 26 हजार के नीचे पहुंची

- विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बढ़ा दबाव
- फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले निवेशकों ने अपनाया सतर्क रुख

मुंबई, एजेंसी

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार पर दबाव बढ़ गया। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे बाजार धारणा और कमजोर हुई।

बीएसई का सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। एनएसई का निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। एक समय यह 294.2 अंक टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में गिरावट हुई। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 438.90 करोड़ के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,189.17 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.61 प्रतिशत गिरकर 63.37 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है। ऐसा वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मुद्रा के कमजोर होने के चलते है। जापानी बॉण्ड प्रतिफल के उच्च स्तर तक उछल जाने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा, जिससे येन कैरी ट्रेड के वापस होने की आशंकाएं बढ़ीं।

मिड व स्मॉलकैप सहित सभी सेक्टरों में गिरावट

मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.73 और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सूचकांक में 2.20 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट रही जबकि 950 शेयरों में तेजी रही और 187 अपरिवर्तित रहे। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड में 3.70, रियल्टी में 3.50, पूंजीगत वस्तुओं में 2.83, दूरसंचार में 2.53, औद्योगिकी वस्तुओं में 2.21, उपयोगिताओं में 2.10, धातु में 1.96 और बिजली में 1.84 प्रतिशत की गिरावट रही।

विदेशी बाजारों में दिखी तेजी

एशिया के अन्य बाजारों में द. कोरिया का कॉस्पी 1.34 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.54 प्रतिशत और जापान का निक्की 0.13 प्रतिशत बढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 प्रतिशत गिर गया। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

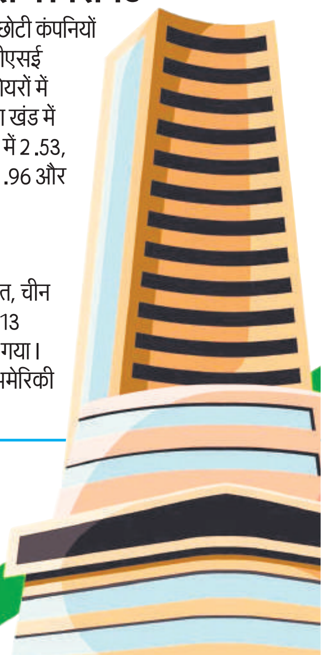

भारत अपने स्त्रोतों से तेल खरीदने को आजाद : रूस

मॉस्को, एजेंसी

- रूस ने भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर रहेगा कायम

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्त्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा।

अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा। वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।

उड़ानें रद्द होना इंडिगो के लिए नकारात्मक, वित्तीय नुकसान भी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मूडीज रेटिंग एजेंसी बोली- एक साल से तय नियमों का सही से नहीं कर सकी पालन

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में व्यापक स्तर पर हुई अव्यवस्था राजस्व हानि के साथ ही उड़ानों के रद्द होने पर संभावित जुर्मानों की वजह से वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एयरलाइन एक साल से अधिक पहले विमानन उद्योग के लिए निर्धारित नियमों के लिए सही योजना नहीं बना पाई, जिसके चलते उसे इस विफलता का सामना करना पड़ा। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा कि ये अव्यवस्थाएं एयरलाइन की साख के लिए भी नकारात्मक हैं। इसमें कहा गया, अस्थायी राहत के बावजूद नए विमानन नियमों के लिए प्रभावी योजना न बना पाना एयरलाइन की साख के लिए नकारात्मक है। यह अव्यवस्था बेहद व्यस्त शीतकालीन उड़ान सत्र की वजह से और बिगड़ गई।

इस बार उड़ानें रद्द होने का सिलसिला दो दिसंबर से शुरू हुआ और एयरलाइन ने पांच दिसंबर को 1,600 से अधिक उड़ानों को रद्द किया। एयरलाइन अभी तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं कर पाई है। सोमवार को भी 500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। मूडीज ने कहा कि ये व्यवधान साख के लिए नकारात्मक हैं, क्योंकि इंडिगो को राजस्व हानि, उड़ान रद्दीकरण, रिफंड और प्रभावित यात्रियों को अन्य क्षतिपूर्ति के साथ ही डीजीसीए द्वारा लगाए जा सकने वाले जुर्मानों के कारण महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। मूडीज ने योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में एयरलाइन की महत्वपूर्ण चूक को इसका प्रमुख कारण बताया क्योंकि ये नियम उद्योग को एक साल से अधिक पहले बताए गए थे।

बीएसई ने इंडिगो से मांगा स्पष्टीकरण, शेयर 8% लुढ़का

- एक्सचेंज ने विमान सेवा कंपनी को कारण बताओ नोटिस किया जारी

मुंबई। शेयर बाजार बीएसई ने विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा विमान सेवा कंपनी इंडिगो को कारण बताओ नोटिस की खबरों के संबंध में एयरलाइंस से स्पष्टीकरण मांगा है। बीएसई ने सोमवार को बताया कि एक वेबसाइट की खबर का लिंक देते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए और समय दिया है तथा इसमें विफल रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। शेयर बाजार ने इस खबर पर एयरलाइंस से जवाब मांगा है। इस बीच, बीएसई में इंडिगो का शेयर आज 444.75 रुपये (8.28 प्रतिशत) गिरकर 4,926.55 रुपये रह गया। कंपनी के शेयर में इस महीने 16.54 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। नवंबर के अंतिम कारोबारी दिवस पर एयरलाइंस का शेयर 5902.70 रुपये पर बंद हुआ था। इस प्रकार, यह 976.15 रुपये टूट चुका है।

सेबी ने मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोर्ड ने कहा- वित्तीय स्थिरता, जोखिम प्रबंधन तथा व्यापार को आसान बनाने को नए नियम
- नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को किया अनिवार्य

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत होगी और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा।

नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है। बाजार नियामक सेबी ने तीन दिसंबर को जारी एक अधिसूचना में मर्चेंट बैंकर को एक ही कंपनी के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियां चलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दे दी है।

सेबी की अधिसूचना के मुताबिक, एक मर्चेंट बैंकर ऐसी गतिविधियां कर सकता है जो किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामक (एफएसआर) के दायरे में आती हैं। साथ ही सेबी या किसी अन्य वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के दायरे में नहीं आने वाली गतिविधियां शुल्क आधारित, गैर-निधि आधारित होनी चाहिए और वित्तीय सेवा क्षेत्र से संबंधित होनी चाहिए। यह निर्णय सेबी के निदेशक मंडल की दिसंबर, 2024 में हुई बैठक में गैर-विनियमित गतिविधियों को एक अलग कानूनी इकाई में स्थानांतरित करने की मंजूरी देने के बाद आया है।

राष्ट्रीय

वंदे मातरम् से अन्याय तुष्टीकरण की थी शुरुआत

रक्षा मंत्री राजनाथ बोले- राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को समान दर्जा देना था, लेकिन वंदे मातरम् को खंडित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 'वंदे मातरम्' के साथ हुआ 'अन्याय' कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि 'तुष्टीकरण की राजनीति' की शुरुआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया था और इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया। लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने कहा कि यह सच स्वीकार करना पड़ेगा कि वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।

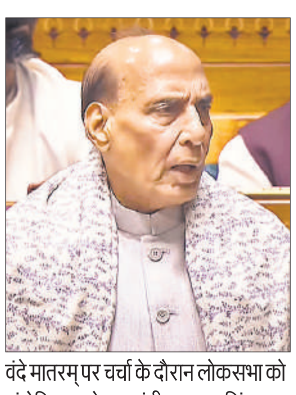

वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान लोकसभा को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

रक्षामंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजाद भारत में राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को एक समान दर्जा देने की बात थी, लेकिन (राष्ट्रीय गीत) वंदे मातरम् को 'खंडित' किया गया। सिंह ने कहा कि वह धरती, (बंगाल) जिस पर वंदे मातरम् की रचना हुई, उसी धरती पर कांग्रेस ने इसे खंडित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम के साथ हुआ अन्याय अलग-थलग घटना नहीं थी, यह तुष्टीकरण की राजनीति की शुरूआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया। इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया।

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् स्वयं में पूर्ण है लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसका गौरव लौटाना समय की मांग और नैतिकता का तकाजा है। हम सभी को मिलकर सोचना चाहिए कि क्या संविधान में नया दायित्व नहीं जोड़ा जा सकता कि राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत को सम्मान दिया जाए। सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् और बंकिमचंद्र चटर्जी की पुस्तक 'आनंद मठ' कभी भी इस्लाम के विरुद्ध नहीं था। उन्होंने दावा किया कि आज पश्चिम बंगाल से बहुत से परिवारों को पलायन करना पड़ रहा है और ऐसा तृणमूल कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति, घुसपैठियों को शरण देने की राजनीति के कारण हुआ है।

बीच में टोके जाने पर भड़के रक्षामंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में अपने वक्तव्य के दौरान किसी विपक्षी सदस्य के बीच में टोकने पर सख्त नाराजगी जताई। राजनाथ सिंह वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए बोल रहे थे, तभी विपक्ष के किसी सदस्य ने टिप्पणी की। रक्षा मंत्री ने कहा कि संसद में कोई चाहे जो बोले, सच बोले, सत्य से थोड़ा परे भी बोले, लेकिन शोर-शराबा नहीं मचाना चाहिए।

वंदे मातरम् से हमें एनर्जी, कांग्रेस को एलर्जी : अनुराग

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम से हमें एनर्जी मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे एलर्जी होती है। लोकसभा में ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शताब्दी वर्ष पर आपातकाल लगाकर देश को अंधेरे में पहुंचाया। आज स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को देश के सामने रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान, सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के अनुपस्थित रहने का जिक्र करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत नहीं राष्ट्रीय प्रीत है इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है। जब चर्चा शुरू हुई तो उस परिवार के दो सदस्य सदन में ही उपस्थित नहीं थे जिसे दशकों तक नेतृत्व का मौका मिला। ठाकुर ने कहा कि अभी गलियारों में चर्चा थी कि पांच दिन से प्रियंका तैयारी कर रही हैं और वंदे मातरम् सुनाएंगी। उन्होंने इतने महापाप किए हैं कि प्रायश्चित का समय आ गया है।

वंदे मातरम् की ऊर्जा आज भी उतनी ही, जितनी स्वतंत्रता संग्राम में थी : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वंदे मातरम् की ऊर्जा आज भी उतनी ही प्रखर है, जितनी स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में थी। उन्होंने सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा की शुरुआत से पहले यह टिप्पणी की। बिरला ने कहा कि आज हम वंदे मातरम् की 150 वर्षीय गौरव-यात्रा का स्मरण कर रहे हैं। एक ऐसी अमर ध्वनि, जिसकी प्रत्येक पंक्ति में भारत की प्रकृति, मातृत्व, सौंदर्य और शक्ति का अद्भुत समन्वय धड़कता है। इस गीत ने भारतीयों में स्वतंत्रता का स्वप्न देखने का साहस जगाया और असंख्य वीरों ने यातनाओं और फांसी के तख्तों पर चढ़ते हुए भी वंदे मातरम् का उद्घोष कर मातृभूमि के चरणों में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

उम्मीद पर 5.17 लाख वक्फ संपत्ती पंजीकरण 2.16 लाख मंजूरी

नई दिल्ली। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को तैयार किए गए 'उम्मीद' पोर्टल पर 5.17 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से छह महीने की समय सीमा के दौरान 2,16,905 संपत्तियों को नामित अनुमोदकों द्वारा मंजूरी दे दी गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने छह जून 2025 को इस केंद्रीय पोर्टल की शुरुआत की थी और वक्फ अधिनियम, 1995 तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, संपत्तियों का विवरण अपलोड करने की छह महीने की समय सीमा छह दिसंबर 2025 को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई। मंत्रालय ने बताया कि अंतिम समय सीमा नजदीक आते ही पंजीकरण की गति में काफी तेजी आई। आंकड़ों के अनुसार, 5,17,040 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण शुरू हुआ, जिनमें से 2,16,905 को मंजूरी मिली। इसके अतिरिक्त 2,13,941 संपत्तियां अंतिम अनुमोदन के लिए लंबित हैं।

बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है

नई दिल्ली, एजेंसी

- बिहार विधानसभा चुनाव में मिली जीत पर राजग सांसदों से प्रधानमंत्री ने कहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बिहार से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से हाल में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन की शानदार जीत के बाद लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को उस समय यह संदेश दिया, जब राजग सांसद मोदी को बिहार चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन की भारी जीत की बधाई देने के लिए दिल्ली आए थे। बैठक के बाद शांभवी ने कहा कि हमने बिहार में शानदार नेतृत्व और प्रचार अभियान के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी तथा उनका आभार जताया, जिसके कारण हमारे चुनाव अभियान को मजबूत गति मिली थी। प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

शांभवी ने बताया कि मोदी ने सांसदों से बिहार के लोगों के कल्याण के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया, क्योंकि सभी के लिए समावेशी विकास राजग की स्पष्ट प्राथमिकता है, फिर चाहे वे किसी भी वर्ग के हों। शांभवी के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों से कहा कि वे नकारात्मकता, घृणा और झूठ के बजाय प्रगति पर ध्यान केंद्रित करें। मोदी ने बिहार के राजग सांसदों को याद दिलाया कि उनका असली काम चुनाव के बाद शुरू होता है।

आतिथ्य कंपनी की दो संपत्तियां की गई सील

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

पणजी, एजेंसी

गोवा में नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने रोमियो लेन कंपनी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि गोवा में इस आतिथ्य कंपनी की दो अन्य संपत्तियों को भी सील कर दिया गया है।

संपत्ति के प्रवर्तकों सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। गोवा की अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और गेट प्रबंधक रियांशु ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरी गोवा जिला प्रशासन ने 'रोमियो लेन' श्रृंखला के वागातोर स्थित एक बीच कैफे और आसगांव स्थित एक अन्य क्लब को भी सील कर दिया है।

गौरव-सौरभ के दिल्ली स्थित घर पहुंची पुलिस, नहीं मिले

नई दिल्ली। गोवा पुलिस की टीम सोमवार को बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब की घटना की जांच में नाइटक्लब के सह-मालिकों गौरव और सौरभ लूथरा के दिल्ली विवि के पास स्थित आवास पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि पुलिस के पहुंचने पर मुख्य आरोपियों में शामिल लूथरा बंधु हडसन लेन स्थित अपने आवास पर नहीं पाए गए। टीम ने गौरव और सौरभ के वर्तमान ठिकाने का पता लगाने के लिए लूथरा परिवार से पूछताछ की और उनकी गतिविधियों, संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी मांगी।

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

पणजी। गोवा सरकार ने अरपोरा स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब की घटना की जांच करने के लिए सोमवार को मजिस्ट्रेट जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की। अवर सचिव (गृह) मंथन मनोज नाइक ने उत्तरी गोवा के जिलाधिकारी अंकित यादव की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया। समिति के सदस्यों में दक्षिण गोवा के पुलिस अधीक्षक टीकम सिंह वर्मा, फोरेंसिक विज्ञान निदेशक आशुतोष आप्टे और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के उप निदेशक राजेंद्र हलर्नकर शामिल हैं।

बार काउंसिल चुनावों में 30% सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्यों को दिया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़े कदम के तहत सोमवार को कहा कि जिन राज्यों की बार काउंसिलों में चुनाव अभी अधिसूचित नहीं हुये हैं, उनमें 30 प्रतिशत सीटें महिला वकीलों के लिए आरक्षित होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मौजूदा चुनाव प्रक्रिया के लिए 20% सीटें चुनी हुई महिला सदस्यों द्वारा भरी जाएंगी और 10% सह विकल्प से भरी जायेंगी।

न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में महिला उम्मीदवारों की संख्या कम है, वहां सह विकल्प का प्रस्ताव उसके सामने रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने हालांकि स्पष्ट किया कि उन छह राज्य बार काउंसिल में कोई आरक्षण लागू नहीं होगा, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। ये राज्य आंध्र प्रदेश, पंजाब और हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और छत्तीसगढ़ हैं। इसके बावजूद, पीठ ने इन राज्यों के अधिवक्ता मतदाताओं से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को उनके वोटों के माध्यम से पर्याप्त और सार्थक प्रतिनिधित्व मिले। न्यायालय ने कानूनी पेशे में महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

वांगचुक ने वीसी से पेश होने की मांगी अनुमति, केंद्र का विरोध

केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से दाखिल उस अर्जी का विरोध किया जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत उनकी हिरासत से संबंधित मामले में जोधपुर जेल से वीडियो कांफ्रेंस (वीसी) के जरिये पेश होने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि कार्यकर्ता जेल से वीसी से जुड़ना चाहते हैं और इसकी अनुमति मांगी है।

निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सिद्दरमैया से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया से 2023 के चुनावों में वरुणा विस क्षेत्र से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब मांगा। इस क्षेत्र का मतदाता होने का दावा करने वाले याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में पांच गारंटियों का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि सिद्दरमैया जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने के. शंकर नाम के व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सिद्दरमैया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

इंडिगो से जुडी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जकार्ता में लुप्तप्राय जायंट पांडा के शावक ने लिया जन्म

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा प्रांत के वन्य जीव संरक्षण केंद्र तमन सफारी इंडोनेशिया (टीएसआई) में एक विशाल पांडा शावक ने जन्म लिया है। यह घटना देश के लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने के प्रयासों में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। टीएसआई के सोमवार के बयान के अनुसार, इस शावक को 27 नवंबर को मादा पांडा हचुन ने जन्म दिया। हचुन उन दो विशाल पांडाओं में से एक है जिन्हें चीन के साथ 10 साल के संरक्षण सहयोग कार्यक्रम के तहत 2017 में इंडोनेशिया भेजा गया था। टीएसआई ने कहा कि यह जन्म उसकी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रजनन कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। इसमें चीन के विशेषज्ञों का भी सहयोग मिला है। शावक की हालत स्थिर है और उसे लगातार निगरानी में रखा जा रहा है।

पैरिस के लूव्र म्यूजियम की लाइब्रेरी में घुसा पानी 400 किताबें भीगीं

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित सुप्रसिद्ध लूव्र म्यूजियम में पानी भर जाने मिस्र विद्या या मिस्रविज्ञान (इजिप्टोलॉजी) लाइब्रेरी की सैकड़ों किताबें खराब हो गई हैं। फ्रांसीसी मीडिया ने रविवार को संग्रहालय के उप प्रबंधक फ्रांसिस स्टेनबॉक के हवाले से बताया कि 26 नवंबर को हुई इस घटना से 300 से 400 किताबें प्रभावित हुईं। इनमें मिस्र की पढ़ाई से संबंधित पत्रिकाएं और वैज्ञानिक प्रलेखन शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल शोधकर्ता नियमित रूप से करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक कलाकृति या चीज को नुकसान नहीं हुआ है और कोई भी ऐसा नुकसान नहीं हुआ है जिसे ठीक न किया जा सके।

म्यामांर में 1178 चीनी साइबर अपराधियों को वापस भेजा गया

बीजिंग। चीन के जन सुरक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि इस महीने की शुरुआत से म्यांमार के म्यावाडी में टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल कुल 1,178 चीनी नागरिकों को वापस लाया गया है। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि एक दिसंबर से संदिग्धों को चीनी पुलिस की निगरानी में थाईलैंड के रास्ते समूहों में सौंपा गया है। यह हस्तांतरण 14 नवंबर को चीन, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम के बीच मंत्री स्तरीय बैठक के बाद हुआ। बैठक में शामिल देशों ने आपसी सहयोग से सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी पर कार्रवाई शुरू करने पर सहमति जताई।

प्रवासियों को आईसीई के आदेशों का पालन न करने का अधिकार

न्यूयार्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इन्कार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट की ओर से मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है।

ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनका अनुरोध अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था।

आजादी के गीत पर राजनीतिक संग्राम

बंकिम चंद्र चटर्जी लिखित गीत वंदेमातरम जो कभी आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार बना था, आजाद भारत में अब उसी गीत पर राजनीतिक संग्राम छिड़ गया है। यह विवाद इसलिए शुरू हुआ है क्योंकि इस गीत के 150 साल पूरे होने पर संसद में विशेष चर्चा आयोजित की गई है और सत्ता पक्ष और विपक्ष ने 1937 में गीत के कुछ महत्वपूर्ण अंशों को हटाने के ऐतिहासिक फैसले पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। इस सियासी विवाद की गहराई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इस पर चर्चा की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। विपक्ष भी इस पर कम आक्रामक नहीं है। वह उन ऐतिहासिक विशेषज्ञों का हवाला दे रहा है जिनके अनुसार 1937 में वंदे मातरम के कुछ छंदों को हटाने का निर्णय राष्ट्रीय आंदोलन में समावेशिता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया था।

वंदे मातरम पर विवाद

सत्तापक्ष के आरोप

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया, जिससे गीत की मूल भावना कमजोर हुई।
- प्रधानमंत्री ने दावा किया कि छंदों को हटाने का यह निर्णय तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा था और इसी मानसिकता ने 1947 में देश के विभाजन के बीज बोए।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ब्रिटिशों की फूट डालो और राज करो की नीति सांप्रदायिक आपत्ति के पीछे थी, जिसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बढ़ावा दिया।

विपक्ष का जवाब

- कांग्रेस ने कहा, यह निर्णय रवींद्रनाथ टैगोर सहित स्वतंत्रता संग्राम के शीर्ष नेताओं की सलाह पर लिया गया था, ताकि इसे एक साझा राष्ट्रीय गीत बनाया जा सके।
- प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर वास्तविक मुद्दों जैसे बेरोजगारी और असमानता से ध्यान भटकाने के लिए इस बहस को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, भाजपा-आरएसएस ने अपने कार्यक्रमों में कभी वंदे मातरम या राष्ट्रगान नहीं गाया है, कांग्रेस ही हमेशा से इसकी ध्वजवाहक रही है।

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

- मद्रास हाईकोर्ट ने जुलाई 2017 में एक महत्वपूर्ण फैसले में तमिलनाडु के सभी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया था।
- अदालत का आदेश था सभी सरकारी-निजी स्कूलों में सप्ताह में कम से कम एक बार वंदे मातरम गाया जाना अनिवार्य होना चाहिए।
- अदालत ने छात्रों को विवेक की स्वतंत्रता दी। कहा, यदि कोई गीत गाने में सहज महसूस नहीं करता है तो उसे बाध्य नहीं किया जाए।
- बाद में सुप्रीम कोर्ट ने वंदेमातरम को अनिवार्य करने के आदेश पर रोक लगा दी और कहा- किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता है।

क्या कहता है इतिहास

- मूल गीत के बाद के छंदों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भ थे। मुस्लिम लीग ने इन्हें इस्लाम के एकेश्वरवाद के खिलाफ बताकर आपत्ति की थी।
- गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद, सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि स्वतंत्रता का आंदोलन समावेशी और धर्मनिरपेक्ष चरित्र बनाए रखे।
- टैगोर ने सुझाव दिया कि आपत्तिजनक संदर्भ से पहले दो छंद राष्ट्रीय समारोहों में गाने चाहिए जिनमें जिनमें मातृभूमि की सुंदरता का वर्णन है।
- कांग्रेस कार्यसमिति ने 29 अक्टूबर, 1937 को खुला निर्णय लिया कि पहले दो छंदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह भी संज्ञान लिया गया था कि वंदेमातरम के पहले दो छंद ही सबसे अधिक लोकप्रिय थे बाकी छंद आम तौर पर कम उपयोग किए जाते थे।

संविधान सभा की घोषणा

- संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को वंदे मातरम को भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में औपचारिक रूप से अपनाया।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रीय आंदोलन में ऐतिहासिक महत्व के कारण राष्ट्रीय गान के समान दर्जा मिले।

भारत की अपने नागरिकों से अपील चीन यात्रा में समझदारी से काम लें

अरुणाचल की महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के बाद परामर्श जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया कि वे चीन की यात्रा करते समय या किसी दूसरे गंतव्य पर जाने के लिए चीन से गुजरते समय पर्याप्त सावधानी बरतें। और समझदारी से काम लें। नई दिल्ली ने अपने नागरिकों के लिए यह परामर्श अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने जाने के दो सप्ताह बाद दिया है। चीन के अधिकारियों ने पारगमन के दौरान इस महिला के भारतीय पासपोर्ट को वैध मानने से इन्कार कर दिया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से पारगमन के दौरान भारतीय नागरिकों को चुनिंदा रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा संबंधी नियमों का चीनी पक्ष सम्मान करेगा। जायसवाल ने 21 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश की महिला से जुड़ी घटना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। जायसवाल ने कहा, विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को सलाह देता है कि वे चीन की यात्रा करते समय पर्याप्त सावधानी बरतें।

- उम्मीद जताई भारतीय नागरिकों को परेशान नहीं करेगा चीन

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दोहराया, अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अटूट हिस्सा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि शंघाई हवाई अड्डे पर हाल ही में हुई घटना के बाद उभरी चिंताओं से हम पूरी तरह सहमत हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह भरोसा देंगे कि चीन के एयरपोर्ट से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को खास तौर पर निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का चीन सम्मान करेगा।

18 घंटे हिरासत में रखा था पेम वांग थोंगडोक को

पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश की एक महिला यात्री पेम वांग थोंगडोक को चीन से गुजरने के दौरान शंघाई हवाई अड्डे पर करीब 18 घंटों तक हिरासत में रखा गया था। उन्हें तब तक वहीं रखा गया जब तक भारतीय अधिकारी मामले को सुलझाने और उसकी यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए वहां नहीं पहुंच गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति के बाद चीन के साथ भारत के संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

पुतिन की भारत यात्रा के बाद चीन का त्रिपक्षीय सहयोग पर जोर

बीजिंग। चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उसने तीनों देशों को 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा करार देते हुए कहा कि मजबूत त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के साथ उनके अपने राष्ट्रीय हितों के लिए भी फायदेमंद हैं।

- कहा- तीनों देशों रिश्ते साझा हितों के अनुरूप

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा, चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं। यह पिछले हफ्ते पुतिन की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत पर चीन की ओर से पहली प्रतिक्रिया है। गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। रूस के साथ चीन के मजबूत संबंधों के मद्देनजर बीजिंग की पुतिन की भारत यात्रा पर करीबी नजर थी। भारत यात्रा से पहले पुतिन की ओर से नई दिल्ली और बीजिंग के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक भारतीय समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी मित्र हैं। हम इस रिश्ते को बहुत महत्व देते हैं।

तनाव बढ़ा, थाईलैंड ने कंबोडिया सीमा पर शुरू किए हवाई हमले

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गई थी। यह संघर्ष विराम समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अक्टूबर में कराया गया था लेकिन इसके बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई में पांच दिनों तक संघर्ष हुआ था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 50,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा माना जा रहा है कि और भी लोग अपने रिश्तेदारों के यहां अन्यत्रचले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा ने कहा कि सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ताजा झड़पों में एक थाई सैनिक और चार कंबोडियाई नागरिक मारे गए हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने टेलीविजन पर एक भाषण में कहा कि देश की रक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए आवश्यकतानुसार सैन्य अभियान चलाए जाएंगे।

- दांव पर लगा ट्रंप की मध्यस्थता में हुआ संघर्ष विराम, सीमाई इलाकों से 50,000 लोग विस्थापित

रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है।

नाइजीरिया की मदद से नाकाम हुई बेनिन में तख्तापलट की कोशिश

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में नाइजीरियाई सेना ने वहां के सुरक्षा बलों की सहायता करते हुए तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया है। बेनिन के राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को एक बयान में बताया कि बेनिन ने नाइजीरिया से तुरंत हवाई सहायता देने और नाइजीरियाई सैनिकों को भेजने की मदद मांगी थी, ताकि देश के संविधान और संस्थाओं की रक्षा की जा सके।

इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा में फिलिस्तीनी लड़की की हत्या की

गाजा। दक्षिणी गाजा के राफा के मवासी इलाके में रविवार को इजरायली सेना ने गोलीबारी कर एक फिलिस्तीनी लड़की की हत्या करदी। एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि लड़की को मवासी में इजराइली सेना के तैनाती क्षेत्रों के बाहर गोली लगी। इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि दक्षिणी गाजा में सैनिकों ने एक आतंकवादी की पहचान की, जो पीली रेखा पार कर सैनिकों के पास आया था और तत्काल खतरा पैदा कर रहा था और उन्होंने आतंकवादी को मार गिराया। इस बीच, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति का भंडार विनाशकारी शून्य स्तर पर बना हुआ है।

अमेरिकी रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ संबंधों को व्यापक बनाने पर जोर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके।

रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौतियों का दिया गया हवाला

सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जलवायु के लिहाज से पृथ्वी अनेक संकटों से जूझ रही है तो अंतरिक्ष मौसम भी इस वर्ष ऐतिहासिक रहा, जिसने सौर विकिरण की बारिश कर वातावरण को दूषित करने में दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। साथ ही, इस सदी में सूर्य ने एक्स क्लास की 20 ज्वाला का रिकॉर्ड बनाया है।

अंतरिक्ष के मौसम को कमतर नहीं आंका जा सकता है। पृथ्वी का अपना मौसम समुद्री जलधाराओं से प्रभावित होता है तो अंतरिक्ष मौसम सूर्य की ज्वालाओं से प्रभावित होता है जिसमें सर्वाधिक खतरनाक सौर तूफानों को

- एक्स क्लास की भयानक 20 सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास

माना जाता है। ये इतने शक्तिशाली होते हैं कि हमारे सैटेलाइट के संचालन को ठप कर सकते हैं तो पृथ्वी पर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल ग्रिड को ध्वस्त करने की ताकत रखते हैं। इसके अलावा हवाई उड़ानों में बाधा पहुंचा सकते हैं। सौर विस्फोट से निकलने वाले उच्च ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण भी हमारे उच्च आसमानी क्षेत्र में फैल जाता है। जिस कारण 12 हजार मीटर की ऊंचाई पर यात्रा करने वाली गर्भवती महिला के भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकती है।

इस वर्ष नवंबर माह विकिरण को लेकर सर्वाधिक असरकारक रहा। सौर वैज्ञानिकों का कहना है कि सूर्य में उत्पन्न 11 नवंबर की ज्वाला सर्वाधिक खतरनाक रही। इस ज्वाला से उठे सौर तूफान से विमान बोइंग 320 को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। साथ ही, यह तूफान भारी मात्रा में आसमान में करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई में विकिरण फैला गया, जो सामान्य स्तर से दस गुना अधिक था। इस विकिरण का प्रभाव 15 घंटे तक बना रहा, जबकि सामान्यतौर पर छः घंटे से अधिक विकिरण का प्रभाव नहीं रहता है। यह 25वा सौर चक्र है, जो पिछले कई सौर चक्रों की तुलना सर्वाधिक प्रभावशाली रहा है। सौर तूफानों के उठने से कई देशों में रेडियो ब्लैक आउट करना पड़ा और हवाई उड़ानों के सिग्नल्स को भी प्रभावित किया। सूर्य अभी भी सक्रियता के दौर से गुजर रहा है। लिहाजा आने वाले दिनों में भी सूर्य की सतह पर विस्फोट जारी रहेंगे, उनसे उच्च स्तरीय सौर तूफान उठेंगे और इनसे नुकसान की आशंका बनी रहेगी।

ऐतिहासिक रहा यह वर्ष : डॉ. वहाबुद्दीन

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, यह वर्ष अब तक की सबसे तीव्र सौर ज्वाला उत्पन्न करने के अलावा, एक्स-श्रेणी की सर्वाधिक ज्वालाओं का वर्ष रहा, जो पृथ्वी की ओर उच्च गति वाले प्रोटॉन और अन्य ऊर्जावान कणों की एक धारा भी फैला गया। पूर्व में इस तरह की सौर गतिविधि बहुत कम ही देखी गईं। आने वाले दिनों में भी सौर सक्रियता जारी रहने वाली है, लिहाजा अंतरिक्ष मौसम का खतरा बने रहने की संभावना है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 02.28 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

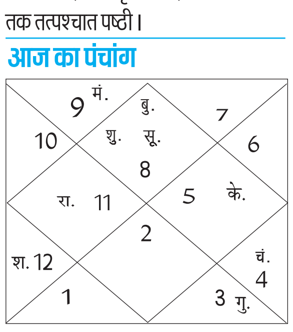

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 10 दिसंबर 02.22 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं। माता की सलाह आपके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। आदर्शवादी विचारों से आपको बचना चाहिए। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। बच्चों की सफलता पर गर्व का अनुभव करेंगे।

वृष — आज आपका पूरा ध्यान करियर में रहेगा। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नये सहयोगी जुड़ने के योग बन रहे हैं। बॉस आपको कुछ उपहार दे सकते हैं। व्यापारियों को बड़ा धन लाभ मिलेगा।

मिथुन — आज व्यापार में विस्तार के लिए लोन ले सकते हैं। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आपके मुख-मंडल पर प्रसन्नता के भाव रहेंगे। उच्च अधिकारियों के साथ संबंध मधुर होंगे। आपको तनाव से दूर रहने के लिए योग और ध्यान की आवश्यकता है।

कर्क — आज जीवनसाथी के प्रति निष्ठा और प्रेम भाव में वृद्धि होगी। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। गूढ़ विद्याओं की ओर आपका रूझान बढ़ेगा। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। गलत खबरों को फैलाने से बचें। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी।

सिंह — आज दांपत्य सुख में कमी आयेगी। नया कार्य आरंभ करने के लिए दिन शुभ नहीं है। अपने व्यवहार में शालीनता बनाए रखें। धन संबंधी चिंता आपको परेशान कर सकती है। व्यापार में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। पुरानी कड़वी यादें आपका मन खराब करेंगी।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। मित्रों से आपको काफी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार के लोगों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

तुला — आज घर में खुशियों का माहौल रहेगा। कमीशन संबंधी कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाने में सफल रहेंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाकर रखें। मार्केटिंग संबंधी कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक — आज पुराने निवेश से आपको धन लाभ मिलेगा। संपत्ति विवादों का निपटारा होगा। गृहस्थ जीवन में शांति का वातावरण रहेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ा मंच मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु — आज आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। शत्रु आपके ऊपर हावी होने का प्रयास करेंगे। रिश्तों को लेकर आप थोड़े भावुक रहेंगे। यात्रा आपको बुरी तरह थका सकती है। ऑनलाइन कारोबारियों को पेमेंट आदि को लेकर थोड़ा सावधान रहना चाहिए।

मकर — आज प्रेमी जन अपने परिवार से विवाह को लेकर सहमति लेना चाहते हैं तो आज दिन शुभ है। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपको बहुमूल्य उपहार मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभव होंगे।

कुंभ — आज निजी रिश्तों को लेकर समस्याओं का समाधान होगा। नया कारोबार शुरू करने में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोग कठिन निर्णय ले सकते हैं। रोगियों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। जिस कार्य से परिणाम न मिल रहे हों उन्हें फिलहाल छोड़ना ही उचित है।

मीन — आज महत्वपूर्ण लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। उच्च अधिकारी आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रेमी जन से झूठ न बोलें। आपकी दिनचर्या काफी अनुकूल रहने वाली है। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। बुजुर्ग जातकों को सन्तान के करियर की चिन्ता हो सकती है।

सुडोकू -185

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		2					
4								
			7	1				
	5							
				8				
		8						
								5
		3					2	

सुडोकू - 184 का हल

1	8	2	3	4	5	6	9	7
5	3	6	9	7	8	1	4	2
4	9	7	1	6	2	3	8	5
3	5	8	6	9	4	7	2	1
2	4	1	7	8	3	9	5	6
6	7	9	5	2	1	8	3	4
8	1	3	4	5	6	2	7	9
7	6	4	2	3	9	5	1	8
9	2	5	8	1	7	4	6	3

> लियोन को लेकर कुछ भी व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। वह पिछले कई वर्षों से हमारे मुख्य स्पिनर रहे हैं, लेकिन बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यह फैसला किया गया। जिस तरह से हमारे पुछल्ले बल्लेबाज लगभग 50 ओवर तक टिके रहे, उससे हमें वह संतुलन मिला।
>
> –स्टीव स्मिथ

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दूसरे वनडे में धीमे ओवर-रेट के लिए भारत पर जुर्माना

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है।

अभिषेक मैच विजेता खिलाड़ी : मार्करम

कटक। दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम के कप्तान एडेन मार्करम ने अभिषेक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सलामी बल्लेबाज बेखौफ और उस अति-आक्रामक खेल शैली का प्रतीक है जिसने इस प्रारूप को नयी पहचान दी है। सनराइजर्स हैदराबाद में अभिषेक के साथ खेलने वाले मार्करम ने इस 25 वर्षीय वामहस्त बल्लेबाज के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। बाराबती स्टेडियम में होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच की पूर्व संध्या पर मारक्रम ने कहा मैं सनराइजर्स में पहले भी अभिषेक के साथ खेल चुका हूं, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं, इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि यह हमारे लिए एक बड़ा विकेट है।

रोहित ने मुझे खुलकर खेलने दिया : शारदुल

मुंबई। आईपीएल 2026 से पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स से मुंबई इंडियंस में दो करोड़ रुपये में ट्रेड किए गए भारतीय तेज गेंदबाज शारदुल शार्दुल ठाकुर का कहना है कि पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें खुलकर खेलने की स्वीकृति दी थी। इसी साल इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 34 साल के तेज गेंदबाज शारदुल मुंबई इंडियन्स में पुराने अच्छे दिनों को फिर से जीने की उम्मीद कर रहे हैं। रोहित के साथ फिर जुड़ने वाले शारदुल ने कहा अभी और पता चलेगा जब साथ में बैठेंगे तो। काफी मस्ती होगी। उन्होंने कहा उन्होंने मुझे सहज महसूस कराया। उन्होंने मुझे उनके साथ खुलकर रहने दिया। उन्होंने मुझे खुलकर खेलने दिया। हम एक-दूसरे के साथ सहज हो गए और इसमें उनका बड़ा हाथ था।

लियोन से कोई शिकायत नहीं: स्मिथ

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है।

साई में 1191 पद खाली : खेल मंत्री

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को स्वीकार किया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में वर्तमान में 1,000 से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। खेल मंत्री ने लोकसभा में केरल के अट्टिंगल के कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के सवाल का जवाब देते हुए यह खुलासा किया। संसद की स्थायी समिति की हाल की रिपोर्ट में इस पर चिंता व्यक्त की गई थी। इस रिपोर्ट में साइ को गंभीर रूप से कम वित्तपोषित और कम कर्मचारियों वाला बताया गया था।

टी-20 सीरीज में जीत से आगाज करना चाहेगा भारत

गिल और हार्दिक की वापसी, विश्व कप की तैयारी की शुरुआत करेंगे मेजबान

शुभमन गिल।

कटक, एजेंसी

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच सात फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिये के साथ उतरेगी जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था।

समय शाम 7:00 बजे से

अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

शुभमन गिल ने जमकर बहाया पसीना

कटक। शुभमन गिल ने दो घंटे तक कड़े अभ्यास के साथ वापसी की जबकि फिट हो चुके हार्दिक पंड्या ने यहां बाराबती स्टेडियम में टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व सोमवार को ट्रेनिंग सत्र से बाहर रहने का फैसला किया। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान गिल गर्दन में ऐंठन और 24 दिन के रिहैबिलिटेशन के बाद वापस आए हैं और वह पूरी तरह से फिट दिखे। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी से पहले क्षेत्ररक्षण और कैचिंग ड्रिल से शुरुआत की। बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने तेज गेंदबाजी और स्पिन दोनों का सामना किया जिसमें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और यहां तक कि अभिषेक शर्मा भी उन्हें गेंदबाजी की। अभिषेक ने हालांकि बल्लेबाजी का अभ्यास नहीं करने का फैसला किया। मुख्य विकेट के पास मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत के बाद गिल ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया और उनके शानदार शॉट बार-बार गैलरी में गए। लोगों को बिना किसी भुगतान के अभ्यास सत्र देखने की इजाजत थी और जब गिल बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे तो लगभग पांच हजार प्रशंसक उनकी हौसलाअफजाई कर रहे थे। उन्होंने कुछ मौकों पर शिवम दुबे से भी लंबे शॉट खेले।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यान्सेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

हार्दिक की वापसी से टीम को मिला संतुलन : सूर्यकुमार

कटक। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरफनमौला हार्दिक पंड्या की वापसी से टीम एशिया कप में सफलता दिलाने वाली वाली रणनीति और संतुलन को फिर से हासिल कर सकेगी।

भारतीय टीम मंगलवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में हिस्सा लेगी। तेज गेंदबाजी के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाले हार्दिक बायें पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने चोट से उबरने के बाद हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की और शानदार लय में हैं। अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले उनकी समय पर वापसी ने टीम में विकल्प को बढावा दिया है और इससे टीम का संतुलन अच्छा होगा।

नई गेंद से गेंदबाजी करने का उनका कौशल भारत को तीन या चार स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरने की सुविधा देते हैं। सूर्यकुमार ने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टी20 मैच से पहले कहा मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में भी देखा होगा जब वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने हमारे लिए अंतिम एकादश के लिहाज से कई विकल्प और कई संयोजन आजमाने के मौके दिए। वह टीम को अधिक विकल्प देने के साथ मजबूती प्रदान करते हैं। बड़े मैचों और आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहता है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान ने कहा मुझे लगता है कि यह अनुभव बहुत मायने रखेगा। उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को एक अच्छा संतुलन प्रदान करेगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : बिहार ने उप्र के खिलाफ किया उलटफेर

कोलकाता, एजेंसी

भारत के टी20 विशेषज्ञ रिंकू सिंह बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके जिससे बिहार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां उत्तर प्रदेश को छह विकेट से हरा दिया।

सलामी बल्लेबाज पीयूष सिंह की 54 गेंदों में 57 रनों की पारी के दम पर बिहार ने 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। इससे पहले मंगल महरौर ने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे उत्तर प्रदेश छह विकेट पर 144 रन ही बना सका। मध्यम गति की गेंदबाजी करने वाले महरौर को कप्तान सकीबुल गनी (20 रन पर एक विकेट) और साकिब हुसैन (31 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। इन दोनों ने अपने-अपने चार ओवरों में एक-एक विकेट लिया।

चंडीगढ़ ने एक गेंद शेष रहते रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से मात दी

हैदराबाद के अमन राव का विकेट लेने के बाद जश्न मनाती चंडीगढ़ की टीम।

कोलकाता : चंडीगढ़ ने रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से एक गेंद शेष रहते हरा दिया। चंडीगढ़ के बल्लेबाज अर्जुन आजाद (63) और शिवम भांबरी (42) की शानदार बल्लेबाजी से जीत के लिए मिले 147 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। वहीं, जम्मू कश्मीर ने नौ विकेट पर 150 रन बनाने के बाद मध्यप्रदेश की पारी को 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 137 रन पर समेट कर 13 रन से जीत दर्ज की। ग्रुप के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने राहुल त्रिपाठी के 83 रन की शानदार पारी के बाद जलज सक्सेना, तनय सांघवी और विक्की ओस्तवाल के तीन-तीन विकेटों से गोवा को 15 रन से हराया। महाराष्ट्र ने 161 रन बनाने के बाद गोवा को 19.3 ओवर में 146 रन पर आउट कर दिया।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दोहा : निशानेबाज जोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फाइनल में शुरुआती 10 शॉट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे जबकि भारत ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ अभियान का अंत किया।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर लुसैल निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिताओं के आखिरी दिन अकेले भारतीय प्रतिस्पर्धी थे। जोरावर ने क्वालीफाइंग में 125 में से 119 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया जिसमें अब नए आईएसएसएफ नियमों के अनुसार पहले के छह के बजाय आठ निशानेबाजों ने जगह बनाई। तीस शॉट के फाइनल में जोरावर लय में नहीं दिखे और इटली के जियोवानी पेलिएलो के साथ बाहर होने वाले शुरुआती दो निशानेबाजों में शामिल रहे।

रियल मैड्रिड की घरेलू मैदान पर पहली हार

मैड्रिड, एजेंसी

रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों के साथ खेलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी और वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रविवार को सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से हार गया। रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में यह पहली पराजय है। इससे वह बार्सिलोना से खिताब की दौड़ में भी पिछड़ गया है।

रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में जल्दी ही गोल खा लिया। इसके बाद उसके दो खिलाड़ियों फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास को रेड कार्ड दिखाए गए जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। मैड्रिड के बेंच पर बैठे खिलाड़ी एंड्रिक को भी शिकायत करने पर रेड कार्ड दिखाया गया। विलियट ने 54वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट के पास से फ्लिक से सेल्टा विगो के लिए पहला गोल किया। मैड्रिड ने 64वें मिनट में गार्सिया को और स्टॉपेज टाइम में कैरेरास को खो दिया।

खिलाड़ियों का बिगाड़ा प्लान

चेन्नई : जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे खिलाड़ी, अपने परिवार के सदस्यों के साथ आए हैं। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में उन्होंने यादगार पलों को संजोने के लिए फोटो सेशन कराया। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशनल संकट की वजह से कई खिलाड़ियों, परिवारों और फैंस के ट्रैवल प्लान बिगड़ गए हैं। ● एजेंसी

भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स को 3-1 से हराया

हॉकी जू. महिला विश्व कप

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारत की तरफ से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए, जबकि एलोइस मोट (52वें) ने वेल्स के लिए एकमात्र गोल किया।

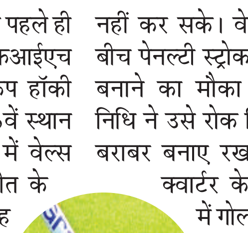

भारत ने मैच पर शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उसे पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए लेकिन शुरुआत में गोल नहीं कर सके। वेल्स को भी इस बीच पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त बनाने का मौका मिला, लेकिन निधि ने उसे रोक दिया और स्कोर बराबर बनाए रखा। भारत पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में गोल करने में सफल रहा। हिना ने साक्षी राणा के पास पर यह गोल किया। अपनी बढ़त को दोगुना करने की कोशिश में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके दबाव बनाए रखा। भारतीय टीम ने लगातार मौके बनाए जिसका उन्हें फायदा भी मिला जब राणा का शॉट सुनलिता के पास गया, जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। इस तरह से भारत ने मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त बना ली थी।

हॉकी जूनियर विश्व कप

भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

अब भी पदक जीतने का एक मौका है : श्रीजेश

चेन्नई, एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी।

सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने भाषा से खास बातचीत में कहा यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षायें थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाये। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते। उन्होंने कहा हमें काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके। पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं।

यह पूछने पर कि मौजूदा चैम्पियन टीम के सामने होने के कारण क्या कोई मानसिक दबाव था, श्रीजेश ने कहा कि माहौल की वजह से कई बार दबाव बन जाता है। उन्होंने कहा कोई मानसिक कारण नहीं था लेकिन कई बार माहौल की वजह से दबाव बन जाता है। इतने बड़े टूर्नामेंट में दबाव रहता ही है चूंकि इन खिलाड़ियों के पास उतना अनुभव अभी नहीं है। आपको उनकी टक्कर का मैच खेलना था क्योंकि एक बार दबाव में आने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है। इसके लिए मानसिक दृढ़ता की जरूरत होती है।

दो बार ओलंपिक कांस्य पदक का मुकाबला जीत चुके श्रीजेश ने कहा टीम के लिए जरूरी है कि अगले मैच का महत्व समझे क्योंकि अभी भी हमारे पास एक पदक जीतने का मौका है। यह खिलाड़ियों के लिए अहम है कि इस हार को भुलाकर अगले मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमें बड़ी टीमों के खिलाफ मैचों में मौकों को भुनाना और मौके नहीं गंवाना सीखना होगा। यह पूछने पर कि क्या इस टीम में ऐसी प्रतिभाएं दिखती हैं जो आगे जाकर सीनियर स्तर पर भारत के लिए खेल सकती हैं, श्रीजेश ने कहा कि उन्हें इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा इस टीम में छह सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सीनियर टीम में जाने के हकदार हैं। उन्हें हालांकि अभी और अनुभव की जरूरत है लेकिन विश्व कप और हॉकी इंडिया लीग के बाद मुझे पूरा यकीन है कि वे सीनियर कोर ग्रुप में होंगे। अगले साल विश्व कप, अजलन शाह कप, प्रो लीग, एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं तो यह अनुभव उनके काम आयेगा। उन्होंने आगे कहा ये खिलाड़ी विश्व कप पदक जीतने के हकदार हैं क्योंकि पिछले एक साल में इन्होंने काफी मेहनत की है। अब मैदान पर जाकर इन्हें वह पदक जीतकर लौटना है।

हमें जर्मनी से सीखना चाहिए

मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ियों को जर्मनी की तरह खेल पर नियंत्रण बनाना सीखना होगा। उन्होंने कहा हमें खेल पर नियंत्रण रखना चाहिये था जिसमें हम नाकाम रहे। हमारी छोटी छोटी गलतियों का जर्मनी ने पूरा फायदा उठाया और गोल किए। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और वन टच यूरोपीय हॉकी खेलकर मैच पर नियंत्रण बनाए रखा जो हमें सीखना और समझना होगा।

09 साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का टूटा सपना

10 दिसंबर को कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से होगा मुकाबला

● फाइनल में स्पेन और जर्मनी टकराएंगे